बैशाख कृष्ण पक्ष अमावस्या
विक्रम संवत 2081

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

बुधवार, 8 मई 2024
वर्ष 5, अंक 171, पृष्ठ 16
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

शुक्र के खोए सागरों की गुत्थी सुलझाने में कामयाबी 16

बेहतर स्क्रिप्ट पर शाहरूख के साथ काम करेंगी प्रीति 15

एक नजर

हिमाचल बोर्ड के 10वीं के नतीजे घोषित

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड (एचपीबीओएसई) द्वारा मंगलवार को घोषित 10वीं कक्षा के बोर्ड परीक्षा परिणाम में लड़कियों ने एक बार फिर बाजी मारते हुए लड़कों को पीछे छोड़ दिया। राज्य की परीक्षा में शामिल हुए कुल विद्यार्थियों में से 74.61 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करने वाले शीर्ष 92 विद्यार्थियों में 72 लड़कियां हैं, जिन्होंने शीर्ष 10 स्थान हासिल किए हैं।

राधिका खेड़ा और शेखर सुमन भाजपा में शामिल

नई दिल्ली। जाने माने फिल्म कलाकार शेखर सुमन एवं कांग्रेस की राष्ट्रीय मीडिया संयोजक रहीं राधिका खेड़ा मंगलवार को भाजपा में शामिल हो गईं। भाजपा के केन्द्रीय कार्यालय में पार्टी के महासचिव विनोद तावड़े, भाजपा में राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनिल बलूनी और सह प्रभारी संजय मयूख की मौजूदगी में शेखर सुमन एवं राधिका खेड़ा ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। तावड़े ने दोनों हस्तियों को सदस्यता पर्ची एवं गुलदस्ता देकर स्वागत किया।

10 मई को बृजभूषण पर हो सकता है फैसला

नई दिल्ली। दिल्ली की अदालत 10 मई को आदेश सुना सकती है कि भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख एवं भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ छह महिला पहलवानों के दर्ज कराए यौन उत्पीड़न मामले में आरोप तय किया जाए या नहीं। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) प्रियंका राजपूत मंगलवार को आदेश पारित करने वाली थीं लेकिन उन्होंने यह कहते हुए इसे टाल दिया दिया कि आदेश में कुछ सुधार की जरूरत है।

मिर्जापुर से अनुप्रिया, रिंकी राबर्ट्सगंज से लड़ेंगी

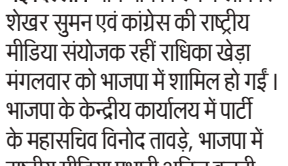

अनुप्रिया पटेल रिंकी कोल

लखनऊ। लोकसभा चुनाव के लिए मंगलवार को अपना दल (एस) ने दो उम्मीदवारों की घोषणा की है। मिर्जापुर से तीसरी बार अनुप्रिया पटेल उम्मीदवार बन रहीं हैं। वे वर्तमान में भी जिले की सांसद व एनडीए सरकार में केन्द्रीय मंत्री हैं। इसी तरह अपना दल एस की छानबे विधायक रिंकी कोल को राबर्ट्सगंज संसदीय सीट से उनके ससुर पकौड़ी कोल का टिकट काटकर पार्टी प्रत्याशी बनाया गया है।

झारखंड : मंत्री के निजी सचिव को किया गिरफ्तार

रांची, एजेंसी

ईडी की कार्रवाई

- रांची में दूसरे दिन भी छापेमारी में डेढ़ करोड़ रुपये बरामद

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक फ्लैट से 35 करोड़ रुपये नकदी बरामद करने के मामले में झारखंड सरकार में मंत्री आलमगीर आलम के निजी सचिव संजीव लाल और उनके घरेलू सहायक को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। एजेंसी ने राज्य के सात स्थानों पर नए सिरे से तलाशी भी ली और राजीव कुमार नाम के ठेकेदार से 1.5 करोड़ रुपये जब्त किए हैं। सूत्रों ने बताया कि पिछले दो दिनों में कुल 36.75 करोड़ रुपये बरामद किए जा चुके हैं। अधिकारियों ने बताया कि संजीव लाल और उनके घरेलू सहायक जहांगीर आलम से रातभर पूछताछ करने के बाद दोनों को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत हिरासत में ले लिया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि राज्य के ग्रामीण विकास विभाग में अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन मामले की जांच में ईडी ने सोमवार को शहर में एक फ्लैट पर छापा मारा था जो कथित रूप से संजीव लाल के घरेलू सहायक जहांगीर का है।

हरियाणा में तीन निर्दलीय विधायकों की समर्थन वापसी

चंडीगढ़, एजेंसी

हरियाणा में तीन निर्दलीय विधायकों ने मंगलवार को भाजपा सरकार से समर्थन वापस ले लिया और साथ ही कांग्रेस का समर्थन करने की घोषणा कर दी। इन विधायकों का समर्थन वापस होने के बाद नायब सिंह सैनी सरकार राज्य विधानसभा में अल्पमत में आ गई।

हरियाणा की 90 सदस्यीय विधानसभा में सदस्यों की मौजूदा क्षमता 88 है। सरकार के पास बहुमत से दो विधायक कम हैं। वर्तमान में भाजपा नीत सरकार को दो अन्य निर्दलीय विधायकों का समर्थन प्राप्त है। हालिया दिनों में, जननायक जनता पार्टी (जजपा) के कुछ विधायकों ने भाजपा को समर्थन देने का संकेत दिया है, हालांकि जजपा ने मार्च में गठबंधन सरकार से समर्थन वापस ले लिया था। विधानसभा में भाजपा के 40, कांग्रेस के 30 और जजपा के 10 विधायक हैं।

निर्दलीय विधायक सोमबीर सांगवान (दादरी), रणधीर सिंह गोलन (पुंडरी) और धर्मपाल गोंदर (नीलोखेड़ी) ने नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा और प्रदेश कांग्रेस प्रमुख उदय भान की मौजूदगी में रोहतक में संवाददाता सम्मेलन में अपने फैसले की घोषणा की। हुड्डा ने कहा, सरकार को इस्तीफा दे देना चाहिए। राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाया जाना चाहिए और चुनाव कराया जाना चाहिए। गोंदर ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम सरकार से समर्थन वापस ले रहे हैं। हम अब कांग्रेस के साथ हैं। हमने किसानों से जुड़े मुद्दों, महंगाई और बेरोजगारी सहित विभिन्न मुद्दों पर यह निर्णय लिया है। उदय भान ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''तीन निर्दलीय विधायकों ने कांग्रेस को अपना समर्थन दिया है। सरकार को पहले जजपा के 10 विधायकों और निर्दलीय विधायकों का समर्थन प्राप्त था, लेकिन जजपा ने भी समर्थन वापस ले लिया और अब निर्दलीय भी साथ छोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली सरकार अब अल्पमत में है।

तीनों निर्दलीय विधायकों की मौजूदगी में प्रेस कांफ्रेंस करते भूपेंद्र सिंह हुड्डा।

अल्पमत में भाजपा सरकार

- तीनों विधायकों ने की कांग्रेस को समर्थन देने की घोषणा
- 90 सदस्यीय विधानसभा में हैं भाजपा के 40 विधायक

तीसरा चरण : प्रदेश की 10 लोकसभा सीटों के लिए शांतिपूर्ण ढंग से पड़े वोट

बरेली में 57.88, आंवला में 57.08% वोटिंग

- पिछले चुनाव से मामूली कम रहा मतदान प्रतिशत, कई क्षेत्रों में मतदान का बहिष्कार
- ईवीएम में गड़बड़ियों के कारण करीब 12 बूथों पर घंटों प्रभावित रहा मतदान

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : तीसरे चरण के चुनाव में प्रदेश की 10 लोकसभा सीटों पर शांतिपूर्ण मतदान हुआ। कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच बरेली और आंवला संसदीय क्षेत्र में मंगलवार को वोट डाले गए। तमाम प्रयासों के बावजूद दोनों सीटों पर मतदान प्रतिशत पिछले चुनाव के बराबर नहीं पहुंच पाया। बरेली में 57.88 और आंवला में 57.08 फीसदी वोट डाले गए। कई इलाकों में बहिष्कार और ईवीएम में गड़बड़ियों की वजह से भी मतदान प्रभावित रहा। गड़बड़ी की आशंका जताकर पुलिस ने देवरनियां और शीशगढ़ में सपा के कई समर्थकों को चुनाव के दौरान हिरासत में रखा।

लोकसभा चुनाव 2019 में बरेली संसदीय क्षेत्र में 59.46 और आंवला में 58.97 प्रतिशत मतदान हुआ था। इस बार सुबह से ही मतदान की रफ्तार धीमी रही और कड़ी धूप की वजह से दोपहर भर मतदान केंद्रों पर सन्नाटा छाया रहा। शाम को अपेक्षाकृत तेजी से मतदान हुआ। दोनों संसदीय क्षेत्रों में ईवीएम खराब होने की 12 से ज्यादा घटनाएं हुईं जिसकी वजह से कहीं-कहीं घंटों तक मतदान प्रभावित रहा।

बरेली के गांव पहना-पहनिया, बैबाही, गोकुलपुर गरगइया, गौंटिया और आंवला के जगतपुर समेत तमाम इलाकों में जरूरत के विकास कार्य न होने से नाराज लोगों ने मतदान का बहिष्कार किया। अफसरों के मनाने के बाद दोपहर बाद लोगों ने वोट डालने शुरू किए लेकिन कुछ इलाकों में काफी कम मतदान हो पाया।

बरेली के रिक्खी सिंह गर्ल्स इंटर कॉलेज मतदान केंद्र पर वोटिंग के बाद मत प्रतीक दिखातीं महिलाएं। ● अमृत विचार

11 राज्यों की 93 सीटों पर 64.58 प्रतिशत मतदान

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में मंगलवार को 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 93 निर्वाचन क्षेत्रों में 64.58 प्रतिशत मतदान हुआ। पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में छिटपुट हिंसा की सूचना मिली हैं। निर्वाचन आयोग से जारी देर रात 12:15 बजे तक के आंकड़ों के अनुसार असम में सबसे अधिक 81.71%, प. बंगाल में 76.52 और गोवा में 75.20% जबकि उत्तर प्रदेश में सबसे कम 57.34 प्रतिशत मतदान हुआ। बिहार में 58.18%, गुजरात में 59.51% और महाराष्ट्र में 61.44% मत पड़े। आयोग के मुताबिक कुल मत प्रतिशत 64.58 रहा। मतदान सुबह सात से शाम छह बजे तक हुआ। वहीं, छत्तीसगढ़ में 71.06%, दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव में 69.87%, कर्नाटक में 70.41 और मध्य प्रदेश में 66.05% मतदान किया गया। गुजरात में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गांधीनगर क्षेत्र और केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने अहमदाबाद के केंद्र पर मतदान किया।

प्रदेश की 10 लोस सीटों पर 57.34 प्रतिशत मतदान

लखनऊ। प्रदेश में तीसरे चरण की 10 लोकसभा सीटों के चुनाव में कुल 57.34% वोट पड़े। संभल में सबसे ज्यादा 62.81 प्रतिशत व आगरा में सबसे कम 53.99% मतदान हुआ। हाथरस (अजा) सीट पर 55.36, फतेहपुर सीकरी में 57.09, फिरोजाबाद में 58.22, मैनपुरी 58.5, एटा में 59.1, बदायूं में 54.36 % मतदान हुआ।

केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से नहीं मिली राहत

- दिल्ली की कोर्ट ने 20 मई तक बढ़ाई न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट से कोई राहत नहीं मिली। दो न्यायाधीशों की पीठ ने लोकसभा चुनाव में प्रचार करने के लिए उन्हें अंतरिम जमानत देने पर आदेश नहीं सुनाया। इस बीच, दिल्ली की एक अदालत ने केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 20 मई तक बढ़ा दी।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी और एएसजी एसवी राजू की दलीलें सुनने के बाद अंतरिम जमानत पर फैसला सुरक्षित रख लिया। न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा कि अगर कल नहीं, तो गुरुवार को सुनवाई कर सकते हैं। अगर गुरुवार को नहीं तो अगले सप्ताह विचार करेंगे। दिल्ली की एक अदालत ने मनीष सिसोदिया की 15 मई तक और बीआरएस की एमएलसी के. कविता की न्यायिक हिरासत 14 मई तक बढ़ा दी।

बंगाल में 25 हजार शिक्षकों की नियुक्ति रद करने पर रोक

नई दिल्ली, एजेंसी

सीबीआई जांच जारी रहेगी

- शिक्षक भर्ती घोटाला व्यवस्थागत धोखाधड़ी : सुप्रीम कोर्ट
- कोर्ट ने कहा-जनता का विश्वास उठ गया तो कुछ नहीं बचेगा

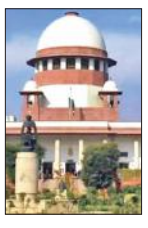

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कलकत्ता हाई कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें राज्य के सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में स्कूल सेवा आयोग द्वारा की गई 25,753 शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्ति को अमान्य कर दिया गया था।

प्रधान न्यायाधीश डीवाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने हालांकि, सीबीआई को अपनी जांच जारी रखने और राज्य मंत्रिमंडल के सदस्यों की भी जांच करने की अनुमति दी। शीर्ष अदालत ने सीबीआई से कहा कि वह जांच के दौरान किसी संदिग्ध को गिरफ्तार करने जैसी कोई जल्दबाजी भरी कार्रवाई न करे। इससे पहले कोर्ट ने कथित भर्ती घोटाले को व्यवस्थागत धोखाधड़ी करार देते हुए कहा कि अधिकारियों की जिम्मेदारी थी कि वे 25,753 शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्ति से संबंधित डिजिटल रिकॉर्ड संभाल कर रखते। पीठ कलकत्ता हाई कोर्ट के 22 अप्रैल के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी।

टीआरएफ के टॉप कमांडर समेत दो आतंकी मारे गए

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में मंगलवार को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े संगठन टीआरएफ के टॉप कमांडर समेत दो आतंकवादी मारे गए।

- जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में सुरक्षाबलों से हुई मुठभेड़

कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) वीके बिरधी के अनुसार मारे गए आतंकवादियों में से एक की पहचान बासित डार के रूप में की गई है, जो द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) की 'ए' श्रेणी का आतंकवादी था। उन्होंने कहा कि सुरक्षाबलों को रेडवानी गांव में आतंकवादियों की आवाजाही के बारे में खुफिया सूचना मिली थी, जिसके बाद सोमवार रात वहां घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया गया था। इस अभियान में दो आतंकवादी मारे गए हैं और उनके शव बरामद कर लिए गए हैं, लेकिन तलाशी अभियान अभी भी जारी है। बिरधी ने बताया कि बासित डार श्रीनगर शहर में हुई घटनाओं सहित 18 मामलों में शामिल था। एनआईए ने 2022 में डार पर 10 लाख का इनाम घोषित किया था।

युद्ध के लिए भारतीयों की तस्करी, रूसी रक्षा मंत्रालय कर्मी समेत 4 गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

- रूस-यूक्रेन युद्ध में धकेल दिया जाता था, सीबीआई ने किया खुलासा
- देश भर में नेटवर्क, 17 वीजा परामर्श कंपनियों के संचालक नामजद

भारतीयों को रूस-यूक्रेन युद्ध क्षेत्र में धकेलने वाले रूसी रक्षा मंत्रालय के संविदा कर्मी सहित चार लोगों को सीबीआई ने गिरफ्तार किया है।

एजेंसी ने मंगलवार को केरल के तिरुवनंतपुरम से रूस भेजने के लिए भर्ती में संलिप्त अरुण और येसुदास जूनियर उर्फ प्रियन को गिरफ्तार किया, जबकि दो अन्य आरोपी रूस के रक्षा मंत्रालय में संविदा कर्मी निजिल जोबी बेन्सम और मुंबई निवासी एंथोनी माइकल एलंगोवन को पहले गिरफ्तार किया था। सीबीआई ने देर रात जारी एक बयान में कहा कि बेन्सम और एलंगोवन न्यायिक हिरासत में हैं।

आरोपी निजिल जोबी बेन्सम रूसी रक्षा मंत्रालय में संविदा पर काम कर रहा था और रूसी सेना में भारतीय नागरिकों की भर्ती के वास्ते रूस में काम कर रहे नेटवर्क के प्रमुख सदस्यों में से एक था। सीबीआई ने बताया माइकल एंथनी दुबई में स्थित अपने सह-आरोपी फैसल बाबा और रूस में स्थित अन्य लोगों को चेन्नई में वीजा करवाने और पीड़ितों के लिए रूस जाने के लिए हवाई टिकट बुक करने में मदद कर रहा था। मंगलवार को गिरफ्तार किए गए अरुण और येसुदास जूनियर उर्फ प्रियन रूस की सेना के लिए केरल और तमिलनाडु से भारतीय नागरिकों की भर्ती करने वालों में मुख्य थे। उन्होंने बताया कि सीबीआई ने ट्रैवल एजेंट के एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया था जो भारतीय युवाओं को रूस में अवसरों का लालच दे रहा था लेकिन उनके पासपोर्ट जब्त करने के बाद उन्हें रूस-यूक्रेन युद्ध क्षेत्र में धकेल देता था। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी की प्राथमिकी में पूरे भारत में फैली 17 वीजा परामर्श कंपनियों, उनके मालिकों और एजेंट को नामजद किया गया है।

मायावती ने आकाश से छीनी उत्तराधिकारी और राष्ट्रीय समन्वयक की जिम्मेदारी

लखनऊ, राज्य ब्यूरो

- परिपक्वता का हवाला देते हुए लिया निर्णय, एक्स पर किया पोस्ट

अमृत विचार : बसपा सुप्रीमो मायावती ने मंगलवार रात भतीजे आकाश आनंद को अपने उत्तराधिकारी और पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर की जिम्मेदारियों से परिपक्वता का हवाला देते हुए मुक्त कर दिया। मायावती ने पिछले वर्ष दिसंबर माह में आकाश को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया था।

बसपा प्रमुख ने मंगलवार रात 'एक्स' पर लिखा, बसपा एक पार्टी के साथ ही बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के आत्म-सम्मान, स्वाभिमान तथा सामाजिक परिवर्तन का भी आंदोलन है, जिसके लिए कांशीराम जी व खुद मैंने भी अपनी पूरी जिंदगी समर्पित की है और इसे गति देने के लिए नई पीढ़ी को भी तैयार किया जा रहा है। अपने सिलसिलेवार पोस्ट में मायावती ने कहा, पार्टी में अन्य लोगों को आगे बढ़ाने के साथ ही आकाश आनंद को राष्ट्रीय समन्वयक व अपना उत्तराधिकारी घोषित किया लेकिन पार्टी व आंदोलन के व्यापक हित में पूर्ण परिपक्वता आने तक अभी उन्हें इन दोनों अहम जिम्मेदारियों से अलग किया जा रहा है। बसपा प्रमुख ने अपने भाई और आनंद के पिता के संदर्भ में कहा, हालांकि इनके पिता आनंद कुमार पार्टी व आंदोलन में अपनी जिम्मेदारी पहले की तरह ही निभाते रहेंगे।

इससे पहले सीतापुर में एक चुनावी रैली में आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करने के आरोप में आकाश आनंद के खिलाफ आदर्श आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने नफरत को बढ़ावा देना और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 125 के तहत आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन पर आकाश और पार्टी के 36 अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी।

सेलिब्रिटी भी भ्रामक विज्ञापन के लिए जिम्मेदार

नई दिल्ली, एजेंसी

पतंजलि मामला

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा विज्ञापन करने के दौरान हस्तियां करें जिम्मेदाराना व्यवहार

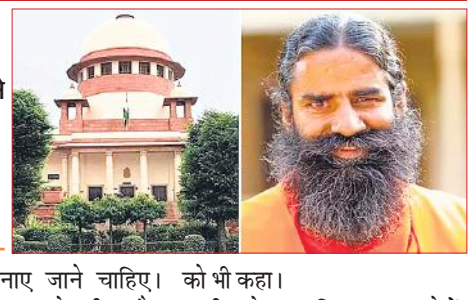

उच्चतम न्यायालय ने भ्रामक विज्ञापनों की रोकथाम के लिए मंगलवार को कहा कि प्रख्यात और सार्वजनिक हस्तियों को किसी उत्पाद का समर्थन करने के दौरान जिम्मेदाराना व्यवहार करना चाहिए। शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया कि किसी विज्ञापन को जारी करने की अनुमति देने से पहले, 'केबल टेलीविजन नेटवर्क नियम,1994' के अनुसार विज्ञापनदाताओं से एक स्व-घोषणा पत्र हासिल किया जाए।

वर्ष 1994 के इस कानून का नियम-सात एक विज्ञापन संहिता का प्रावधान करता है, जिसमें कहा गया है कि विज्ञापन देश के कानूनों के अनुरूप बनाए जाने चाहिए। न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति एहसानुद्दीन अमानउल्लाह की पीठ ने संबद्ध केंद्रीय मंत्रालयों को इसे भ्रामक विज्ञापनों और केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) द्वारा की गई या प्रस्तावित कार्रवाई से अवगत कराने को भी कहा।

पीठ ने कहा कि प्रख्यात लोगों, 'इन्फ्लुएंसर' और सार्वजनिक हस्तियों द्वारा समर्थन किए जाने से उत्पादों का प्रचार-प्रसार करने में काफी मदद मिलती है तथा विज्ञापन के दौरान किसी भी उत्पाद का समर्थन करने के दौरान और उसकी जिम्मेदारी लेते समय उनके लिए जिम्मेदारी के साथ काम करना अनिवार्य है। शीर्ष अदालत पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड द्वारा भ्रामक विज्ञापनों से जुड़े मामले पर सुनवाई कर रही है। न्यायालय 'इंडियन मेडिकल एसोसिएशन' (आईएमए) द्वारा 2022 में दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि पतंजलि और योग गुरु रामदेव ने कोविड टीकाकरण और चिकित्सा की आधुनिक प्रणालियों को बदनाम करने का अभियान चलाया। पीठ ने पतंजलि के उत्पादों के बारे में भ्रामक विज्ञापनों की आलोचना की है। इन विज्ञापनों को अब निषिद्ध कर दिया गया है लेकिन वे विभिन्न इंटरनेट चैनलों पर अब भी उपलब्ध हैं।

उखड़े वोटरों को पोलिंग बूथ तक लाने में छूट गया पसीना

वोट प्रतिशत पिछले चुनाव के नजदीक पहुंचना भाजपा के लिए राहत

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : इस चुनाव में शुरू से मतदाताओं की खामोशी के साथ पहले दो चरणों के चुनाव में मतदान प्रतिशत की गिरावट ने वैसे तो चुनावी मैदान में उतरे राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों में बेचैनी पैदा कर दी थी लेकिन केंद्र और राज्य की सत्ता पर काबिज भाजपा के नेताओं की तो नींद ही उड़ गई थी। दूसरे चरण का चुनाव होते ही पूरा जोर इसी पर लगा दिया गया कि मतदाताओं को पोलिंग बूथ तक लाकर कैसे भी पिछले चुनाव के आंकड़े तक पहुंचा जाए। इस कोशिश में पूरी कामयाबी तो नहीं मिली, लेकिन शाम छह बजे मतदान खत्म हुआ तो भाजपा नेताओं के चेहरों पर राहत नजर आई कि मतदान का प्रतिशत लोकसभा चुनाव 2019 के लगभग बराबर पहुंच गया है।

पिछले दो चरणों की तुलना में बरेली और आंवला में मतदान प्रतिशत बेहतर रहना भाजपा नेताओं के लिए चुनाव का नतीजा आने से पहले पहली राहत की बात रही। कई दिनों से भाजपा के नेता इसके लिए रणनीति बना रहे थे और मतदान के दिन भी उन्हें पूरा जोर लगाना पड़ा। तेज गर्मी को देखते हुए इस रणनीति के तहत सुबह के समय ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं को घर से निकालकर पोलिंग बूथ तक ले जाने की योजना बनाई गई थी लेकिन इसके बावजूद सुबह सात बजे मतदान शुरू होने के बाद नौ बजे तक दोनों सीटों के ज्यादातर विधानसभा क्षेत्रों में मतदान की रफ्तार उम्मीद के मुताबिक नहीं रही।

सुबह सात बजे मतदाताओं ने मतदान केंद्रों पर पहुंचना जरूर शुरू कर दिया लेकिन कई इसके बावजूद कई मतदान केंद्रों पर सन्नाटा नजर आया। सुबह 11 बजे तक बरेली लोकसभा क्षेत्र में 23.60 और आंवला लोकसभा क्षेत्र में 25.98 फीसदी मतदान हो पाया था। सूरज का ताप बढ़ते ही एक बार फिर सन्नाटा छा गया। राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं ने दौड़ना शुरू किया तो शाम चार बजे के बाद एक बार फिर मतदान की रफ्तार बढ़ी। बरेली में पांच बजे तक 54.21 फीसदी और आंवला में 54.73 फीसदी मतदान हो गया। शाम छह बजे तक तमाम मतदान केंद्रों पर लंबी लाइनें लगी रही। अंततः बरेली में 57.88 तो आंवला में 57.08 फीसदी वोट पड़े।

भाजपा के गढ़ बरेली और कैंट विधान सभा क्षेत्र में हुआ सबसे कम मतदान

बरेली में सबसे ज्यादा 65 .19 प्रतिशत मतदान भोजीपुरा विधानसभा क्षेत्र में हुआ जहां फिलहाल सपा का दबदबा है। इसके बाद नवाबगंज में 63 .3 प्रतिशत और मीरगंज में 63 .11 प्रतिशत मतदान हुआ। सबसे कम बरेली कैंट में 50 .05 प्रतिशत और बरेली शहर में 50 .2 प्रतिशत मतदान हुआ। आंवला लोकसभा क्षेत्र में सर्वाधिक 59 .66 प्रतिशत मतदान फरीदपुर में हुआ। इसके बाद बिथरी में 59 .53 प्रतिशत और आंवला में 54 .71 प्रतिशत मतदान हुआ। सबसे कम मतदान दातागंज क्षेत्र में 53 .71 प्रतिशत और शेखूपुरा में 54 .71 प्रतिशत हुआ। बरेली में वोटों का ग्राफ लगातार तीसरी बार गिरा है।

स्त्री सुधार कन्या इंटर कॉलेज में सुबह आठ बजे पसरा सन्नाटा। ● अमृत विचार

-1.58% बरेली संसदीय क्षेत्र

लोकसभा चुनाव- 2019 में बरेली में 59.46 प्रतिशत मतदान हुआ था। इसमें भाजपा के संतोष गंगवार विजयी हुए थे। 2014 में भी बरेली में लगभग इतना ही मतदान प्रतिशत रहा था।

-1.89% आंवला संसदीय क्षेत्र

लोकसभा चुनाव- 2019 में आंवला में 58.97 प्रतिशत मतदान हुआ था। इसमें भाजपा के धर्मेंद्र कश्यप विजयी हुए थे। 2014 के चुनाव में यहां मतदान प्रतिशत करीब 60.20 फीसदी रहा था।

एमबी इंटर कॉलेज में बने मतदान केंद्र पर वोट डालने के लिए लगी महिलाओं की लंबी लाइन। ● अमृत विचार

मॉडल टॉउन में समय से पहले रोका मतदान

बरेली, अमृत विचार : मॉडल टॉउन स्थित गुरुगोविंद सिंह इंटर कॉलेज के बूथ संख्या 197 पर मंगलवार की शाम करीब सवा पांच के करीब मतदान बंद कर दिया गया। भाजपा के मीडिया प्रभारी बंटी ठाकुर ने इसका विरोध कर अधिकारियों से शिकायत की। इसके बाद दोबारा मतदान हुआ और फिर करीब पौने आठ बजे तक वोट पड़े, हालांकि इस दौरान सिर्फ आठ वोट ही पड़े और कई लोग बिना मतदान करे चले गए।

बरेली...57.88% भोजीपुरा सबसे आगे... बरेली फिसड्डी

लोकसभा सीट बरेली : में विधान सभावार प्रतिशत- कुल प्रतिशत : 57 .88 फीसदी

विधानसभा क्षेत्र	9 बजे	11 बजे	1 बजे	3 बजे	5 बजे	6 बजे
शहर	10 .97	23 .77	30 .52	43 .41	47 .17	50 .2
कैंट	9 .55	17 .32	31 .63	37 .11	46 .62	50 .05
भोजीपुरा	13 .22	25 .99	41 .59	52 .22	61 .1	65 .19
नवाबगंज	11 .9	22 .91	30 .99	47 .46	59 .89	63 .3
मीरगंज	12 .5	28 .24	40 .85	50 .59	59 .36	63 .11

आंवला...57.08% फरीदपुर आगे... दातागंज सबसे पीछे

विधानसभा क्षेत्र	नौ बजे	11 बजे	एक बजे	तीन बजे	पांच बजे	छह बजे
आंवला	13 .2	26 .01	39 .01	47 .82	55 .15	54 .71
बिथरी	07 .0	26 .84	38 .97	46 .87	56 .45	59 .53
फरीदपुर	12	25 .76	32 .27	50 .86	55 .82	59 .66
शेखूपुर	12 .98	26 .01	37 .07	46 .59	54	54 .71
दातागंज	12 .38	25 .63	36 .97	45 .52	52 .55	53 .71

सुबह-सुबह आई मतदान बहिष्कार की खबरें तो दौड़े अफसर

पुल तो कहीं सड़क को लेकर दिखा आक्रोश, नेताओं और अधिकारियों के समझाने पर डाले वोट

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : बरेली और आंवला लोकसभा क्षेत्र के कई गांवों में जनप्रतिनिधियों से नाराज लोगों ने मतदान करने से इन्कार कर दिया। सुबह-सुबह थोक में बहिष्कार की सूचनाएं आईं तो अफसर और नेता दौड़े। जैसे-तैसे लोगों को मनाया गया। अफसरों और नेताओं के आश्वासन पर लोगों ने मतदान तो शुरू किया लेकिन बहिष्कार वाले इलाकों में पिछले बरसों जैसा मतदान नहीं हो पाया।

सीबीगंज के गांव गोकुलपुर गरगइया के बूथ परसाखेड़ा प्रथम के 781 वोटरों ने सुबह ही वोट न डालने का एलान कर दिया। उनका कहना था कि गांव में हाईवे से आने के लिए कोई रास्ता नहीं है। पड़ोसी गांव गौटिया के 86 वोटरों को भी उन्होंने मतदान नहीं करने दिया। इस पर दोनों गांवों के बीच विवाद शुरू हो गया। पुलिस और पैरामिलिट्री फोर्स ने विरोध कर रहे लोगों को खदेड़ा। साढ़े नौ बजे तक मात्र 20 मतदाता ही मताधिकार का प्रयोग कर सके। दोपहर साढ़े 12 बजे अधिकारियों के आश्वासन पर लोगों ने वोट डाले।

कैंट: आंवला लोकसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत क्यारा के गांव जगतपुर के लोगों ने मताधिकार का प्रयोग नहीं किया। गांव के लोगों ने कहा कि जब तक विकास नहीं तब तक वोट नहीं। भाजपा प्रत्याशी के कहने पर गांव के प्रधान कृष्णपाल ने लोगों को समझाया तब लोग माने। यहां पूर्वाह्न 11 बजे मतदान शुरू हो सका। गांव में 520 मतदाता हैं।

सीबीगंज के गांव गोकुलपुर गरगइया में मतदान बहिष्कार की घोषणा के बाद इकट्ठे लोग। ● अमृत विचार

अलीगंज: ब्लॉक मझगवां के गांव रम्पुरा खुर्द के लोगों ने भी बहिष्कार किया। उनका कहना था कि गांव के पास से निकल रही नहर का पक्का निर्माण नहीं हो सका है। कई बार जनप्रतिनिधियों के सामने समस्या रखी लेकिन सुनवाई नहीं हुई। इसलिए वोट नहीं डाल रहे हैं। मंत्री धर्मपाल सिंह गांव पहुंचे और लोगों से नहर का पक्का निर्माण कराने का वादा किया। तब लोग बूथ पर वोट डालने के लिए पहुंचे। 11.30 बजे मतदान शुरू हो सका।

बिशारतगंज : ढकोरा एवं अतरछेड़ी गांव के मजरा नैनपुर के लोगों ने विकास कार्य न होने से मताधिकार का प्रयोग करने से इन्कार कर दिया। सुबह से लेकर दोपहर तक मतदान नहीं किया। सूचना पर मंत्री धर्मपाल सिंह, विधायक डॉ. राघवेंद्र शर्मा और प्रशासनिक अधिकारी नैनपुर और ढकोरा पहुंचे। जनप्रतिनिधियों ने समस्याओं के निदान का आश्वासन दिया, तब ग्रामीणों ने दोपहर 2 बजे से मतदान शुरू किया।

शेरगढ़: गांव गौटिया न्याजनगर का बूथ बदलकर गौटिया रहमतनगर में कर दिया गया। इससे नाराज लोगों ने मताधिकार का प्रयोग करने से मना कर दिया। मतदाताओं ने बताया कि घाटगांव पहाड़पुर से गौटिया रहमतनगर के लिए कच्चा रास्ता है। कई बार खड़ंजा डलवाने की मांग की गई, लेकिन पूरी नहीं हुई। समझाने के बाद दोपहर साढ़े 12 बजे मतदान शुरू हो सका।

मीरगंज: खमरिया सानी के लोग जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों से कई बार सड़क निर्माण और श्मशान भूमि तक का रास्ता सही कराने की मांग कर चुके हैं, लेकिन ध्यान नहीं दिया गया। इससे गुस्साए लोगों ने मतदान करने से मना कर दिया। अफसरों ने समझाया तो लोग माने।

हमारो प्रत्याशी कौन है, बाको चेहरा तक नाय पता, वोट काहे दें

बरेली/क्योलड़िया, अमृत विचार : लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद मतदाताओं को साधने के लिए प्रत्याशियों ने प्रचार-प्रसार में पूरी ताकत झोंक दी। कयास लगाए जा रहे थे कि मतदाता बढ़-चढ़ कर भागीदारी पेश करेंगे, लेकिन देहात क्षेत्र में कुछ जगह तस्वीर उलट नजर आई। मंगलवार को अमृत विचार की टीम पूर्वाह्न 11 बजे नवाबगंज क्षेत्र के गांव बैबाही के परिषदीय विद्यालय बूथ पर मतदान बहिष्कार की सूचना पर पहुंची तो ग्रामीण मतदान करने की बात पर प्रत्याशियों पर बरस पड़े। 11 बजे तक महज 29 लोगों ने ही मतदान किया था। टीम ने जब ग्रामीणों से बात की तो मतदान न करने की पीछे सड़क और पुल की समस्या सामने आई। इस दौरान बुजुर्गों में गुस्सा दिखा। वे बोले- हमारो प्रत्याशी कौन है बाको चेहरा तक नाय पता, वोट काहे दें। दोपहर 12 बजे तक मतदाता यहां झांकने तक नहीं आए, लेकिन करीब तीन बजे चुनाव बहिष्कार की सूचना पर प्रशासनिक अफसर ग्रामीणों को मनाने के लिए गांव-गांव भ्रमण करते दिखे। चार बजे के बाद ग्रामीणों के कदम बूथ पर पड़े और कुल 565 लोगों ने मतदान किया। जारपा मोहनपुर गांव में प्राथमिक विद्यालय के बूथ पर 1029 में से महज तीन लोगों ने ही मताधिकार का प्रयोग किया।

कंट्रोल रूम : सुबह से दोपहर तक आती रहीं ईवीएम खराब होने की शिकायतें

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- कई स्थानों पर एक घंटे तक रुका मतदान, दूसरी ईवीएम लगाई
- शिकायत दर्ज कराने के लिए सुबह से शाम तक 135 लोगों ने किया फोन

अमृत विचार : बरेली और आंवला लोकसभा सीट के लिए मतदान शुरू होते ही कंट्रोल रूम पर शिकायतें आनी शुरू हो गईं। सुबह से शाम तक कुल 135 शिकायतें प्राप्त हुईं। इसमें दर्जनभर से अधिक ईवीएम मशीन में खराबी की थीं। पुलिस-प्रशासन का दावा है कि सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण करा दिया गया।

सबसे पहले वोट न बनने और पर्ची न मिलने की शिकायतें आईं। कुछ ने वोटर आईडी पर नाम गलत अंकित होने की बात कही। दर्जन भर से अधिक ईवीएम में तकनीकी खराबी से संबंधित आईं। शिकायतें मिलते ही ईवीएम को बदला गया। हार्टमन कॉलेज में सुबह आठ बजे ईवीएम खराब हो गई। जिसे सही कराया गया।

आंवला क्षेत्र के सैंजनी में विशेष पाल वोट डालने पहुंचे तो उनका नाम सूची से गायब था। कागजों में उन्हें मृत दर्शा दिया गया था। इस पर उन्होंने हंगामा किया। सुरक्षा में तैनात कर्मियों ने बीएलओ के पास भेज कर नाम सत्यापित कराने को कहा। इसी तरह बिथरी में बूथ 280, 283,284,288 पर ईवीएम में खराबी से मतदान एक घंटे की देरी से शुरू हुआ।

व्हीलचेयर न मिलने से हुई दिक्कत

कई पोलिंग बूथों पर व्हीलचेयर उपलब्ध नहीं होने से बुजुर्गों, दिव्यांगों और बीमार मतदाताओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। सीबीगंज में बूथ 260 पर सड़क निर्माण न कराए जाने से मतदान करने लोग नहीं पहुंचे। अधिकारियों ने गांव वालों को समझाकर मतदान कराया। क्योलड़िया के बूथ 339 से भी मतदान बहिष्कार की शिकायत मिली। यहां तीन घंटे में सिर्फ नौ लोग वोट डालने पहुंचे। गांव जगतपुर में विकास कार्य न कराए जाने के विरोध में वोटर नाराज दिखे। एक्स पर भी लोगों ने शिकायतें कीं। नवाबगंज में एक सिपाही पर आरोप लगा कि वह वोटरों के साथ बदसलूकी कर रहा है।

तिलक इंटर कॉलेज के पोलिंग बूथ पर 41 वोट पड़ने के बाद ईवीएम खराब हो गई, जिसके बाद दूसरी ईवीएम लगाई गई, लेकिन फिर भी समस्या हल नहीं हुई। इस वजह से करीब एक घंटे तक मतदान प्रभावित रहा और लोग परेशान दिखे। इस दौरान इंतजार करने के बाद कुछ मतदाता वापस लौट गए।

तीन जिंदा वोटरों को कर दिया मृत घोषित

बरेली, अमृत विचार : चुनाव के दौरान कई लोग मतदान करने पहुंचे लेकिन उनका नाम वोटर लिस्ट में नहीं था। उन्हें मृत घोषित कर दिया गया था।

दिल्ली से एक युवक बरेली वोट डालने पहुंचा तो उसे वोटर लिस्ट में मृत घोषित कर दिया गया था। इस पर उसने हंगामा किया तो सुरक्षा कर्मियों ने उसे समझाकर शांत किया। कोहाड़ापीर के चाहबाई निवासी फुरखान अहमद खां, इमरान खान और रोशीना को भी वोटर लिस्ट में मृत घोषित कर दिया गया। इमरान ने बताया कि

अपनी वोटर आईडी दिखाते फुरकान।

फुरखान दिल्ली में प्राइवेट नौकरी करता है और वह दिल्ली से सिर्फ वोट देने के लिए बरेली पहुंचा था। इसको लेकर काफी हंगामा भी हुआ।

पहना और पहेनिया में चुनाव का बहिष्कार

बरेली, अमृत विचार : सड़क की बदहाली और बाढ़ की समस्या दूर न होने से नाराज गांव पहना और पहेनिया के ग्रामीणों ने मंगलवार को मतदान का बहिष्कार किया। शाम 5 :40 बजे तक सिर्फ 12-13 लोग ही घरों से वोट डालने के लिए पोलिंग बूथ तक पहुंचे। बातचीत में ग्रामीणों ने बताया कि जनप्रतिनिधियों को क्षेत्र और गांव के विकास से कोई लेना देना नहीं है। यही वजह है कि वर्षों से गांव की सड़क गड्ढों में तब्दील है। दिनभर गांव के पोलिंग बूथ पर सन्नाटा पसरा रहा। गांव में चौपाल लगा कर बैठे लोगों ने बताया कि वर्षों से यहां कोई जनप्रतिनिधि नहीं आया है।

मोबाइल ले जाने से रोका तो लौटे वोटर

बरेली, अमृत विचार : मतदान केंद्रों के अंदर मोबाइल ले जाने से मना करने पर कई मतदाता बिना मतदान किए वापस लौट गए। मंडलायुक्त के निर्देश के बाद भी व्यवस्था नहीं बनीं।

चुनाव की निष्पक्षता के लिए मतदान केंद्र के अंदर मोबाइल ले जाना मना था। वीआईपी बूथों तहसील कार्यालय और रोजगार कार्यालय ज्यादातर लोग मोबाइल लेकर वोट डालने पहुंचे लेकिन उन्हें पुलिस वालों ने गेट पर रोककर मोबाइल ले जाने से मना कर दिया। मतदाताओं ने पुलिस कर्मियों से फोन जमा करने की व्यवस्था के बारे में पूछा तो ऐसी व्यवस्था से इंकार कर दिया तो कई लोग वापस चले गए। सुबह

- वीआईपी बूथ पर मंडलायुक्त के कहने के बाद भी नहीं बनी व्यवस्था

10 :45 बजे मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल जब मतदान करने पहुंचीं तो भाजपा के पोलिंग एजेंट तारा चंद राठौर ने उन्हें बताया कि कई लोग लौट गए हैं। ऐसे में वीआईपी बूथ पर मतदान प्रतिशत नहीं बढ़ पाएगा। मंडलायुक्त ने समस्या को समझा और एसडीएम को आदेश देकर यहां मोबाइल लेकर आने वालों के मोबाइल जमा कर उन्हें पर्ची देने की व्यवस्था कराई। एसडीएम ने भी बीएलओ को पंडाल पर फोन जमा कराने की व्यवस्था कराई लेकिन मंडलायुक्त के जाने के बाद पुलिस ने फिर फोन लेकर आने वालों को रोकना शुरू कर दिया। शाम तक यहां लगभग 40 फीसदी मतदान हुआ था। तारा चंद राठौर ने बताया कि मंडलायुक्त के निर्देश के बाद भी पुलिस कर्मियों ने फोन लेकर आने वालों को लौटाना जारी रखा। उन्होंने बताया कि दोपहर तीन बजे पुलिस कर्मियों से कहा कि मतदान कक्ष में फोन ले जाना मना है न कि मतदान केन्द्र में। इस पर पुलिस से बहस भी हुई।

राजेन्द्र नगर में सूरजभान स्कूल में बने मतदान केंद्र पर पार्षद सतीश कातिब की सुबह मोबाइल ले जाने की बात पर सेक्टर मजिस्ट्रेट से झड़प हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस फोन ले जाने

मतदान से वंचित रहे गए कई पुलिसकर्मी

बरेली, अमृत विचार : चुनाव में कई पुलिसकर्मी मतदान से वंचित रह गए। मतदान न करने पर पुलिसकर्मियों ने नाराजगी भी जाहिर की। सरकारी कर्मचारियों को पोस्टल बैलेट से मतदान के लिए निर्वाचन आयोग की ओर से फार्म-छह मिलता है। कई पुलिसकर्मियों का कहना है कि पहले फार्म-छह भरवाए गए लेकिन बाद में फार्म-आठ भरने के लिए दिया।

मतदान बढ़ाने की घोषणा भूल गए व्यापारी संगठन

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- संगठन के नेता पोलिंग बूथ पर नहीं नजर आए

अमृत विचार : मतदान से पहले व्यापार मंडल के नेताओं ने मतदान बढ़ाने के खूब दावे किए थे कि मतदान के दिन कहीं बाहर नहीं जाएंगे लेकिन कई व्यापारी मंगलवार को शहर के बाहर थे। कुछ के नेताओं ने दावा किया कि वह वोट डालकर और मतदान केंद्र पर अपनी सेल्फी दिखाकर गए हैं। एक संगठन के व्यापारी नेता तो मतदान छोड़कर पहले ही प्रदेश से बाहर चले गए।

आईएमए हाल में एक-एक दिन छोड़कर दो व्यापारी सम्मेलन हुए। दोनों सम्मेलनों में व्यापार मंडल के नेताओं ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने और भाजपा को जिताने की गर्मजोशी से अपील की थी। मंच पर बैठे नेताओं के सामने व्यापार मंडल के नेताओं ने व्यापारियों के साथ-साथ आसपास के लोगों से वोट डलवाने की बात कही थी, हालांकि आईएमए हाल में हुए उस सम्मेलन में शहर के व्यापार मंडलों की ओर से की गई खानापूर्ति के कारण पूरा हॉल नहीं भर पाया था। मतदान के दिन उसकी एक झलक देखने को मिली।

शहर के प्रमुख व्यापार मंडल के नेता मतदान के दिन झारखंड में थे। उनका वोट नहीं पड़ पाया है। इसी तरह एक व्यापारी जिम कार्बेट पार्क में परिवार के साथ मस्ती करने गये थे। राष्ट्रवादी व्यापार मंडल के अध्यक्ष विशाल मेहरोत्रा ने बताया कि उनके संगठन के तीन लोग मतदान करके अपनी सेल्फी दिखाकर बाहर गये हैं। व्यापार मंडल के सुदेश अग्रवाल ने बताया कि उन्होंने साहूकारा में सनातन धर्म स्कूल के दो भवन और नवीन स्कूल में 55 फीसदी से ज्यादा वोट डलवाया है। तीनों जगह 6995 वोटर थे जिनमें से 3855 वोट डलवाए हैं। साहूकारा में लोगों के घर जाकर लोगों को बूथ तक पहुंचाया है।

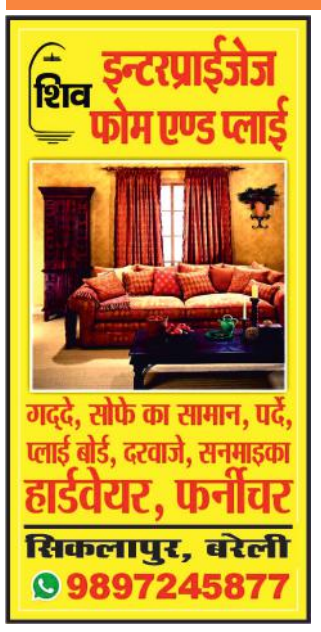

4 जून तक चैन की नींद आना तो मुश्किल

मतदाताओं ने खामोशी से वोट कर बढ़ाई बेचैनी, बरेली-आंवला दोनों सीटों पर कांटे की टक्कर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- बरेली में सपा-भाजपा में सीधा मुकाबला, आंवला में बसपा गड़बड़ा सकती है खेल
- फिलहाल सभी प्रत्याशियों के जीत के दावे लेकिन अंदर ही अंदर कशमकश भी

अमृत विचार : किसी भी लहर और हवा से अलग लोकसभा चुनाव 2024 में बरेली और आंवला सीट का नतीजा कांटे की लड़ाई में फंस गया है। बरेली में इंडिया गठबंधन और भाजपा के बीच पहली बार सीधी लड़ाई का क्या नतीजा निकलेगा और भाजपा प्रत्याशी छत्रपाल गंगवार संतोष गंगवार जैसा प्रदर्शन कर पाएंगे या नहीं, यह सबसे बड़ा सवाल है। माना जा रहा है कि आंवला में मुस्लिम वोटरों में बसपा का प्रदर्शन सपा और भाजपा दोनों का खेल प्रभावित कर सकता है।

इस चुनाव में मतदाताओं ने जिस कदर खामोशी के साथ मतदान किया है, वह दोनों प्रमुख पार्टियों की बेचैनी बढ़ाने वाला है। भाजपा के लिए फिलहाल बड़ी राहत की बात यही है कि काफी खींचतान करने के बाद बरेली-आंवला दोनों सीटों पर मतदान का प्रतिशत लोकसभा चुनाव 2019 से ज्यादा कम नहीं रहा है। बरेली संसदीय क्षेत्र के अलग-अलग विधानसभा क्षेत्र में मतदान प्रतिशत के बीच बड़ा अंतर रहने के पीछे क्या रहस्य है, यह पता लगना भी अभी बाकी है। सर्वाधिक मतदान भोजीपुरा विधानसभा क्षेत्र में हुआ है, जहां फिलहाल सपा के शहजिल इस्लाम विधायक हैं। शहर में हमेशा की तरह भाजपा प्रत्याशी के सपा पर हावी रहने में कोई शक नहीं है, यही स्थिति कैंट विधानसभा क्षेत्र में भी है लेकिन इन दोनों विधानसभा क्षेत्रों में बाकी तीन विधानसभा क्षेत्रों की तुलना में काफी कम मतदान हुआ है। नवाबगंज और मीरगंज में भी लगभग भोजीपुरा जैसा ही मतदान हुआ है। इन दोनों सीटों पर भी सपा और भाजपा के बीच कड़ी लड़ाई होती रही है।

आंवला लोकसभा सीट के चुनावी समीकरण बरेली से अलग रहे हैं। यहां के भी सभी विधानसभा क्षेत्रों में सपा और भाजपा में सीधी टक्कर रही। इस सीट पर बसपा की उपस्थिति जरूर रही लेकिन किसी भी विधानसभा क्षेत्र में मुख्य लड़ाई में वह शामिल नहीं दिखी। बसपा प्रत्याशी आबिद अली कुछ ही मतदान केंद्रों पर मुकाबले में दिखाई दिए, वह भी वहां जहां दलित मतदाताओं की बहुलता है। इस सीट पर भी ज्यादातर मुस्लिम मतदाताओं का रुझान सपा की ओर दिखा, हालांकि इस सीट पर लड़ाई इतनी कड़ी मानी जा रही है कि 15-20 हजार मुस्लिम वोट भी बसपा को मिलना बाजी पलट सकता है। आंवला में यह भी चर्चा पूरे चुनाव भर रही कि भाजपा के कुछ वोटरों में सपा सेंधमारी कर सकती है।

मौलाना आजाद इंटर कॉलेज में मतदान के बाद रवाना होतीं पोलिंग पार्टियां। ● अमृत विचार

क्षत्रियों का गुस्सा, कुर्मियों की उदासीनता और दलितों का रुख भी दिखाएगा असर

बरेली के मुकाबले आंवला में इस बार के चुनाव में जातिगत फैक्टर शुरू से ही ज्यादा हलचल मचाए हुए थे। भाजपा प्रत्याशी धर्मेंद्र प्रत्याशी से क्षत्रियों की नाराजगी से भाजपा कितनी बेचैन थी, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को कई सभाएं करनी पड़ीं, दातागंज में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को भी जोर लगाना पड़ा। ब्राह्मणों की ओर से भी भाजपा प्रत्याशी का विरोध जताया गया था। आंवला में क्षत्रियों की संख्या अच्छी-खासी है, लिहाजा अब चुनाव परिणाम ही बताएगा कि क्षत्रियों का विरोध शांत करने में भाजपा कितनी कामयाब रही। बरेली में संतोष गंगवार का टिकट कटने के बाद कुर्मी समाज के मतदाताओं ने शुरुआती विरोध के बाद चुप्पी साध ली थी। माना तो यही जा रहा है कि ज्यादातर कुर्मी वोट हमेशा की तरह भाजपा के ही पाले में गया है लेकिन अभी चुनाव परिणाम से इस पर मोहर लगनी बाकी है। इन दोनों के साथ सबसे बड़ा फैक्टर दलित मतदाता भी माने जा रहे हैं। बरेली में बसपा का प्रत्याशी न होने की वजह से उनका रुख सपा और भाजपा दोनों की तरफ रहा। आंवला में भी पूरा दलित वोट बसपा को ही नहीं मिला।

फिलहाल सभी का एक सुर... जीत हमारे कदमों में

हमने नारा दिया था, अबकी बार तीन लाख पार। मतदान के बाद अब लग रहा है कि हमारी उससे भी बड़ी जीत इस बार होने वाली है। विकास, कानून व्यवस्था और जन कल्याणकारी योजनाओं से खुश मतदाताओं ने भाजपा को वोट दिया है। देश में नरेंद्र मोदी फिर तीसरी बार प्रधानमंत्री और हम तीसरी बार सांसद बनने जा रहे हैं। – **धर्मेंद्र कश्यप**, भाजपा प्रत्याशी आंवला

इस बार पिछले सभी रिकॉर्ड टूटेंगे। मैं पहले से ही कह रहा था कि क्यों पड़े हो चक्कर में, कोई नहीं है टक्कर में। मतदान के बाद यह बात और पुख्ता हो गई है। इस चुनाव में दो लाख वोटों से तो जीत सुनिश्चित है, इससे ज्यादा भी अंतर से जीत सकते हैं। चुनाव में बढ़-चढ़कर मतदान करने के लिए सभी मतदाताओं का बहुत-बहुत आभार। – **छत्रपाल सिंह गंगवार**, भाजपा प्रत्याशी बरेली

बरेली की जनता का हर जगह से आशीर्वाद मिला है। सभी जगह से अच्छी रिपोर्ट आई है। सभी जगह सपा इंडिया गठबंधन को मतदाताओं ने वोट दिया है। हम चुनाव जीतेंगे। कार्यकर्ताओं को ईवीएम की सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई है, ताकि कोई गड़बड़ी न हो सके। –**प्रवीन सिंह ऐरन**, सपा इंडिया गठबंधन प्रत्याशी, बरेली लोकसभा क्षेत्र

आंवला लोकसभा क्षेत्र की जनता का भरपूर प्यार और आशीर्वाद मुझे मिला है। जितना अंदाजा था, उससे कहीं ज्यादा मतदाताओं ने मुझे और बहुजन समाज पार्टी को वोट दिए हैं। ककराला में प्रशासन की सख्ती के कारण काफी मुस्लिम मतदाता मतदान नहीं कर पाए। बाकी 4 जून को परिणाम जनता के सामने होगा। – **सय्यद आबिद अली**, बसपा प्रत्याशी आंवला

आंवला लोकसभा क्षेत्र की जनता से मिले प्यार और समर्थन से मैं भाव विभोर हूं। लोगों ने साइकिल पर जमकर मतदान किया है। मतदाताओं का आशीर्वाद मिला है। वोट के माध्यम से देवतुल्य जनता ने जो अपार जन समर्थन दिया है, उसके लिए उसका हृदय से आभारी हूं। – **नीरज मौर्य**, इंडिया गठबंधन प्रत्याशी आंवला

भाजपा के गढ़ सुभाषनगर में मतदाता सुस्त

बरेली, अमृत विचार : भाजपा का गढ़ कहे जाने वाले सुभाषनगर में मतदाताओं में ज्यादा उत्साह नहीं दिखाई दिया। यहां आर्य पुत्री इंटर कॉलेज और खालसा इंटर कॉलेज में बनाए गए मतदान केंद्र पर मतदाताओं की आमद काफी धीमी रही। मतदान केंद्रों के बाहर जमे राजनीतिक दलों के लोग मतदाताओं की इस सुस्ती पर चिंता भी जताते रहे। लोगों के रुझान से साफ हुआ कि इस मतदान केंद्र पर भाजपा के पक्ष में बेशक ज्यादा मतदान हुआ है लेकिन सपा के लिए भी लोगों ने वोट डाले हैं।

नोटा दबाने की अपील का नहीं दिखा असर

बरेली, अमृत विचार : आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां ने मुस्लिम मतदाताओं से नोटा का बटन दबाने की अपील की थी, लेकिन मंगलवार को मुस्लिम बहुल इलाकों में इसका ज्यादा असर नहीं दिखा। वहीं आईएमसी प्रमुख मतदान करने ही नहीं गए। आईएमसी मीडिया प्रभारी मुनीर इदरीसी ने बताया कि मौलाना की तबीयत पूरे दिन ठीक नहीं रही जिसकी वजह से वह मतदान करने नहीं जा सके। इसके अलावा ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने भी नोटा का बटन दबाने की अपील की थी। शहाबुद्दीन ने अपनी बेगम नाहिद अख्तर और बेटी प्रो. जेबा फातिमा के साथ मतदान किया।

कोई गुल खिलाएं न खिलाएं दिमाग पर तो हावी रहे मुद्दे

बेरोजगारी

मन में नौकरी न मिलने का दर्द लेकर मतदान करने आए ज्यादातर युवा

बरेली, अमृत विचार : ज्यादातर युवा भी बेरोजगारी की पीड़ा मन में लिए मतदान करने पहुंचे थे। शिवपुरी में रहने वाले अभिषेक बोले, रोजगार की उम्मीद तो छोड़ चुका हूं लेकिन वोट इसी मुद्दे पर दिया है। कहा, 10 साल में रोजगार जीरो प्रतिशत रहा है। जिसके पास पैसा नहीं है, उसे आत्मनिर्भर बनने को कहा जाता है। लोन लेने जाए तो धक्के खाने पड़ते हैं। भर्ती परीक्षाओं के पर्चे लीक हो जाते हैं। यही तीखा अंदाज सिविल लाइंस के ऋषभ का था। बोले, छह साल से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयार कर रहे हैं, हर बार कोई न कोई अड़ंगा लग जाता है। खुद पर भरोसा कम होने लगा है। अग्निवीर जैसी योजनाएं लाई जा रही हैं जिनसे युवाओं को कोई राहत नहीं मिलने वाली। वोट दिया है लेकिन बेहद निराशा के साथ। पहला वोट डालने वाली सिटी स्टेशन रोड की कोमल पाराशरी ने कहा कि सरकार को बेरोजगार युवाओं के बारे में सोचना चाहिए। शिक्षा व्यवस्था का हाल भी अच्छा नहीं है। जसोली की शिवानी ने बताया कि उन्होंने भी बेरोजगारी के मुद्दे पर वोट दिया है। यह उनके लिए बड़ा मुद्दा है। यूपी पुलिस की भर्ती परीक्षा में अच्छे नंबर आए थे लेकिन भर्ती रद्द कर दी गई। सरकार की जो नीति रही है, उसे देखते हुए यह उम्मीद भी कम है कि भविष्य में कुछ बेहतर होगा। सुभाषनगर की सुमन ने बताया कि कई भर्ती परीक्षाओं में बैठ चुकी हैं लेकिन सफलता नहीं मिली है। केंद्र की भर्तियों में रिक्तियां कम होती हैं, राज्य में पेपर लीक हो जाते हैं। प्राइवेट नौकरियां भी मुश्किल हो गई हैं। अगली सरकार बेरोजगारी के बारे में सोचेगी, यही सोचकर वोट दिया है।

- भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक होने के लिए सरकार को बताया जिम्मेदार

बेरोजगारी

महिलाएं बोलीं- सुरक्षा व्यवस्था बेहतर हुई है, लेकिन उससे घर नहीं चलते

बरेली, अमृत विचार : महंगाई के मुद्दे पर किला की शिखा शर्मा की तीखी प्रतिक्रिया थी कि सुरक्षा व्यवस्था जरूर बेहतर हुई है लेकिन घर सुरक्षा व्यवस्था से नहीं चलते। महंगाई होती है तो गरीब का बच्चा सबसे ज्यादा भोगता है। पढ़ाई अच्छी न होने से उसका भविष्य अंधकारमय हो जाता है। सिटी इलाके की सीमा सैनी बोलीं, महंगाई बेशक ज्यादा है लेकिन विकास और सुरक्षा ठीक है। सरकार को महंगाई कम करनी चाहिए क्योंकि हर कोई बिजनेस नहीं कर सकता।

- बोलीं- उम्मीद है कि आने वाली सरकार महंगाई जरूर कम करेगी

चुनाव में महंगाई का मुद्दा चला है या नहीं, इस पर महिलाओं से बात करने पर काफी नरम-गरम प्रतिक्रियाएं मिलीं। किसी ने महंगाई पर विकास और सुरक्षा को तरजीह दी तो किसी ने साफ कहा कि उन्होंने इस उम्मीद से वोट दिया है कि आने वाली सरकार महंगाई कम करेगी। किला की शिप्रा दास ने कहा कि अब इससे ज्यादा महंगाई सहने की ताकत आम लोगों में नहीं है क्योंकि हर किसी के पास रोजगार भी नहीं है। सिटी स्टेशन रोड की नीलम सक्सेना बोलीं, गरीब के लिए इस समय कुछ नहीं है। नौकरी है नहीं और महंगाई छप्पर फाड़ है। पति पहले प्राइवेट नौकरी करते थे, हार्ट अटैक के बाद उन्होंने जॉब छोड़ दी। राशन ऊंट के मुंह में जीरे की तरह है। वोट डालना फर्ज है इसलिए वोट डालने आई हूं। सिविल लाइंस की प्रीति ने कहा कि महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर वोट कर रही हैं। उम्मीद है कि जो सरकार बनेगी, वह दोनों मुद्दों पर गंभीरता से सोचेगी। सिविल लाइंस की ही सोनी अग्रवाल ने कहा कि मध्यमवर्गीय परिवारों का बुरा हाल है। सरकारें चाहें तो महंगाई रोक सकती हैं। इस चुनाव में महंगाई सभी के लिए बड़ा मुद्दा है।

बदलाव के लिए मुसलमानों ने लगा दिया पूरा जोर

मुस्लिम इलाकों के मतदान केंद्रों पर सुबह से शाम तक लगी रहीं कतारें, सपा के लिए एकतरफा मतदान

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- बसपा की दावेदारी से खाली बरेली के चुनाव मैदान में सपा ही रह गई थी विकल्प
- आंवला में भी बसपा के आबिद अली कुछ खास नहीं रिझा पाए मुस्लिम वोटरों को

अमृत विचार : बरेली से आंवला तक मुस्लिम बहुल इलाकों में वोटरों की सुबह से शाम तक लंबी कतारों ने साफ बताया कि इस चुनाव में मुसलमान अपना पूरा जोर लगा रहे हैं। बदलाव के नाम पर वोट कर रहे मुसलमानों के लिए बरेली में तो सपा के अलावा कोई विकल्प ही नहीं था, आंवला में भी बसपा के मुस्लिम उम्मीदवार उनका ज्यादा वोट खींचते नहीं दिखाई दिए।

शहर के मुस्लिम बहुल इलाकों के पोलिंग बूथ मौलाना आजाद इंटर कॉलेज, जवाहर मेमोरियल इंटर कॉलेज, पंजाबियान स्कूल, तिलक इंटर कॉलेज और बालजती स्कूल में सुबह से मुस्लिम मतदाताओं की कतार नजर आई। तकरीबन 19 हजार मतदाता वाले मौलाना आजाद कॉलेज मतदान केंद्र के हर बूथ पर सुबह मतदान शुरू होने के बाद शाम तक लंबी कतार लगी रही। इस केंद्र पर वोट डालकर बाहर निकले मोहम्मद यूसुफ ने बताया कि इलाके में इस बार नफरत की सियासत के खिलाफ बदलाव की हवा चल रही है। बोले, 10 साल में जैसी सियासत मुसलमानों के नाम पर की गई, लोग उसका जवाब वोट से दे रहे हैं।

लईक खान ने कहा कि मुसलमान अपने मताधिकार को लेकर पूरी तरह जागरूक है और मुद्दों से किसी कीमत पर डिगने वाला नहीं। 25 हजार से ज्यादा मतदाताओं वाले बालजती स्कूल के मतदान केंद्र पर भी लगभग यही स्थिति रही। यहां हिंदू और मुस्लिम आबादी लगभग बराबर है। दोनों ही वर्गों के मतदाताओं में वोट डालने के लिए काफी जोश दिखा। बता दें कि बरेली सीट से बसपा प्रत्याशी मास्टर छोटेलाल गंगवार का नामांकन खारिज हो गया था। इसके बाद पहले से साफ था कि मुस्लिम वोटर साइकिल के अलावा दूसरा विकल्प नहीं रह गया है।

आंवला में स्थिति कुछ अलग रही। बसपा की ओर से मुस्लिम प्रत्याशी आबिद अली के मैदान में होने की वजह से मुस्लिम वोटों का बंटवारा हुआ लेकिन ज्यादा नहीं। यहां भी ज्यादातर मुस्लिम बहुल इलाकों में वोटरों का रुझान सपा की ही ओर रहा है। बसपा प्रत्याशी के लिए भी कहीं-कहीं इक्का-दुक्का वोट पड़ते रहे।

मौलाना आजाद इंटर कॉलेज में मतदान केंद्र पर लाइन में लगे मुस्लिम मतदाता। ● अमृत विचार

नफरत की सियासत के खिलाफ बदलाव की हवा चल रही है। 10 साल में जिस तरह की सियासत मुसलमानों के नाम पर की गई है, लोग उसका जवाब वोट से दे रहे हैं।
- मौलाना आजाद कॉलेज मतदान केंद्र पर मोहम्मद यूसुफ

आंवला में तो बसपा से ज्यादा भाजपा ने खींच लिया मुसलमानों का वोट

बरेली, अमृत विचार : आंवला क्षेत्र में मुस्लिम मतदाताओं की अगुवाई करने वालों से बातचीत में जिस तरह के रुझान सामने आए, उनसे पता चला कि इस संसदीय क्षेत्र में बसपा का मुस्लिम प्रत्याशी उतारने का पैंतरा ज्यादा कारगर साबित नहीं हुआ। कुछ जगह तो बसपा से ज्यादा मुसलमानों का वोट भाजपा ने खींच लिया। वोट डालकर लौट रहे गांव आलमपुर के छोटू ने बताया कि आजकल सोशल मीडिया का जमाना है। हर खबर लोगों तक पहुंच जाती है। सबको पता था कि बसपा उम्मीदवार किस मकसद से चुनाव में खड़े हुए हैं।

आंवला लोकसभा क्षेत्र के बिथरी चैनपुर के साथ आंवला और फरीदपुर विधानसभा क्षेत्र के मुस्लिम इलाकों में हाथी तेज चाल नहीं चल पाया। बिथरी के मुस्लिम बहुल गांव उड़ला जागीर, बिथरी, भिंडौलिया पदारथपुर, मोहनपुर, ठिरिया और परसौना गांव में सपा की ही ओर ज्यादा रुझान दिखाई दिया। आलमपुर के ग्राम प्रधान क्यामुद्दीन ने बताया कि वह और उनके समर्थक भाजपा को लड़ा रहे है। गांव में आधा वोट भाजपा और आधा सपा प्रत्याशी को जा गया है। कुछ बसपा को भी मिल सकता है। मोहनपुर में आहिद हुसैन ने बताया कि गांव में सपा और बसपा को मुसलमानों ने वोट दिया है। उन्होंने बसपा को लड़ाया है। मोहनपुर के प्रधान जाकिर हुसैन खुलकर भाजपा को लड़ाते नजर आए। बोले, 20 हजार वोट है जिसमें 9 हजार पड़ा है। अधिकतर भाजपा को गया है। म्यूडी खुर्द के प्रधान मोहम्मद यासीन ने बताया कि उनके गांव में एकतरफा वोट सपा को गया है।

मुस्लिम महिलाएं.... कुछ तीन तलाक कानून से संतुष्ट, ज्यादातर हिजाब पर गोलबंदी से नाराज

बरेली, अमृत विचार : भाजपा सरकार में तीन तलाक के खिलाफ कानून बनाने के मुद्दे ने इस चुनाव में भी काम किया लेकिन ज्यादा नहीं। ज्यादातर मुस्लिम महिलाओं ने हिजाब के खिलाफ गोलबंदी पर नाराजगी जताई। कई मुस्लिम महिलाओं ने मुफ्त राशन और विकास के मुद्दे पर भी भाजपा को वोट देने की बात कही। शहरी इलाकों में मुस्लिम महिलाओं ने भी मतदान करने के लिए बराबर का जोश दिखाया। मौलाना आजाद इंटर कॉलेज के मतदान केंद्र से निकल रही मैना ने बताया कि तीन तलाक पर कानून जरूर बना है लेकिन मुस्लिम महिलाएं अपने मजहब से अलग नहीं हैं। उन्होंने बदलाव के लिए मतदान किया है। बालजती स्कूल में वोट डालकर आईं निशा बोलीं, हमारे हिजाब को लेकर सवाल खड़े किए गए। स्कूल कॉलेजों में पाबंदी तक लगाई गई। इसका जवाब वोट से दिया है।

हमारा हिजाब हमारी पहचान है, इस पर सियासत करना ठीक नहीं था। हमारे लिए नारी सुरक्षा और मुस्लिम लड़कियों की शिक्षा बड़ा मुद्दा है, इसी पर वोट डाला है।
– **तैयबा**, पुराना शहर

तीन तलाक के मुद्दे पर सियासत का मुस्लिम महिलाओं में कोई प्रभाव नहीं है। हमारे समाज की महिलाएं आगे बढ़ रही हैं, राजनीतिक रूप से जागरूक भी हुई हैं।
– **मेहरुन्निसा**, पुराना शहर

तीन तलाक जैसे मुद्दों पर मुस्लिम महिलाएं जागरूक हैं, हमारा वोट विकास के मुद्दे पर है। इस सरकार में मुस्लिम महिलाओं के लिए काफी कुछ हुआ है।
– **बुशरा नकवी**, जखीरा

इस सरकार में हो रहे विकास पर हम अपना वोट दे रहे हैं। तीन तलाक पर कानून बनने से मुस्लिम महिलाओं के साथ न्याय हुआ है। सभी को राशन मिल रहा है।
– **फिजा अली**, पुराना शहर

विकल्पहीनता... सपा-भाजपा के बीच झूला दलित वोटर, नोटा का भी बटन दबाया

बरेली, अमृत विचार : बरेली सीट पर बसपा के प्रत्याशी मास्टर छोटेलाल गंगवार का नामांकन खारिज होने के बाद पार्टी का कैडर वोट कहे जाने वाले दलित मतदाता आखिर तक विकल्पहीनता में फंसे रहे। बसपा हाईकमान से भी कोई दिशा नहीं दिखाई गई तो मंगलवार को वे सपा और भाजपा के बीच बंट गए। कई दलित मतदाताओं ने किसी और को वोट देने के बजाय नोटा का भी बटन दबाया। आंवला में जरूर दलितों का साफ रुझान बसपा की ओर दिखाई दिया। शहर के जाटवपुरा, ब्रह्मपुरा, सुर्खा, जोगीनवादा, कटरा चांद खां, संजयनगर जैसे इलाकों में दलित मतदाताओं का रुझान इंडिया गठबंधन और भाजपा उम्मीदवार का बराबरी का साथ देने जैसा रहा। हालांकि पिछले चुनावों में भाजपा को मिलने वाले दलित वोटों का कुछ हिस्सा इस बार इंडिया गठबंधन की भी ओर डायवर्ट होता दिखा। करीब साढ़े तीन हजार दलित वोटों वाले जाटवपुरा के प्राइमरी स्कूल में वोट डालने आए महेंद्र सिंह ने बताया कि ईवीएम में हाथी का सिंबल नहीं है तो उन्हें नोटा ही विकल्प दिखा। आंवला के दलित बहुल गांव मोहनपुर में बसपा हावी दिखाई दी।

- बरेली में बसपा प्रत्याशी का पर्चा हो गया था खारिज, आंवला में कैडर वोट बचाने में कामयाब रही पार्टी

बिचपुरी की टीस बाकी...भाजपा पर चला वोटों का बुलडोजर

बीडीए ने दो साल पहले ढहा दिए थे सैकड़ों घर, दूर-दूर से वोट डालने आए प्रभावित परिवारों के लोग

बरेली, अमृत विचार : बिचपुरी में बीडीए की आवासीय परियोजना के विस्तार के लिए दो साल पहले सैकड़ों लोगों की आंखों के सामने उनके आशियानों पर उस समय के दबंग बीडीए उपाध्यक्ष जोगिंदर सिंह ने बुलडोजर चलवा दिया था। इन लोगों को उम्मीद थी कि भाजपा नेता सरकार में दबाव बनाकर उनके लिए कुछ करेंगे लेकिन उन्होंने भी उनकी तरफ से आंखें फेर ली थीं। बेघर हुए इन लोगों ने मंगलवार को अपनी तरफ से भाजपा पर अपने वोटों का बुलडोजर चलाने की भरसक कोशिश की।

रामगंगानगर परियोजना के विस्तार के लिए बीडीए ने बिचपुरी में 2022 में सैकड़ों मकानों को अवैध बताते हुए उन पर बुलडोजर चला दिया था। बीडीए की इस कार्रवाई का लोगों ने भरसक विरोध किया लेकिन पुलिस की लाठियों के आगे उनकी एक नहीं चली। तमाम लोगों ने भाजपा नेताओं के भी चक्कर काटे लेकिन उन्होंने भी उनका साथ नहीं दिया। बड़े पैमाने पर घर जमींदोज कर दिए जाने के बाद भी कोई भाजपा नेता पीड़ित लोगों को सांत्वना देने तक नहीं पहुंचा। प्रभावित परिवारों में मुस्लिम भी थे और हिंदू भी। अब इनमें से ज्यादातर लोग शहर के ही अलग-अलग इलाकों में किराए के मकानों में रह रहे हैं लेकिन उनके वोट अब तक बिचपुरी में ही हैं। मंगलवार को ये लोग खुलकर भाजपा के खिलाफ वोट करने पहुंचे थे। इससे पहले लोकसभा चुनाव 2019 में बिचपुरी के वोट गांव के ही प्राइमरी स्कूल में बने दो बूथों पर डाले गए थे। तब इस गांव में 2259 वोटर थे। उस चुनाव में भाजपा के संतोष गंगवार को 1005 वोट मिले थे। सपा को 309 और कांग्रेस को 28 वोट मिले थे। इस चुनाव में गांव के वोट बीडीए की ओर से डेढ़ करोड़ की लागत से गौंटिया में बनाए गए नए प्राइमरी स्कूल में डाले गए। वोटर लिस्ट के अनुसार गांव में 2528 मतदाता हैं। वोट डालने आए लोगों ने बताया कि अब भी डर है कि बिचपुरी में जो मकान बचे है, वे भी चुनाव बाद ढहा दिए जाएंगे। भाजपा नेता न पहले आए, न आगे आएंगे। जो लोग भाजपा के समर्थक थे, उनके घर और दुकान भी ढहा दिए गए थे। इसलिए सभी ने भाजपा के खिलाफ मतदान किया है। जो लोग कहीं और किराए पर रह रहे हैं, उन्हें भी बुलाकर वोट डलवाए गए हैं। सपा के एजेंट हरीओम मौर्य ने बताया कि यहां एक बूथ पर 1194 वोटर में से 742 दूसरे पर 1334 में से 563 वोटरों ने वोट डाला है। संजयनगर में किराए के मकानों में रह रहे लोग भी वोट डालने आए। डालचंद ने बताया कि जिनके घर टूटे थे, वे सुबह ही आकर वोट डाल गए। खुशीराम ने बताया कि कोई भाजपा नेता गांव में नहीं आया।

- लोग बोले- भाजपा नेताओं ने फेर ली थीं आंखें, सांत्वना देने तक नहीं आए
- किराए के मकानों में रह रहे हैं पीड़ित लोग, वोट अब भी हैं बिचपुरी में

महिला सुरक्षा

मुस्लिम महिलाओं के भी बोल- अब महिलाएं पहले से ज्यादा सुरक्षित

बरेली अमृत विचार : देवचरा में मतदान के बाद बाहर निकलीं मोनी, कमलेश, शिल्पी और विनीता ने कहा कि सरकार में अच्छा काम हुआ है। महिला सुरक्षा पर इस सरकार ने जो किया, वह किसी ने नहीं किया। गुंडे-माफिया अब लुप्त हो गए हैं। महिलाओं के लिए उनकी सुरक्षा से बढ़कर कुछ नहीं हो सकता। आंवला में चाचा नेहरू इंटर कॉलेज में बने पोलिंग बूथ से मतदान करके निकलीं अनीसा, आयशा जहां और रेशमा ने भी कहा कि महिला सुरक्षा कम बड़ा मुद्दा नहीं है। अब लोग पहले से ज्यादा सुरक्षित हैं। फात्मा बेगम, रोजी ने कहा कि सुरक्षा को ध्यान में रखकर वोट किया है। हालांकि रोजगार को लेकर सरकार से लोग मायूस हैं। दिना महेश्वरी बोलीं, इस सरकार में महिलाओं में सुरक्षा की भावना है।

राम मंदिर

पांच सौ साल बाद राम मंदिर बनने की खुशी, पर चुनाव का बड़ा मुद्दा नहीं

बरेली, अमृत विचार : मतदान केंद्रों पर कई लोगों ने राम मंदिर के मुद्दे पर भी वोट डालने की बात कही लेकिन इनकी संख्या ज्यादा नहीं थी। आंवला के चाचा नेहरू इंटर कॉलेज बूथ पर आदर्श सक्सेना ने कहा- देखिए न, सैकड़ों बरसों से उलझी राम मंदिर की समस्या का समाधान हो गया है। हमारे दादा-परदादा अपने जीते जी राम मंदिर बनने की उम्मीद लिए स्वर्ग सिधार गए। हम लोगों को यह क्षण देखने का मौका मिला है। इससे अच्छा और क्या हो सकता है। राम मंदिर के मुद्दे पर कई और लोगों ने कहा कि खुशी तो है लेकिन यह उनके लिए चुनावी मुद्दा नहीं है।

आवास और पेंशन

आवास का वादा मजबूत नहीं, राशन में कटौती, पेंशन देने का दावा भी खोखला

बरेली, अमृत विचार : आंवला के खेड़ा मोहल्ले की रहने वाली बीना ने बताया कि तमाम लोगों को आवास मिल गए हैं, लेकिन जो लोग असल पात्र हैं, उन्हें फार्म भरने के बाद भी इसका लाभ नहीं मिला है। राशन मिल रहा है तो उसमे कटौती की जा रही है। फार्म भरने के बाद भी पेंशन नहीं मिल सकी। सोमवती ने यह कहकर नाराजगी जताई कि उन्हें भी आवास नहीं मिला है। मौर्य बस्ती में सभी को आवास दिए गए, लेकिन यहां नहीं मिले। रूपचंद्र समेत कई लोगों ने कम राशन मिलने का मुद्दा उठाया। कहा, पांच किलो राशन सरकार से मिलता है, लेकिन यहां चार किलो ही दिया जा रहा है।

सक्रिय नहीं रहे भाजपा के पन्ना प्रमुख, सपा के एजेंट ही नहीं

बरेली और आंवला सीट पर मुख्य मुकाबले में शामिल दोनों पार्टियों के बूथ प्रबंधन पर उठे सवाल

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- भाजपा नेताओं ने माना- पन्ना प्रमुख सक्रिय होते तो और बढ़ता मतदान प्रतिशत
- एजेंट न होने के बावजूद सपा कार्यकर्ताओं में बस्ते लेने के लिए मची रही होड़

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव का जब परिणाम आएगा तो सपा और भाजपा दोनों पार्टियों के बूथ प्रबंधन की मजबूती का भी पता चलेगा। हालांकि मंगलवार को दोनों ही खेमों में जमकर अव्यवस्था दिखाई दी। सपा नेता तमाम बूथों के लिए अपने एजेंट ही नहीं बना सके, लेकिन फिर उन बूथों का बस्ता लेने के लिए कार्यकर्ताओं में होड़ मची रही। उधर, भाजपा के पन्ना प्रमुखों की सक्रियता भी कम दिखाई दी। खुद भाजपा नेताओं का मानना है कि पन्ना प्रमुख अगर पूरी तरह सक्रिय होते तो मतदान प्रतिशत और बढ़ सकता था।

पहले दो चरणों के चुनाव में मतदान प्रतिशत कम रहने के बाद भाजपा के नेता लगातार पन्ना प्रमुखों और बूथ अध्यक्षों को और ज्यादा सक्रिय करने पर जोर दे रहे थे। पड़ोस की संसदीय सीट पीलीभीत में पहले चरण में हुए चुनाव में भी पन्ना प्रमुखों की निष्क्रियता को साफ तौर पर महसूस किया गया था। इसके बावजूद बरेली और आंवला के चुनाव में पन्ना प्रमुखों की भूमिका से पार्टी के नेता मंगलवार को मतदान के बाद संतुष्ट नजर नहीं आए। भाजपा नेताओं के मुताबिक चुनाव से पहले हुए कार्यक्रमों और अभियानों में पन्ना प्रमुख सक्रिय रहे थे लेकिन ऐन चुनाव के दिन मतदाताओं को बूथों तक ले जाने में पूरी सक्रियता नहीं दिखा सके। पन्ना प्रमुख अगर पूरी सक्रियता से काम करते तो मतदान प्रतिशत और बढ़ सकता था। हालांकि जिन कार्यकर्ताओं को बूथों पर तैनात किया गया था, वे मतदान खत्म होने तक वहां से नहीं हिले।

समाजवादी पार्टी और कांग्रेस गठबंधन के कार्यकर्ताओं की हालत ज्यादा ही खराब रही। संगठन ने जोन और सेक्टर प्रभारियों के साथ बूथ अध्यक्ष नामित किए थे। इससे कागजों पर तो संगठन की तैयारी चौकस दिखने लगी थी लेकिन मतदान के दिन बूथों यह चौकसी जरा भी नजर नहीं आई। कुर्मांचल नगर में अल्मा मातेर मतदान केंद्र के तीन बूथों पर सपा का एक ही एजेंट तैनात था। एजेंट ने बताया कि बाकी दोनों बूथों पर एजेंट बनाए ही नहीं गए। तीनों बूथों पर भाजपा के एजेंट तैनात थे।

बिहारीपुर खत्रियान में गंगापुर में भी यही स्थिति रही। गुलाब राय इंटर कॉलेज में 10 और गुलाब राय मांटेसरी में तीन बूथ हैं। हर बूथ पर औसत एक हजार से ज्यादा वोटर हैं और कुल करीब 13 हजार मतदाता हैं लेकिन इसके बावजूद यहां सपा-कांगेस का एक ही एजेंट बनाया गया था जो बूथ नंबर 20 पर तैनात था। बूथ नंबर 25 26, 24 समेत बाकी किसी बूथ पर कोई एजेंट नहीं था। बूथ पर तैनात एकमात्र एजेंट ने आशंका जताई कि ईवीएम सील करते समय पार्टी का कोई कार्यकर्ता न होना असर डाल सकता है।

मतदान होने तक हिरासत में रहे सपा यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय सचिव

देवरनियां पुलिस ने सोमवार रात 20 लोगों को उठाया था

संवाददाता, देवरनियां

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव में गड़बड़ी की आशंका जताकर पुलिस ने सोमवार रात को ही देवरनियां में सपा यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय सचिव मोहसिन उद्दीन समेत 20 लोगों को उठा लिया और थाने ले आई। इन सभी को मंगलवार को मतदान खत्म होने से घंटा भर पहले तक हिरासत में रखा गया।

सीओ के निर्देश पर पुलिस ने देवरनियां निवासी समाजवादी यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय सचिव मोहसिन उद्दीन, पिछले चुनाव में चेयरमैन पद के प्रत्याशी रहे मुस्तफा खां उर्फ लल्ला, जावेद वारसी, हिस्ट्रीशीटर मुन्ना अंडेवाला समेत बीस लोगों को उनके घरों और ठिकानों पर सोमवार रात दबिश देकर उठा लिया था। इन सभी को मंगलवार को पूरे दिन थाने में ही हिरासत में रखा गया और मंगलवार शाम पांच बजे मतदान खत्म होने से एक घंटा पहले छोड़ा गया। इसके बाद इन लोगों ने अपने-अपने मतदान केंद्रों पर जाकर वोट डाला। इंस्पेक्टर देवेंद्र सिंह धामा ने बताया कि इन लोगों के चुनाव में गड़बड़ी करने की आशंका थी, इसलिए उन्हें नजरबंद किया गया था

देवरनियां थाना में पुलिस हिरासत में सपा के मोहसिन उद्दीन समेत 20 लोग।

शीशगढ़ चेयरमैन के पति हाजी गुड्डू को भी हिरासत में लिया

शीशगढ़, अमृत विचार : पुलिस ने मंगलवार दोपहर नगर पंचायत चेयरमैन के पति हाजी गुड्डू को भी हिरासत में ले लिया। बताया गया कि मतदान के दौरान मतदान केंद्र के बाहर जहां बीएलओ पर्ची बांट रहे थे, वहीं पास में सपा प्रत्याशी के दो एजेंट अपना बस्ता लिए बैठे थे। दोपहर के वक्त पहुंचे सीओ बहेड़ी अरुण कुमार ने दोनों से पूछताछ की तो सपा एजेंट कृष्णपाल ने बताया कि चेयरमैन के पति सपा नेता हाजी गुड्डू ने उन्हें स्कूल के बाहर बैठाया था। सीओ ने बताया कि हाजी गुड्डू भी वहीं थे। उन्हें हिरासत में लेकर थाने में नजरबंद करा दिया गया।

त्रिस्तरीय सुरक्षा में स्ट्रांग रूम में रखीं 3089 ईवीएम

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- देर रात तक जमा कराने के बाद सील की गईं ईवीएम
- सीसीटीवी कैमरे से निगरानी कंट्रोल रूम से भी नजर

अमृत विचार : मतदान संपन्न होने के बाद त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरे में परसाखेड़ा स्थित स्ट्रांग रूम में 3089 ईवीएम को रख दिया गया। ईवीएम की सुरक्षा के लिए सेंट्रल पुलिस फोर्स भी लगाई गई है।

परसाखेड़ा में स्ट्रांग रूम बनाया गया है। मतदान होने के बाद पोलिंग पार्टियों को ईवीएम के साथ कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच परसाखेड़ा लाया गया। जहां पर ईवीएम जमा कराईं गई। ईवीएम को जमा कराने का कार्य देर रात चला। एडीएम प्रशासन दिनेश, एडीएम वित्त एवं राजस्व संतोष बहादुर सिंह समेत कई पुलिस-प्रशासनिक अफसर देर रात ईवीएम को जमा कराने की व्यवस्था में लगे रहे। एडीएम प्रशासन दिनेश ने बताया कि सभी 3089 ईवीएम को सुरक्षित रखवा दिया गया है। मतगणना के दिन सीपीएफ की मौजूदगी में ही ईवीएम स्ट्रांग रूप से बाहर निकाली जाएंगी। एसएसपी घुले सुशील चंद्रभान ने बताया कि स्ट्रांग रूम को लेकर त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। स्ट्रांग रूम और उसके आसपास के क्षेत्र पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। कंट्रोल रूम से लगातार इसकी निगरानी होती रहेगी।

123 अनुपस्थित मतदान कर्मियों के खिलाफ रिपोर्ट

बरेली, अमृत विचार : बरेली और आंवला लोकसभा क्षेत्र में मतदान से पहले सोमवार को पोलिंग पार्टियों में शामिल 123 मतदान कर्मी और पीठासीन अधिकारी अनुपस्थित रहे। इनके खिलाफ सीबीगंज थाना में छह सहायक रिटर्निंग अधिकारियों ने रिपोर्ट दर्ज कराई है।

सहायक रिटर्निंग अधिकारी देश दीपक सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 119 विधानसभा क्षेत्र में पोलिंग पार्टिया रवाना होनी थीं लेकिन 31 मतदान कर्मी अनुपस्थित रहे। सहायक रिटर्निंग अधिकारी आंवला ने 18, सहायक रिटर्निंग अधिकारी नवाबगंज ने 10, सहायक रिटर्निंग अधिकारी भोजीपुरा ने 37, सहायक प्रभारी अधिकारी कार्मिक ने 14 कर्मियों खिलाफ थाना सीबीगंज में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पुलिस कंट्रोल रूम में भी चुनाव संबंधी पहुंचीं शिकायतें

बरेली, अमृत विचार : बरेली और आंवला लोकसभा क्षेत्र में मतदान के दौरान यूपी 112 पर चुनाव संबंधी कई शिकायतें पहुंचीं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सभी का निस्तारण किया। फतेहगंज पश्चिमी क्षेत्र के रहने वाले नरेश कुमार ने सुबह 7 बजे पर्ची बनाने को लेकर दो पक्षों में विवाद की सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सभी को समझाकर मामला शांत कराया। वहीं किला क्षेत्र के रहने वाले रामकुमार ने सुबह 10 बजे शिकायत की कि कुछ लोग हैं जो पब्लिक को उकसा रह हैं। सीबीगंज के रहने वाले एक व्यक्ति ने सुबह 11 बजे फोन कर सूचना दी कि क्षेत्र में कुछ लोग शराब बांट रहे हैं। इसके बाद सुबह 11:30 बजे बारादरी क्षेत्र के एक युवक ने शिकायत की कि कुछ अंजान लोग मतदान कर रहे हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सभी का निस्तारण किया। फतेहगंज पश्चिमी निवासी एक महिला ने दोपहर 1:29 पर जानकारी दी कि उनका वोट कट गया है और वोट नहीं देने दिया जा रहा है। सुभाषनगर क्षेत्र में किसी ने दो पक्षों में विवाद होने की जानकारी दी। पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां पर सब कुछ ठीक मिला। इसके अलावा अन्य चार सौ शिकायतें भी पहुंचीं।

शहर के 150 बूथों पर उपलब्ध रहीं व्हीलचेयर

बरेली, अमृत विचार : चुनाव के दौरान दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से शहर के 150 पोलिंग बूथों पर व्हील चेयर की व्यवस्था की गई। डिप्टी सीएमओ डॉ. लईक अहमद अंसारी ने बताया कि मंगलवार को मतदान से पहले शहर के वुडरो, रिक्खी सिंह इंटर कॉलेज, बालजती उच्च प्राथमिक विद्यालय समेत कई बूथों का निरीक्षण किया। इस दौरान आशा-एएनएम की टीमें भी ड्यूटी पर मौजूद मिलीं। वहीं गर्मी से बचाव के लिए मतदान कर्मियों को ओआरएस के पैकेट भी वितरित किए गए। कई मतदान कर्मियों के ब्लड प्रेशर की भी जांच की गई। रामगंगा नगर गौटिया बिचपुरी मतदान केन्द्र पर आने वाले मतदाताओं को दोपहर तक 30 ओआरएस घोल के पैकेट और पांच लोगों को बुखार होने पर पीसीएम की गोली दी गई।

बूथों पर एसएसबी के जवानों ने की दिव्यांगों की मदद

बरेली, अमृत विचार : कई बूथों पर वोट डालने पहुंचे दिव्यांगों की एसएसबी के जवानों ने मदद की। बाल विकास परियोजना कार्यालय करेली के बूथ पर जवान ने दिव्यांग मतदाता को गोद में उठाकर बूथ तक पहुंचाया। करगैना के एक बूथ पर जवान ने मतदाता ओमपाल की मदद की। एसएसबी जवानों के इस कार्य की लोगों ने प्रशंसा की।

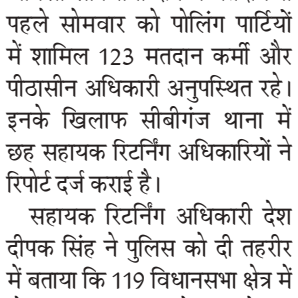

मतदान केंद्रों पर ट्रिपिंग की समस्या रही

बरेली, अमृत विचार : तेज हवा से तारों के टकराने से शहर और देहात क्षेत्र में ट्रिपिंग की समस्या रही। मंगलवार को मतदान के दौरान सुभाषनगर उपकेंद्र से जुड़े इलाकों में केबल जल जाने से आपूर्ति बाधित रही। सुबह पटेल नगर, बीडीए कॉलोनी और बदायूं रोड समेत कई जगहों पर चार घंटे बिजली कटौती से लोग परेशान होते रहे। करेली, करगैना, नकटिया, मोहनपुर आदि स्थानों पर भी ट्रिपिंग समस्या रही। अधीक्षण अभियंता ग्रामीण अशोक कुमार चौरसिया ने बताया कि जहां ट्रिपिंग की समस्या आ रही थी, वहां पर उसे दूर करा दिया गया।

वीआईपी बूथ पर मतदाताओं का मुंह कराया मीठा

बरेली, अमृत विचार : वीआईपी बूथ पर बीएलओ काउंटर पर मतदान करके जाने वाले मतदाताओं को मुंह मीठा कराने के लिए बताशे दिये जा रहे थे। यहां ठंडे पानी की कई वाटर कूलर भी रखे गये थे।

MAXLIFE SUPERSPECIALITY HOSPITAL & FAHMY IVF CENTRE
मैक्सलाइफ सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल एण्ड फहमी आई.वी.एफ. सेन्टर
मालियों और ईसाइयों की पुलिया के बीच में, सिन्धू नगर, बरेली
डॉ. अनीस बेग
M.B.B.S., D.C.H.
Child Specialist
नवजात शिशु एवं सिरीयस बच्चों के विशेषज्ञ आधुनिक नर्सरी वेंटीलेटर सी. पैप
डॉ. फैहमी खान
M.B.B.S, D.G.O D.M.A.S., F.M.AS Gynaecologist
IVF Specialist Fellowship in Laparoscopy
स्त्री रोग विशेषज्ञ
डॉ. अरशद रज़ा
M.B.B.S., M.S., (Fmas)
Laparoscopic Surgeon
डॉ. शरद खंडेलवाल
MBBS MS (Gen.Surgery)
Mch. (Plastic Surgery)
Cosmetic Hair Transplant.
Microvascular Reconstructive Surgeon
डॉ. दीपक कुमार
M.B.B.S., M.S., M.C.H
Neurosurgeon
दिमाग एवं रीड़ की हड्डी के विशेषज्ञ
डॉ. मो. जावेद
M.B.B.S., M.D., Physician
ब्लड प्रेशर शुगर एवं पेट रोग विशेषज्ञ
डॉ. जावेद ए. खान
M.B.B.S., M.S., Orthopedic Surgeon Truama & Joint Replacement
FACILITIES
•CATHLAB •ICU •CCU •ANGIOPLASTY •NICU •ECHO TMT •ANGIOGRAPHY •HDU •PACEMAKER •DIALYSIS •VENTILATOR
मॉडयूलर ऑपरेशन
लैप्रोस्कोपिक सर्जरी
एडवांस आई.सी.यू.
एडवांस एन.आई.सी.यू.
कैथ लैब
EMERGENCY 24 HOURS
Contact : 0584-2990926 0581-2990928

भगन्दर, बवासीर
सभी प्रकार के बार-बार ऑपरेटेड Complex Fistula (जटिल भगन्दर) पाइल्स तथा एनल फिसर एवं Anal Stenosis की क्षार सूत्र द्वारा पूर्ण सफल चिकित्सा
सुश्रुत क्लीनिक
क्षार चिकित्सा गुदा एवं वृहदांत्र रोग
[COLO-RECTAL-CENTER]
28.बी, एकता नगर स्टेडियम रोड, बरेली
9897030475
9411221895
7060162071
डॉ. लालता प्रसाद (सर्जन)
B.sc., B.A.M.S., D.Ay.M. सर्जरी (I.M.S), (B.H.U.) वाराणसी
गुरू /प्रोफेसर - राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ आयुष मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली
भू.पू. वरिष्ठ लेक्चरार एस. आर. एम. स्टेट आयु कॉलेज, बरेली
Life-Member Association of Anaesthetists of Indian Medicine
45 वर्षों का कुशल अनुभव
डॉ. अभय प्रकाश (सर्जन)
B.A.M.S., M.S सर्जरी
क्षार सूत्र एवं गुदा रोग विशेषज्ञ
बाल गुदा रोग विशेषज्ञ व समस्त गुदा रोग भगन्दर, बवासीर, ऐनल फिसर रेक्टल पालिप, पाइलोनिडल साइनस, कोलाइटिस
गुदा रोगों के लक्षण
मलद्वार से खून मवाद आना गांठ का मल द्वार से बाहर निकलना मल द्वार के आस पास बार-बार फोड़ा बनना एवं फूटना, बार-बार मल त्याग करना, मल द्वार में दर्द एवं खुजली होना
समय
प्रातः 10:00 से 2:00 बजे तक
सायं 7:00 से 8:00 बजे तक
रविवार
प्रातः 10:00 से 2:00 बजे तक
सायंकाल अवकाश

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 7464943582

AALA HAZRAT POLY CLINIC & CHILD CENTRE
डॉ. अरशद अली
एम.बी.बी.एस., डी.सी.एच. नवजात शिशु एवं बच्चा रोग विशेषज्ञ
डॉ. शाहिदा बी. खान
एम.बी.बी.एस., डी.सी.पी. कन्सलटेन्ट पैथोलॉजिस्ट
Ph.: 9359110376
सब पैथोलॉजी
सम्पूर्ण कम्प्यूटराईज्ड लैब
सतीपुर चौराहा, सैटेलाइट बस अड्डे से 1 किमी., पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली। हैल्प लाईन-8266051117

डॉ. रजनीकांत साहू
MBBS, MS, MCh. (SGPGI, Lucknow)
Ex-Consultant-MAX Hospital, Delhi
वरिष्ठ न्यूरो सर्जन
मो. 7417389433
बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सेन्टर
पता:- सी 427 डिवाइन हॉस्पिटल के सामने, के.के. हॉस्पिटल रोड, राजेन्द्रनगर, बरेली
मिलने का समय प्रातः 10 से 12, सायं 6 से 8
7017678157
सुविधायें:- सिर की चोट का इलाज व ऑपरेशन, ब्रेन ट्यूमर, दिमागी गांठ तथा ब्रेन हैमरेज का ऑपरेशन, गर्दन व पीठ का दर्द, सियाटिका, स्लिप डिस्क, स्पाइनल ट्यूमर का इलाज व ऑपरेशन, सिर दर्द व मिर्गी के दौरे का इलाज।

डा. सतेन्द्र शर्मा
M.D. (Ayu.)
बवासीर, भगन्दर रोग विशेषज्ञ
क्या आपकी हर सुबह परेशानी लेकर आती है
जैसे : शौच के समय जलन, दर्द एवं खून, मल द्वार के पास से मवाद व कपड़े खराब होते रहना।
क्षार सूत्र विधि द्वारा इन सभी बीमारियों से सम्पूर्ण निदान पायें।
श्रद्धा केयर अस्पताल
मिनी बाईपास, प्रेम नर्सरी के सामने, कर्मचारी नगर, नैनीताल रोड बरेली सम्पर्क सूत्र : 9758284825, 8077550393

ADITYA
डा० आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS DNB MINAMS
CATARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
Trust your eyes with us
भूतपूर्व चिकित्सक- शहीद भगत सिंह आई हॉस्पिटल, बरेली
TIME : 10:00 AM TO 5:00 PM
8077344353
50000 से अधिक आँखों के आपरेशन का अनुभव
अब इस पते पर उपलब्ध हैं :- आँखों का अस्पताल
आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, रेड टेप शोरूम के बराबर में, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

डॉ. आशीष सक्सेना
एम.बी.बी.एस., एम.एस., एफ.आई.ए.जी.ई.एस.
जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन
मो. 9045849322
उपलब्ध सुविधायें • दूरबीन द्वारा पित्त की पथरी का ऑपरेशन • हर्निया का ऑपरेशन • अपेंडिक्स का ऑपरेशन • पित्त की नली की पथरी • बवासीर, भगन्दर, फिशर • हाईड्रोसील • स्तन की गांठ का ऑपरेशन • पैर की नसों का फूलना (Varicose Veins) • पाइलोनाइडल साइनस
इसके अतिरिक्त सभी प्रकार के ऑपरेशन (दूरबीन विधि एवं चीरे द्वारा) करने की सुविधा।
यश सर्जिकेयर क्लीनिक
प्रेम नर्सरी चौराहा, मिनी बाईपास रोड, बरेली-243122

डॉ. प्रेम गंगवार
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
गूगल अवार्ड एवं गोल्ड मेडलिस्ट प्राप्त
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें।
आधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
10 वर्षों का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक 8859517808
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

प्राइम हॉस्पिटल एण्ड ट्रामा सेन्टर
नरियावल बाजार के सामने, बिथरीचैनपुर रोड, नरियावल, बरेली
• मेडिसिन विभाग • सर्जरी विभाग • स्त्री एवं प्रसूति विभाग
• मानसिक रोग विभाग • हड्डी रोग विभाग
• न्यूरो विभाग • बाल रोग विभाग
आयुष्मान योजना के तहत फ्री ऑपरेशन व इलाज
24 घण्टे इमरजेन्सी सुविधा उपलब्ध
डॉ. मिनहाज अली खान एम.डी.
7302532226, 9758044442

मतदान केंद्रों पर छलके लोकतंत्र के रंग

लोकतंत्र के महापर्व के दौरान शहर के पोलिंग बूथों पर कहीं सन्नाटा दिखा तो कहीं अपने सबसे बड़े संवैधानिक अधिकार का इस्तेमाल करने का जज्बा भी दिखा। कोई पूरे परिवार को साथ लेकर वोट डालने पहुंचा था तो कोई पहली बार वोट करने की यादें कैमरे में संजोता नजर आया। सुबह से शाम तक मतदान केंद्रों पर लोकतंत्र के अलग-अलग रंग छलकते रहे। बुजुर्गों और दिव्यागों ने मुश्किल जरूर उठाईं लेकिन मतदान करने में वे भी पीछे नहीं रहे।

अदा की देश का नागरिक होने की जिम्मेदारी

बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डॉ. केशव कुमार अग्रवाल, प्रति कुलाधिपति डॉ. अशोक अग्रवाल, कुलपति डॉ. लता अग्रवाल और प्रति कुलपति डॉ. किरण अग्रवाल ने मंगलवार सुबह रामपुर बाग पोलिंग बूथ पर एक साथ मतदान किया।

अनुज अग्रवाल ने डाला वोट।

मोहम्मद खालिद जिलानी ने परिवार संग किया मतदान

पत्नी के साथ मतदान करने के बाद अश्वनी ओबराय।

कांग्रेस नेता असलम चौधरी।

वनमंत्री डॉ. अरुण कुमार ने भी वोट डाला।

जनप्रतिनिधियों ने भी निभाई जिम्मेदारी

पूर्व केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार ने पत्नी और परिवार के साथ किया मतदान।

गर्मी ने कसर नहीं छोड़ी तेज हवा से मिली राहत

बरेली, अमृत विचार : जिले में मंगलवार को मतदान करने वाले लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा। दिन का तापमान कुछ कम था लेकिन फिर भी सूरज का ताप असहनीय था। इस वजह से लोगों ने सुबह और शाम का वक्त मतदान के लिए चुना। अधिकतम तापमान 37.7 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने मंगलवार को 40 डिग्री तापमान का पूर्वानुमान जताया था लेकिन हवा चलने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई। सुबह मतदान शुरू होते ही लोगों में उत्साह तो खूब नजर आया लेकिन जैसे- जैसे मौसम की तपिश बढ़ी, वोटिंग धीमी पड़ती गई। दोपहर में 1 से 3 बजे के बीच परतापुर स्थित प्राथमिक विद्यालय, रहपुरा स्थित वुडरो पब्लिक स्कूल, रोड नंबर एक स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय, कर्मचारी नगर स्थित जीके सिटी मांटेसरी स्कूल, सैदपुर हांकिस प्राथमिक विद्यालय समेत अन्य कई बूथ के कर्मी खाली बैठे रहे और कुछेक लोग ही मतदान के लिए पहुंचे।

कमिश्न सौम्या अग्रवाल ने भी मतदान किया।

पत्नी के साथ डीएम रविंद्र कुमार ने डाला वोट।

मेयर डॉ. उमेश गौतम ने पत्नी सोनल गौतम और बेटे पार्थ के साथ किया मतदान।

सपा नेता मयंक शुक्ला मोंटी और शुभलेश यादव ने किया मतदान।

एसएसपी धुले सुशील चंद्रभान ने पत्नी संग किया मतदान।

ड्यूटी से फुर्सत मिली तो अफसरों ने भी डाला वोट

बरेली, अमृत विचार : जन सामान्य के साथ पुलिस और प्रशासनिक अफसरों ने भी पूरे उत्साह के साथ लोकतंत्र के महापर्व में भाग लिया। तमाम अफसरों ने परिवार के साथ पोलिंग बूथ पर जाकर सबसे पहले मतदान किया। दूसरों को भी मतदान के लिए प्रेरित किया। इसके अलावा उन्होंने अपनी जिम्मेदारियां भी निभाई।

मोहम्मद कलीमुद्दीन, संजय सक्सेना और शमा गुप्ता ने भी किया मतदान।

मुश्किलें उठाकर वोट डालने पहुंचे दिव्यांग

लोकतंत्र का फर्ज अदा करने में आगे रहे बुजुर्ग

ग्रामीण महिलाओं में दिखा वोट डालने का जोश

आंवला के रामनगर में मतदान के लिए पोलिंग बूथ पर जातीं महिलाएं। ● अमृत विचार

बरेली, अमृत विचार : लोकतंत्र के महापर्व में महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। घूंघट की ओट किए वे पोलिंग बूथों पर वोट डालने पहुंचीं। आंवला लोकसभा क्षेत्र के बिथरी चैनपुर इलाके के बूथों पर सुबह से लेकर दोपहर तक महिलाओं की भीड़ लगी रही। सास के साथ बहुएं भी लाइन में लगी थीं। वोट डालने लेकर वे उत्साहित थीं। परसौना, नरियावल, पदार्थपुर, उड़ला जागीर गांव में पोलिंग बूथों पर महिलाओं की कतार दिखी। परसौना के पोलिंग बूथ पर पूजा सक्सेना सास के साथ मतदान करने आई थीं। परिवार में बड़ों से घूंघट करने की परंपरा है। इस वजह से उन्होंने घूंघट कर रखा था। नरियावल में विमला देवी ने बताया कि चौका चूल्हा छोड़कर वह परिवार की बहुओं के साथ मतदान करने के लिए पोलिंग बूथ पर आई हैं। बोलीं- वोट देने का मौका पांच साल में एक बार मिलता है, ताकि वे सही सरकार चुन सकें।

मोहम्मद कलीमुद्दीन, संजय सक्सेना और शमा गुप्ता ने भी किया मतदान।

समरान खान ने डाला वोट।

पीसी पाठक ने पत्नी रमा पाठक के साथ किया मतदान।

आला हजरत हेल्पिंग सोसायटी की अध्यक्ष निदा खान ने परिवार के साथ किया मतदान।

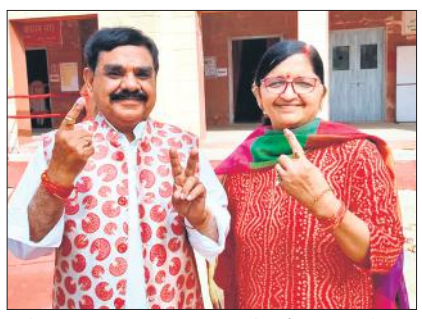

कांग्रेस महानगर अध्यक्ष अजय शुक्ला ने पत्नी संग डाला वोट। नासिर कुरैशी ने मतदान किया

ऐरन ने चुनाव के बाद कार्यकर्ताओं का किया उत्साहवर्धन

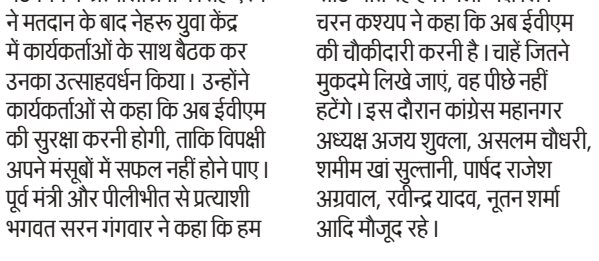

नेहरु युवा केन्द्र पर बैठक में बोलते सपा इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी प्रवीण सिंह ऐरन।

बरेली, अमृत विचार : सपा इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी प्रवीण सिंह ऐरन ने मतदान के बाद नेहरू युवा केंद्र में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि अब ईवीएम की सुरक्षा करनी होगी, ताकि विपक्षी अपने मंसूबों में सफल नहीं होने पाए। पूर्व मंत्री और पीलीभीत से प्रत्याशी भगवत सरन गंगवार ने कहा कि हम लोग बरेली, आंवला और पीलीभीत सीट जीत रहे हैं। जिलाध्यक्ष शिव चरन कश्यप ने कहा कि अब ईवीएम की चौकीदारी करनी है। चाहें जितने मुकदमे लिखे जाएं, वह पीछे नहीं हटेंगे। इस दौरान कांग्रेस महानगर अध्यक्ष अजय शुक्ला, असलम चौधरी, शमीम खां सुल्तानी, पार्षद राजेश अग्रवाल, रवीन्द्र यादव, नूतन शर्मा आदि मौजूद रहे।

प्रतिबंध के बावजूद ईवीएम में वोट डालने की फोटो खींचीं

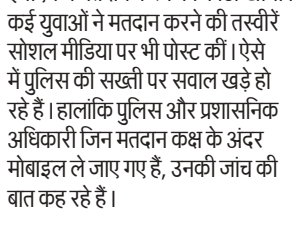

बरेली, अमृत विचार : चुनाव के दौरान मतदान कक्ष के अंदर मोबाइल ले जाने पर रोक थी लेकिन इसके बावजूद कई लोग मोबाइल लेकर पहुंच गए और ईवीएम में मतदान करने की फोटो खींची। कई युवाओं ने मतदान करने की तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी पोस्ट कीं। ऐसे में पुलिस की सख्ती पर सवाल खड़े हो रहे हैं। हालांकि पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी जिन मतदान कक्ष के अंदर मोबाइल ले जाए गए हैं, उनकी जांच की बात कह रहे हैं।

शिक्षा, रोजगार के नाम रहा युवाओं का पहला वोट

बरेली, अमृत विचार : लोकसभा चुनाव में 50 हजार से अधिक युवा मतदाताओं ने पहली बार मतदान किया। इन युवाओं के वोट का परिणाम चार जून को होने वाली मतगणना के बाद ही पता चल सकेगा, लेकिन युवा मतदान के लिए उत्साह से घरों से निकले और उनका वोट शिक्षा और रोजगार के नाम रहा।

राजनीतिक दलों ने युवाओं को केंद्रित रखते हुए चुनावी एजेंडा तैयार किया था। चुनाव भी इन्हीं युवा मतदाताओं के इर्द-गिर्द घूमता रहा। पहली बार मतदाता बने युवाओं में उत्साह दिखा।उन्होंने मतदान केंद्र पर पहुंचकर पहले मतदान की प्रक्रिया को समझा फिर मतदान किया। अधिकांश युवाओं का कहना था कि उन्होंने शिक्षा, विकास और रोजगार के मुद्दे पर मतदान किया है।

बेहद खुशी के साथ पहली बार वोट डाला है। रोजगार, महिला सुरक्षा समेत कई मुद्दों को ध्यान में रखते हुए मतदान किया है। लोकतंत्र में एक-एक वोट की कीमत होती है। -**मुरारी**, निवासी कर्मचारी नगर

प्रत्याशी का चयन करना थोड़ा मुश्किल रहा, लेकिन वैश्विक स्तर पर देश की स्थिति को और कैसे मजबूत किया जाए, इसे ध्यान में रखकर मतदान किया। -**अमित**, निवासी मठ लक्ष्मीपुर

मेरा वोट सुरक्षित भविष्य और विकासशील देश के नाम रहा। मैंने मत का प्रयोग कर अपने क्षेत्र, समाज और देश को आगे बढ़ाने में भूमिका निभाई है। **मोहित**, निवासी सनराइज एंक्लेव

पहली बार वोट डालने का अलग ही अनुभव था। मैं चाहता हूं कि हमारे मत से बनने वाली सरकार युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करे। -**अद्वैत दीक्षित**, निवासी कैंट

कांग्रेस जिलाध्यक्ष मिर्जा अशफाक सकलैनी ने पत्नी मिर्जा चमन के साथ किया मतदान।

पहली बार वोट डालने की खुशी

सुहानी अग्रवाल

तबस्सुम

इल्तमस

प्रियंका।

स्नेहा।

बुशरा अंसारी

रुविवि के कुलपति प्रो .केपी सिंह ने परिवार के साथ किया मतदान।

पत्नी संग डॉ. अनूप आर्य ने डाला वोट।

डॉ. रवीश अग्रवाल ने वोट डाला।

सलेक्शन प्वाइंट के एमडी नरेंद्र गुप्ता ने परिवार के साथ एमबी इंटर कॉलेज पोलिंग बूथ पर किया मतदान। परिवार के चार युवा दिल्ली और मुंबई से मतदान करने पहुंचे। ● अमृत विचार

डॉ. सुदीप सरन और भारती सरन ने किया मतदान। डॉ. विनोद पागरानी ने भी डाला वोट

डॉ. प्रमेन्द्र माहेश्वरी ने माता-पिता, पत्नी और बच्चों के साथ किया मतदान।

आखिर कब तक शर्माते रहोगे

हर उम्र में जबरदस्त
ताकत व रुकावट प्राप्त करें

शीघ्रपतन, शुक्राणुओं की कमी
बवासीर, शुगर व निःसंतान
रोगी मिलें

मैं नीरज कुमार, आंवला निवासी हूं मैंने बचपन में अपने हाथों से अपना जीवन खराब कर लिया था काफी जगह ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ फिर मेरे दोस्त ने डा. शेख के बारे में बताया वहां मैंने 40 दिन ईलाज कराया आज मैं पूरी तरह अपने वैवाहिक जीवन का आनंद उठा रहा हूं अगर आप भी नामर्दी, घात, स्वप्नदोष, शीघ्रपतन जैसी बिमारियों से परेशान हैं तो डाक्टर शेख से मिलकर बिमारियों से छुटकारा पायें।

मैं अकील खान, शाहजहांपुर निवासी हूं मुझे शीघ्रपतन की बिमारी थी। काफी नीम हकीमों से ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ मैं इस बिमारी के कारण अपनी घरवाली से भी आंख नहीं मिला पाता था। क्योंकि सेक्स के समय मेरा वीर्य एक या दो मिनट में ही निकल जाता था जिस कारण घरवाली संतुष्ट नहीं हो पाती थी। फिर मैंने डा.शेख से सम्पर्क किया आज मैं पूरी तरीके से ठीक हूं मेरा टाईम तकरीबन 15 से 20 मिनट बढ गया है।

मैं सतीस, उम्र 55 साल है मैं पीलीभीत निवासी हूं मुझे डायबिटीज है। डायबिटीज के कारण मेरा सेक्स पूरी तरह से खत्म हो गया था काफी ईलाज कराया कोई फायदा नहीं हुआ फिर मैं डा. शेख से मिला। डा.शेख ने शुगर के साथ मुझे मर्दाना कमजोरी की दवा भी दी। आज मेरी शुगर भी कंट्रोल है और मर्दाना ताकत भी पुनः वापस आ गई है। आज मैं फिर से जवान हो गया हूं।

मैं समीर, उम्र 35 साल है मैं रामपुर निवासी हूं मेरी शादी को 10 साल हो गये थे। मेरे वीर्य के अंदर शुक्राणुओं की संख्या बहुत कम थी जिसके कारण मैं पिता नहीं बन पा रहा था। बडे बडे अस्पताल वाले आईवीएफ (IVF) की सलाह दे रहे थे। फिर मैंने डा.शेख से सम्पर्क किया। डा.शेख ने मुझे 3 महीने का ईलाज दिया जिससे मेरे शुक्राणु 60 प्रतिशत हो गये और 2 महीने के बाद मेरी पत्नी गर्भवती हो गई। मैं डा.शेख का धन्यवाद करता हूं और आप लोगों से अपील करता हूं कि यदि आपके वीर्य में भी शुक्राणुओं की संख्या कम है तो डा. शेख से सम्पर्क करें।

मैं पूनम कुमारी, उम्र 25 साल है मैं बरेली की निवासी हूं मुझे सफेद पानी की काफी दिनों से शिकायत थी। ल्यूकोरिया की वजह से मेरी कमर व पैरों में दर्द रहता था मेरा वजन कम हो रहा था। मेरे चेहरे से रंगत जा रही थी मैं काफी ईलाज करा कर थक चूकी थी। फिर मैंने डा.शेख द्वारा निर्मित एल-7 कैप्सूल का उपयोग किया और साथ ही वी-16 पाउडर से गुप्तांग की सफाई की। जिससे मेरा सफेद पानी आना पूरी तरह से बंद हो गया और वेजाईना टाईट हो गया।

क्या आप यौन समस्याओं से परेशान हैं और इधर उधर ईलाज कराकर थक चूके हैं और इन बिमारियों को लाईलाज समझ चूके हैं जैसे नामर्दी, धात, शीघ्रपतन, शुक्राणुओं की कमी, माहवारी का कम या ज्यादा आना, स्तनों का बैडोल होना, जोडों का दर्द, शुगर, पेट रोग, किडनी रोग, हृदय रोग, निःसंतान दम्पति डा. शेख से सम्पर्क करें। डा. शेख के नाम से हिन्दुस्तान में 50 दवाखाने चल रहे हैं डा.शेख अपने मरीजों के लिये दवायें खुद तैयार करते हैं दवायें सहार हर्बल फार्मेसी में तैयार की जाती है। दवायें देश विदेश में लाखों मरीजों पर आजमाई हुई हैं। डा.शेख को अच्छे ईलाज के लिए अनेकों अवार्ड मिल चूके है जैसे Gold Medelist, Best Sexologist in India, Pride of Country, Kohinoor A Tibb, Chikitasak Ratan, Asia's Best Sexual Health Clinic

Highest 5 Star Rating in Google

भारत प्रसिद्ध YouTube पर Search करें गोल्ड मेडेलिस्ट

डा.शेख

Best Sexologist in india

मिलें हर मंगलवार
मालियों की पुलिया बरेली

9837023223

सैक्स रोगी मिलें

सैक्स रोगों का एकमात्र स्थायी समाधान

डॉ. रफीक

समय-रोजाना प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक (रविवार अवकाश)

बड़ी बिहार, निकट डेलापीर मण्डी, बरेली। मो. 9319929913

नामर्दों Impotance, नसों की कमजोरी, संभोग से घबराहट, उत्तेजना की कमी, स्त्रियों में सैक्स की इच्छा न होना, मानसिक तनाव आदि के लिए निःसंकोच मिलें।

ताकत, जोश, रुकावट और वैवाहिक जीवन का आनन्द उठाएं।

- शीघ्र पतन (Premature Ejaculation)
- धात रोग (Spermatorrhoea)
- स्वप्न दोष (Night Fall)
- वीर्य का पतलापन बगैरा का इलाज विशेष प्रकार की भस्मों, माजून, तिलों द्वारा किया जाता है।
- निल शुक्राणु (Azoospermia)
- शुक्राणुओं की कमी (Oligospermia)
- बांझपन (Sterility)
- सफेद पानी (Leucorrhoea)
- पेट में दर्द (Pelvic Pain)
- बार-बार गर्भपात होना

35 वर्षों का अनुभवी आयुर्वेदिका, यूनानी इलाज कराएं, जीवन में खुशियां लाएं।

ALA Herbal

ताकत, जोश, रुकावट का स्थायी समाधान

कैप्सूल मैनसूल (काम्बो पैक)

धात, शीघ्रपतन, नपुंसकता के सम्पूर्ण समाधान के लिए इस पैक में तीन प्रकार के कैप्सूल है। तीनों तरह के एक-एक कैप्सूल दूध के साथ खाने से हर प्रकार की कमजोरी ठीक हो जाती है। यह शुक्राणुओं की कमी को दूर करता है। इम्युनिटी पावर को बढ़ाता है। Streess, Depression में लाभ करता है।

यह पूर्णतयः हर्बल है, इसका कोई साइड इफैक्ट नहीं है

Flipkart, Amazon पर उपलब्ध है।

Helpline No.
8439818102
7451039913

स्टॉकिस्ट
आरोग्य सदन बरेली
9837007202

कुलसचिव का तबादला, काशी विद्यापीठ के बने परीक्षा नियंत्रक

विश्वविद्यालय में कुलपति और कुलसचिव के बीच चल रही थी खींचतान

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : शासन ने रुहेलखंड विश्वविद्यालय के कुलसचिव अजय कृष्ण यादव का मंगलवार को तबादला कर दिया है। उन्हें महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी में परीक्षा नियंत्रक बनाया गया है। अब विश्वविद्यालय में लंबे समय से कुलपति प्रो. केपी सिंह और कुलसचिव अजय कृष्ण यादव के बीच चल रही खींचतान पर रोक लगेगी। हालांकि उनके खिलाफ 11 बिंदुओं पर जांच चल रही है, जो अभी जारी है। इस मामले में रिमाइंडर के बावजूद कुलसचिव न जवाब नहीं दिया है। चुनाव के बाद इस मामले में कोई निर्णय लिया जा सकता है।

रुहेलखंड विश्वविद्यालय में पिछले कुछ महीने से कुलपति और कुलसचिव के बीच टकराव चल रहा था। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कुलसचिव अजय कृष्ण यादव को कार्य विरत कर उप कुलसचिव सुनीता यादव को अतिरिक्त प्रभार दे दिया था। इसके बाद मामला शासन में पहुंचा था। शासन ने कुलपति को आदेश दिया था कि कुलसचिव को पदास्थापित किया जाए। इसके बाद कुलपति ने जांच का हवाला देते हुए राजभवन से निर्देश पर आगे की कार्रवाई की बात कही थी। इस दौरान दोनों अधिकारियों के कई आदेश आए, जिन्हें एक-दूसरे ने गलत बताया। पिछले करीब एक सप्ताह से मामला शांत चल रहा था। अब मंगलवार को शासन के उच्च शिक्षा अनुभाग के उप सचिव एसपी मिश्र ने कुलसचिव अजय कृष्ण यादव के तबादले का आदेश जारी किया।

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में कुलसचिव सुनीता पांडेय के पास परीक्षा नियंत्रक का अतिरिक्त प्रभार था। अब रुहेलखंड विश्वविद्यालय के कुलसचिव अजय कृष्ण यादव को काशी विद्यापीठ के परीक्षा नियंत्रक के पद के सापेक्ष संबद्ध किया है।

पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय रहने से सप्ताह भर बूंदाबांदी के आसार

बरेली, अमृत विचार: पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से जिले में एक सप्ताह तक लोगों को गर्मी से राहत मिलने का पूर्वानुमान है। बुधवार से ही बादल छाए रहने के साथ बूंदाबांदी के आसार हैं। मंगलवार को ही मौसम में बदलाव देखने को मिला और शाम को तेज हवा चलने से गर्मी से राहत मिली। मंगलवार को अधिकतम तापमान 37.7 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

आंचलिक मौसम केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ मौसम विज्ञानी डॉ. अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान बुधवार से लेकर शनिवार तक हल्की बूंदाबांदी और रविवार और सोमवार को गरज-चमक के साथ बारिश होने का पूर्वानुमान है। वहीं 15 मई के बाद मौसम में फिर बदलाव होगा और 12-15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गर्म हवाएं चलेंगी।

डॉ. अमन रस्तोगी
BAMS, MD
Consultant Physician

- शुगर से पूर्णतः निजात एवं परहेज से निजात
- पाइल्स का सम्पूर्ण आयुर्वेद द्वारा उपलब्ध है।
- पथरी एवं हृदय रोग विशेषज्ञ
- घुटने एवं गठिया का पूर्ण उपचार।
- सफेद दाग का गारंटिड इलाज।
- पित्त की थैली एवं किडनी की पथरी का बिना आपरेशन द्वारा इलाज।

लाईफ लाइन क्लीनिक
कर्मचारी नगर, गांधीपुरम, भारत गैस गोदाम के सामने, बरेली
मो. 6398965384

गुप्त रोगी मिलें

डा. मौर्य

जोश मर्दाना, कमजोरी, ताकत, शुक्राणु की कमी, स्वप्नदोष, शीघ्रपतन

बरेली कृष्णा नगर मो. 7534002651

प्रवेश प्रारम्भ

वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय

वरुण अर्जुन कॉलेज ऑफ नर्सिंग

उत्तर प्रदेश मेडिकल फैकल्टी से मान्यता प्राप्त

बी.एस.सी. नर्सिंग
(4 वर्षीय डिग्री कोर्स)
शैक्षिक योग्यता : इण्टरमीडिएट साइंस (बायोलॉजी) के साथ

पोस्ट बेसिक नर्सिंग
(2 वर्षीय कोर्स, योग्यता जी.एन.एम. पास आउट)

जी.एन.एम.
(3 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)

ए.एन.एम.
(2 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)

प्रवेश हेतु संपर्क करें :-
मो. 9412151327, 7521001992

पता
वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड हॉस्पिटल
NH-24, बन्थरा, जिला शाहजहाँपुर

उधार मांगने पर युवक पर पेट्रोल छिड़ककर लगा दी आग

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- पिता की तहरीर पर इज्जतनगर थाना पुलिस ने दर्ज की रिपोर्ट

अमृत विचार : इज्जतनगर में उधार मांगने पर युवक पर दबंग ने पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। गंभीर रूप से घायल युवक को परिजनों ने निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। पिता की तहरीर पर इज्जतनगर थाना पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

डिफेंस कॉलोनी आलोकनगर निवासी तिलक सिंह ने बताया कि उनके बेटे दीपक ने मोटर साइकिल मिस्त्री सोहिल निवासी कर्मपुर चौधरी थाना इज्जतनगर को दो हजार रुपये उधार दिए थे। 4 मई को उनका बेटा दीपक रजा कोठी के पास सोहिल से रुपये मांगने गया था। रुपये मांगने पर सोहिल गालीगलौज करने लगा। इस पर उनके बेटे ने सोहिल का मोबाइल उठा लिया तो सोहिल ने दीपक पर पेट्रोल छिड़क दिया और आग लगा दी, जिससे दीपक गंभीर रूप से जल गया। सोहिल गंभीर हालत में दीपक को उनके दरवाजे पर छोड़कर भाग गया। उन्होंने बेटे को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां होश आने पर उसने पूरी घटना बताई।

दो दिन 30 से ज्यादा ट्रेनों का संचालन होगा प्रभावित

बरेली, अमृत विचार : किसान आंदोलन की वजह से मंगलवार को भी 20 से ज्यादा ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहा। गंगा सतलुज एक्सप्रेस 10 घंटे से अधिक की देरी से बरेली जंक्शन पर पहुंची। रेलवे ने बुधवार और बृहस्पतिवार को 30 से अधिक ट्रेनों के पंजाब में डायवर्ट होने की वजह से प्रभावित होने की जानकारी दी है। पंजाब-हरियाणा बार्डर के शंभू स्टेशन पर करीब 20 दिन से किसान आंदोलन की वजह से ट्रेनों को डायवर्ट किया गया है। मंगलवार को 13152 सियालदह एक्सप्रेस 9 घंटे 18 मिनट, 14618 जनसेवा 4 घंटे 39 मिनट, 13006 पंजाब मेल 3 घंटे 16 मिनट, 13308 गंगा सतलुज 10 घंटे की देरी से बरेली जंक्शन पहुंची।

52 पहुंची मलेरिया मरीजों की संख्या

बरेली, अमृत विचार : जिले में मलेरिया मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। जनवरी से अब तक 52 मरीजों में मलेरिया की पुष्टि हुई है। डॉक्टरों के अनुसार मलेरिया मरीजों की संख्या बढ़ने का मुख्य कारण मौसम में बार-बार हो रहा बदलाव है। जनवरी से अप्रैल तक जिले में मलेरिया मरीजों की संख्या 37 थी। जिला मलेरिया अधिकारी सत्येंद्र कुमार सिंह ने बताया कि 1 अप्रैल से 32 सौ टीमें घर-घर दस्तक देकर लोगों को मलेरिया से बचाव के प्रति जागरूक कर रहीं हैं। हालांकि शहर की तुलना में देहात में मलेरिया के मरीजों की संख्या अधिक है।

प्लॉट पर कब्जा छोड़ने के बदले में मांगी 10 लाख की रंगदारी

बरेली, अमृत विचार : बारादरी में एक महिला के प्लॉट पर दबंगों ने फर्जी कागजात तैयार कर कब्जा कर लिया और प्लॉट छोड़ने के लिए 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगी। एडीजी के आदेश पर बारादरी थाना पुलिस ने चार नामजद समेत पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। सूफीटोला निवासी नूरजहां ने बताया कि उनका ओर देवरानी का प्लॉट जगतपुर लाला में है। प्लॉट पर जगतपुर पनवड़िया का उमाचरण, आबिद, चांद अली और प्रताप कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। देवरानी ने इन लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप है कि यह लोग प्लाट छोड़ने के बदले में दस लाख रुपये की मांग कर रहे हैं। पिछले महीने सभी लोग हथियार लेकर आये और प्लाट की दीवार तोड़ दी। जब उन्होंने विरोध किया तो उन्हें हथियार दिखाकर धमकाया।

क्रू मेंबर्स का सामान चोरी करने वाले पर रिपोर्ट

बरेली, अमृत विचार : जंक्शन रोड स्थित होटल के कर्मचारी के खिलाफ फिल्म बदतमीज गिल के क्रू मेंबर सुफरत खां की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। सुफरत खां के मुताबिक वह और उनकी टीम जंक्शन रोड पर स्थित होटल डी ग्रांड में रुकी थी। 6 मई को रात 10 बजे होटल कर्मी ताजीम उनके कमरे में घुस गया और बैग व पैसे लेकर जाने लगा। इसी बीच वहां पहुंची दो महिला क्रू मेंबर्स की नजर ताजीम पर पड़ गई। रोकने का प्रयास किया तो वह गालीगलौज करने लगा। इसको लेकर विवाद होने लगा। शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी ताजीम के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी
अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

बरेली संस्करण

स्मृतियाँ शेष

निधन | अंतिम यात्रा | पुण्यतिथि
पीपलपानी | स्मृतियां | उठावनी | पगड़ी

साइज व रेट
साइज --------5cmX8cm / 1000 with GST
साइज -------10cmX8cm / 1800 with GST
साइज -------15cmX8cm / 2500 with GST
अन्य साइज कलर 25 रुपए प्रति वर्ग सेमी.।

शोक संदेश प्रकाशित कराने हेतु सम्पर्क करें :-
☎ 0581-4000222

हेड ऑफिस :- 932, कटरा चांद खां भारत पेट्रोल पम्प के सामने, पीलीभीत बाईपास रोड बरेली 243006

जिला अस्पताल में हीट वेव से बचाव का संदेश होगा प्रसारित

बरेली, अमृत विचार : जिला अस्पताल में लोगों को हीट वेव से बचाव के लिए साउंड सिस्टम से संदेश प्रसारित किया जाएगा। जल्द ही साउंड सिस्टम लगाया जाएगा। इससे पहले शासन के आदेश पर अस्पताल में कोल्ड रूम बना दिया गया है। मौसम विभाग ने इस साल भीषण गर्मी के साथ हीट वेव के खतरे की आशंका जताई है। जिला अस्पताल की एडीएसआईसी डॉ. अलका शर्मा ने बताया कि शासन के आदेश पर जिला अस्पताल की ओपीडी और इमरजेंसी में हीट वेव बचाव संबंधी संदेश प्रसारित होंगे।

मारिया गौरेटी की तालिया ने पाए 93.50 फीसदी अंक

बरेली, अमृत विचार : मारिया गौरेटी इंटर कॉलेज की छात्रा तालिया इकबाल ने आईएससी की परीक्षा में 93 .50 फीसदी अंक पाकर स्कूल का नाम रोशन किया है। डॉ. इकबाल हुसैन की पुत्री स्कूल में छठे नंबर पर रही।

10 वीं के होनहार

शिवांश शर्मा 95% हार्टमन कॉलेज

आदित्य अग्रवाल 85% हार्टमन कॉलेज

खबरें www.amritvichar.com पर भी पढ़ें

एक नजर

युवक का मिला शव, नहीं हो सकी शिनाख्त

कैंट, अमृत विचार : पुलिस चौकी नकटिया क्षेत्र के मोहनपुर और उमरिया के बीच में मंगलवार दोपहर दो बजे नाले के पास एक खाली पड़े प्लॉट में एक युवक का शव पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। देर रात तक शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। चौकी इंचार्ज नरेंद्र सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या युवक की मौत नशे के अभाव से होना प्रतीत होती है। मौत की असल वजह तो पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगी। पुलिस उसके पास से मिले मोबाइल के आधार से युवक की शिनाख्त करने के प्रयास कर रही है।

सड़क किनारे घायलावस्था में मिला बाइक सवार

आंवला, अमृत विचार : रामनगर-मऊचंदपुर मार्ग के मध्य एक बाइक सवार घायलावस्था में पड़ा मिला। मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा है। सुखपाल निवासी ग्राम चंदूपुरा शिवनगर घायल अवस्था में सड़क किनारे मिला है। जिसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने हालत गम्भीर देख उसे जिला अस्पताल रेफर किया है।

दो पक्षों में चले लाठी-डंडे पांच लोग घायल

भमोरा, अमृत विचार : दो पक्षों में मंगलवार सुबह मामूली बात को लेकर कहासुनी हो गई, बात मारपीट तक पहुंच गई। लाठी- डंडे चलने से पांच लोग घायल हो गए। भमोरा के ग्राम हिम्मतपुर त्रिकुनिया निवासी उमेश के फोन पर विकास की मिसकॉल आई हुई थी, दोबारा फोन करने को लेकर कहासुनी हो गई। जिसके बाद दोनों पक्ष आमने -सामने आ गए जमकर लाठी -डंडें चले। एक पक्ष के विपिन,आकाश,नाथूलाल, वहीं दूसरे पक्ष के उमेश व अवनीश घायल हो गए।

सांड़ों की लड़ाई में तीन बाइक क्षतिग्रस्त

भदपुरा, अमृत विचार : भदपुरा के नकटी नारायणपुर में मंगलवार को बाजार में सांड़ों की लड़ाई की वजह से 15 मिनट तक आवाजाही बंद रही। सांड़ों के टक्कर लगने से तीन बाइकें टूट गई। नकटी नारायणपुर में सांड़ों का जमावड़ा लगा रहता है।

आंवला में मतदान केंद्रों पर सुबह से ही मतदाताओं ने कतार में लगकर अपने मताधिकार का किया प्रयोग। बिथरी चैनपुर में बनाए गए पोलिंग बूथ पर तेज धूप होने के बाद मतदाताओं ने पेड़ों की छांव का सहारा लेकर मतदान किया। ● अमृत विचार

ग्रामीण क्षेत्र में मतदाताओं ने जमकर की वोटिंग

भीषण गर्मी के बावजूद सुबह से ही मतदाता अपने कर्तव्य का पालन करने घर से निकले और मतदान किया

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: लोकतंत्र के महापर्व में मतदाताओं ने मंगलवार को अपनी मनपसंद सरकार चुनने के लिए मतदान किया। गर्मी से बचने के लिए सुबह से ही लोग घर से निकले, हालांकि जिले में कई जगह विभिन्न समस्याओं को लेकर मतदान बहिष्कार किया गया। नवाबगंज के पेहना पुरैना समेत छह गांवों को छोड़कर अधिकांश मतदाता वोट देने को राजी हो गए।

आंवला में शांति पूर्वक हुआ मतदान: आंवला क्षेत्र में शांतिपूर्ण मतदान हुआ। करीब 58 प्रतिशत लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कस्बे के दिनेश तिवारी इंटर कॉलेज में आदर्श मतदान केंद्र बनाया गया। वहीं राजकीय कन्या इंटर कालेज में पिंक मतदान केंद्र बनाया गया। यहां वोटर सेल्फी प्वाइंट भी बनाया गया था। मतदाताओं ने बताया कि निर्वाचन आयोग ने सेल्फी प्वाइंट इसलिए बनवाया था। ताकि मतदाता अपनी सेल्फी ले सकें। परंतु अधिकारियों ने पोलिंग बूथ के गेट पर मोबाइल लाने पर प्रतिबंध लगा दिया। इसलिए कोई भी सेल्फी प्वाइंट पर सेल्फी नहीं ले सका।

गुरुगांव मुश्किल में मतदान के लिए पहुंचे ग्रामीण अपने पहचान पत्र दिखाते हुए।

गुड़गांव मुश्किल में वोट डिलीट होने से लोगों में आक्रोश

गुलड़िया, अमृत विचार : गुड़गांव मुश्किल गांव में 40 से 50 मतदाताओं के वोट डिलीट होने से ग्रामीण मतदान नहीं कर पाए। बीएलओ भी उन्हें संतुष्ट नहीं कर सकें। नाराज ग्रामीणों ने हंगामा करते हुए उच्च अधिकारियों को फोन पर अवगत कराया पर उच्च अधिकारियों ने साफ कह दिया कि जिनके वोटर लिस्ट में नाम हैं उन्हीं के वोट पड़ेंगे। इस मौके पर अमन गंगवार, शंकर सिंह, कल्याण गंगवार समेत अन्य ने बताया कि हमारे वोट वोटर लिस्ट से डिलीट कर दिए गए हैं जबकि इससे पहले सभी चुनाव में उन्होंने वोट डाले हैं। बीएलओ अमित कुमार, विनय मनोज कुमार, प्रियंका मिश्रा, यशवीर से जब पूछा गया तो उन्होंने कोई भी जवाब देने से मना कर दिया कि हमें नहीं पता कि कैसे डिलीट हो गए जबकि ग्रामीण को आरोप है कि जो भी वोट बनते हैं या डिलीट होते हैं वह बीएलओ ही करते हैं।

मतदान संपन्न होने पर प्रशासन ने ली राहत की सांस

नवाबगंज, अमृत विचार : नवाबगंज तहसील क्षेत्र में मतदान शांतिपूर्ण संपन्न होने पर तहसील प्रशासन ने राहत की सांस ली। एसडीएम नवाबगंज गोविंद सिंह मौर्य के साथ सीओ हर्ष मोदी जहां तहसील क्षेत्र के भदपुरा के गांव पेहना, पेहनिया, विक्रमपुर जरपा मोहनपुर व प्रहलादपुर के मतदान को मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए प्रशासनिक मशीनरी के साथ ही जनप्रतिनिधियों के सहयोग से समझाने का प्रयास करने के साथ ही क्षेत्र में चुनावी गतिविधियों पर कड़ी निगरानी की। मतदान के दिन सुबह से ही बूथों पर बिजली कटौती नहीं किए जाने के आदेश थे, इसके बावजूद मतदान शुरू होने के बाद से बिजली की आंख मिचौली जारी रही। नवाबगंज के बरौर में बूथ संख्या 24 पर मतदान शुरू होने के बाद एक मत ही पड़ा था कि ईवीएम में खराबी हो आ गई। 50 मिनट के बाद दूसरी ईवीएम आने पर मतदान शुरू हो पाया।

जिन्दा को मृत तो मृत को दर्शाया जीवित

नवाबगंज के रामौतार गुप्ता जब मतदान करने बूथ पर पहुंचे तो उन्हें मृत दर्शा कर मत निरस्त दिया गया था, जबकि उनकी दिवंगत पत्नी का मत सूची में बरकरार था। अपना वोटर कार्ड लेकर रामौतार एसडीएम के पास पहुंचे और उनसे टेंडर वोट डलवाने की मांग की जिस पर एसडीएम ने उसे पीठासीन अधिकारी के पास भेज दिया और पीठासीन अधिकारी ने भी उन्हें बैरंग लौटा दिया।

मीरगंज खमरिया सानी में 11 बजे शुरू हुआ मतदान

मीरगंज, अमृत विचार : मीरगंज में दो दशक पहले बने खर्रा नदी के पुल के समीप रोड निर्माण नहीं होने से आक्रोशित ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार कर दिया। जानकारी होने पर पहुंचे अधिकारियों और नेताओं के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने तकरीबन 11 बजे मतदान केंद्र पर पहुंच कर मतदान शुरू कर दिया। शाम तक 963 में से 690 वोट पड़े। वहीं तहसीलदार देश दीपक सिंह समेत के सभी अधिकारी पूरे दिन बूथों का निरीक्षण करते दिखाई दिए, शांति पूर्ण मतदान होने से अधिकारियों ने राहत की सास ली।

नौगंवा घाटमपुर में एक बजे शुरू हुआ मतदान

भोजीपुरा, अमृत विचार : भोजीपुरा के गांव नौगंवा घाटमपुर के ग्रामीणों ने विकास कार्यों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए मतदान का बहिष्कार किया। दोपहर एक बजे प्रभारी निरीक्षक फतेहगंज पश्चिमी पहुंचे और प्रधान पति के साथ ग्रामीणों को समझाया। तब ग्रामीणों ने दोपहर एक बजे से मतदान शुरू किया।

क्योलड़िया में 55.25 फीसदी लोगों ने डाले वोट

क्योलड़िया, अमृत विचार : लोकतंत्र के महापर्व में उत्साह के साथ बुजुर्गों युवा नौजवानों और महिलाओं ने अपने-अपने मत का प्रयोग किया। क्योलड़िया में 55 .25 फीसदी मतदान हुआ। क्षेत्र के गांव पेहना पेहनिया जरपा मोहनपुर में लोगों ने पुल और रोड नहीं होने पर मतदान का बहिष्कार किया।

युवाओं में दिखा मतदान के प्रति जोश

दिवाश्री सक्सेना। हेमाली गुप्ता। शिखा पटेल।

मैंने अपना कर्तव्य पूरा किया

बुजुर्गों ने भी सहारा लेकर अपने मताधिकार का किया प्रयोग।

बाबा हठयोगी, डॉ. श्याम बिहारी लाल और बुद्धसेन मौर्य ने किया मतदान।

जनप्रतिनिधियों ने जनतंत्र को किया मजबूत

कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने परिवार के साथ अपने गांव में किया मतदान।

परिवार के साथ मतदान कर लौटते विधायक डॉ. एमपी आर्य

मीरगंज विधायक डॉक्टर डीसी वर्मा ने परिवार के साथ मतदान किया।

परिवार के साथ वोट देने केंद्र पर पहुंचीं पालिकाध्यक्ष प्रेमलता राठौर।

योगेश पटेल मतदान के बाद अंगुली में लगी स्याही दिखाते हुए।

बिशारतगंज में चेयरमैन लाल मियाकुरैशी ने अपने भाइयों के साथ किया मतदान।

झलकियां

इफको में मात्र 32.98 प्रतिशत वोट पड़े

आंवला, अमृत विचार : निर्वाचन आयोग ने मतदाओं को जागरूक करने के लिए विभिन्न प्रयास किए, ताकि मतदान प्रतिशत बढ़ सके। परंतु निर्वाचन आयोग के जागरूकता कार्यक्रम का इफको आंवला इकाई में रहने वाले शिक्षित वर्ग पर कोई असर नहीं पड़ा। 2886 इफको कर्मियों में से 952 ने ही वोट डाला। इफको टाउनशिप के केंद्रीय विद्यालय में तीन बूथ बनाए गए। बीएलओ राजेन्द्र मौर्य ने बताया कि तीनों बूथ स्थलों पर 32 .98 प्रतिशत मतदान हुआ है।

मतदान के दिन ठेकेदार ने सही कराई सड़क

भोजीपुर, अमृत विचार : प्रशासन की लाख चेतावनी के बाद भी पोलिंग बूथ तक जाने वाले रास्ते को सही नहीं किया गया। मंगलवार सुबह मतदान शुरू होने के बाद ठेकेदार ने सड़क किनारे पड़ी मिट्टी को जेसीबी से समतल कराई। भाजपा किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष सुरजीत सिंह यादव ने आक्रोश जताया। सकरे रोड के कारण पोलिंग बूथ तक मतदाताओं को वाहनों से पहुंचने में परेशानी हो रही हैं।

पहचान पत्र से आधार कार्ड एडिट करते एक को पकड़ा

शीशगढ़, अमृत विचार : बहेड़ी सीओ अरूण कुमार ने बरेली अड्डे की एक ऑनलाइन की दुकान पर पहचान पत्र से आधार कार्ड एडिट कर फोटो कॉपी निकालते हुए एक व्यक्ति को पकड़ लिया। दुकान से कुछ पहचान पत्र और आधार कार्ड भी बरामद हुए। लैपटॉप व आधार कार्ड कब्जे में लेकर युवक को हिरासत में ले लिया है।

कैबिनेट मंत्री के गांव में 63.74 फीसदी हुआ मतदान

गुलड़िया, अमृत विचार : कैबिनेट मंत्री के गांव गुलड़िया उपराला में कुल 63 .74 प्रतिशत मतदान हुआ। कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने सुबह 9 बजे अपने पैतृक गांव गुलड़िया पहुंचकर परिवार सहित मतदान किया और ग्रामीणों को प्रोत्साहित किया कि ज्यादा से ज्यादा वोटिंग करें जिससे हर वाटर अपने पसंद की सरकार चुन सके।

परेश रावल पर लोगों ने लगाया अभद्रता का आरोप

बरेली, अमृत विचार : सनसिटी विस्तार में मंगलवार रात फिल्म बदतमीज गिल की शूटिंग के दौरान लोगों ने अभिनेता परेश रावल पर अभद्रता करने का आरोप लगाया है।सनसिटी विस्तार में अभिनेता परेश रावल, अपारशक्ति खुराना और अभिनेत्री वाणी कपूर शूटिंग कर रहे थे। कॉलोनी में रहने वाले लोग शूटिंग देखने पहुंचे। कॉलोनी निवासी कांग्रेस के जिला प्रवक्ता पं. राज शर्मा ने बताया कि शूटिंग के बाद वह परेश रावल से मुलाकात करने के लिए पहुंचे लेकिन परेश रावल ने न सिर्फ मिलने से मना कर दिया बल्कि बदसलूकी करते हुए निकल गए। उनकी इस हरकत के बाद क्रू के अन्य सदस्यों से भी विवाद हुआ। राज शर्मा ने बताया कि यह बरेली वालों का अपमान है।

पक्की नहर के लिए ग्रामीणों ने किया चुनाव का बहिष्कार

आंवला, अमृत विचार : नहर का पक्का निर्माण न कराने से नाराज ग्रामीणों ने चुनाव का बहिष्कार कर दिया। तहसीलदार अर्चि गुप्ता ने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, परंतु वह जिद पर अड़े रहे। सूचना पर पहुंचे कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने नहर का पक्का निर्माण कराने का आश्वासन दिया। उसके बाद ग्रामीणों ने करीब साढ़े 4 घंटे के बाद मतदान शुरू किया। बता दें कि 17 ग्रामीणों ने सुबह वोट डाल दिए। इसके बाद मतदान केंद्र के बाहर ग्रामीणों के एकत्र होने पर मतदान का बहिष्कार कर दिया गया। इस दौरान शिखर सिंह, कल्यान वर्मा, रामप्रसाद, रिंकू सिंह, वीरेन्द्र सिंह, रामसरन, शीलेन्द्र सिंह, यशपाल, शीनू वर्मा, टिंकू वर्मा, चरन सिंह, रामसिंह, नन्हेलाल सिंह, सुमित, मानसिंह आदि मौजूद रहे।

देवरनियां में घरों से कम निकले मुस्लिम मतदाता

देवरनियां, अमृत विचार : पंचायत देवरनियां मे मुस्लिम मतदाताओं का रुझान कम रहा। जिससे सुबह से ही ज्यादातर मतदान केंद्र सुने रहे। कम्पोजिट प्राइमरी स्कूल देवरनियां मे बने चार बूथों पर मतदाताओं की कतार नहीं लगी। मुस्लिम मतदाता दोपहर तक घरों से नहीं निकले,जबकि इसके उल्ट हिन्दू मतदाताओं में उत्साह देखा गया। इंस्पेक्टर देवेंद्र सिंह धामा मतदान केंद्रों का भ्रमण कर जायजा लेते रहे। मुंडिया जागीर के राजकीय इंटर कॉलेज में बने मतदान केंद्र को नगर पंचायत चेयरमैन मोहम्मद कलीम अंसारी ने आदर्श मतदान केंद्र बनाया था। यहां वोट डालने के बाद चेयरमैन मोहम्मद कलीम अंसारी समेत तमाम लोगों ने सेल्फी ली।

फतेहगंज पूर्वी में ईवीएम में खराबी से बाधित हुई वोटिंग

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : कस्बे में भीषण गर्मी की वजह से मतदाताओं ने चुनाव में दिलचस्पी कम ली, इसलिए कस्बे के सभी बारह बूथों पर मतदान का प्रतिशत काफी कम रहा। कुल 13716 मतदाता हैं जिनमें से कुल 5136 मतदाताओं ने ही अपने मत का प्रयोग किया। यहां पर 37 .44% मतदान हुआ। इसके अलावा देहात इलाकों में मतदान का प्रतिशत अच्छा रहा। ग्राम हरेला के दोनों बूथों पर लगभग 57% मतदान हुआ तथा रामगंगा की कटरी किनारे के बूथ नगरिया कला, मानपुर, शिवराजपुर, कादरगंज, पड़ेरा आदि बूथों पर भी मतदान लगभग 50% के आसपास रहा। ग्राम पंचायत कजरौटा के बूथ पर ग्रामीणों के मुताबिक ईवीएम में कोई तकनीकी खराबी आ गई जिससे मतदान करीब आधा घंटे के बाद शुरू हो पाया।

बीएलओ के खिलाफ वृद्धा ने किया हंगामा

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : गांव टिटौली के प्राथमिक विद्यालय में बने बूथ पर दिनभर हंगामा हुआ। बूथ पर तैनात पुलिस कर्मी मो शाकिब पर मुस्लिम मतदाता को सपोर्ट और अन्य समुदाय के लोगों को बेवजह परेशान करने का आरोप लगता रहा। उस पर एक पार्टी के पक्ष में मतदान कराने के आरोप लगे। इसी बूथ पर वृद्ध मतदाता ओमवती का बीएलओ और शिक्षामित्र ने उसकी इच्छा के बगैर दूसरे प्रत्याशी को वोट डलवा दिया। ओमवती ने बूथ पर जमकर हंगामा किया। ओमवती दोपहर दो से शाम छह बजे तक हंगामा करतीं रही, इसके बाद शाम को पुलिस बीएलओ को थाना ले गई, तब वह शांत होकर घर गई। बीएलओ ने आरोप को निराधार बताया।

शीशगढ़ में 57.76 प्रतिशत हुआ मतदान

शीशगढ़, अमृत विचार : शीशगढ़ में कुल 17379 वोट में से कुल 10039 वोट यानि 57 .80% मतदान हुआ। मतदान के दौरान वोटरों में काफी उत्साह देखने को मिला। दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक पोलिंग धीमी रही। चुनाव को शांतिपूर्ण कराने के लिए इंस्पेक्टर शीशगढ़ रविन्द्र कुमार पुलिस बल के साथ पूरे समय तक गस्त करते रहे। वहीं बहेड़ी अरुण कुमार भी शीशगढ़ में पूरी समय तक डेरा जमाए रहे।

मतदान के दौरान मशीनें हुईं खराब, तत्काल बदलीं

आंवला, अमृत विचार : विधानसभा क्षेत्र में लोकसभा चुनाव प्रात: 7 बजे आरम्भ हुआ। जिसमें बूथ संख्या 47, 132 पर 2 बैलेट यूनिट (वीयू), बूथ संख्या 99,107, 148, 252, 280, 332 पर कंट्रोल यूनिट (सीयू), बूथ संख्या 23, 202 में वीवीपैट खराब हो गई। जिससे कुछ समय के लिए मतदान रोकना पड़ा।

सेंथल में 50 प्रतिशत हुआ मतदान

सेंथल/ कैंट अमृत विचार : लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में बरेली लोकसभा सीट पर सेंथल कस्बे में मतदान 50 .64 प्रतिशत रहा। वहीं ग्राम लाड़पुर उस्मानपुर में एक बूथ पर शाम तक मतदाता कतार में लगे रहे। सेंथल के पुलिस चौकी के बूथ संख्या 106 पर वीवीपैट खराब होने से 15 मिनट तक मतदान बाधित रहा। वहीं कैंट और क्यारा के सभी गांवों के सभी बूथों पर मंतदान शान्तिपूर्ण संपन्न हो गया। इस बीच कुछ बूथों पर हल्की गहमागहमी का माहौल देखा गया। चटक धूप की वजह से अधिकतर मतदाता घरों से बाहर नहीं निकले। नवीनगर में मतदाताओं ने धूप की परवाह किए बिना मतदान करने के लिए कतार में लग कर अपनी बारी का इंतजार किया।

भोजीपुरा में 65 फीसदी लोगों ने डाला वोट

भोजीपुरा, अमृत विचार : भोजीपुरा विधानसभा क्षेत्र में 65 फीसदी से ऊपर मतदान हुआ। जिस पर क्षेत्रीय विधायक शहजिल इस्लाम अंसारी ने मतदाताओं को बढ़-चढ़कर मतदान में हिस्सा लेने के लिए दिली मुबारकबाद दी। उन्होंने कहा कि मतदाताओं ने अपना कीमती वोट संविधान की रक्षा के लिए दिया है मैं उनको तहे दिल से मुबारकबाद पेश करता हूं। इसके साथ ही मतदान के लिए लगाए गए अधिकारियों का भी आभार व्यक्त किया।

VARUN ARJUN UNIVERSITY
VARUN ARJUN COLLEGE OF PHARMACY
PCI Approved
D.Pharm/B.Pharm
100% Scholarship
D. Pharm
(In take 60 Seats)
100% Scholarship
B. Pharm
(In take 60 Seats)
We focus on interdisciplinary research though collaboration with industry, medical college & develop students for future endeavors in healthcare. We educate student to serve society by take care of challenges Pharmaceutical industry. We prepare our students for various competitions like exit Exam. Experienced and dedicated faculties are the hallmarks of our institute, who are continuously helping student in publishing research & obtaining patent.
VARUN ARJUN MEDICAL COLLEGE & ROHILKHAND HOSPITAL
YAMCRH
SHAHJAHANPUR
Excellence towards profession
Direct
Admission Open
Session 2024-25
100% Placement
Admission Helpline:7521001993
SUN LUPIN Pfizer pil Psychotropics India Limited MACLEODS Canixa Life Sciences
Website:-www.varunarjunmedicalcollege.com, Email ID: varunarjun trust@gmail.com

हादसे में मां- बेटी की मौत,हत्या का आरोप

भुता , अमृत विचार : भुता थाना क्षेत्र के ग्राम इटौरिया जलालपुर के पास वाहन से साइड लेने के दौरान सोमवार शाम बाइक नहर में गिर गई थी, हादसे में गर्भवती मां और दिव्यांग बेटी की डूबकर मौत हो गई। बाइक चालक मिसलेआर सुरक्षित है। महिला के मायके वालों ने पति पर बेटी और पत्नी की हत्या का आरोप लगाया हैं।

पीलीभीत के थाना करेली के घगौरा निवासी मिसलेआर खान सोमवार को बाइक से गर्भवती पत्नी कुलसूम (28) और दिव्यांग बेटी नूर फातमा (2) को लेकर बेटी की दवाई दिलाने जा रहे थे। भुता थाना क्षेत्र के ग्राम इटौरिया जलालपुर के पास नहर

● सोमवार शाम नहर में गिरी थी बाइक, घटना स्थल से पांच सौ मीटर दूर मिला महिला का शव

की पटरी पर किसी वाहन से साइड लेने दौरान बाइक नहर में गिर गई, पुत्री नूर फातमा की डूबने से मौत हो गई थी, वहीं पत्नी कुलसुम लापता हो गई थी , पिता मिसलेयार सुरक्षित है। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ टीम को मौके पर बुलाया गया अंधेरा होने के कारण पता नहीं चल पाया था , मंगलवार सुबह लापता कुलसूम का शव घटनास्थल से 500 मीटर की दूरी पर पुलिस ने बरामद कर लिया है। मृतका के पिता का आरोप है कि पिछले 5 वर्ष पूर्व गांव में मिसलेयार खान ने मेरी बेटी से लव मैरिज की थी। शादी के कुछ समय बाद उसके किसी दूसरी महिला से अवैध संबंध हो गए। इसके बाद से वह मेरी बेटी को मारने -पीटने लगा था जिसकी कई बार गांव में पंचायत भी हो चुकी है, उसने साजिश के तहत दवा दिलाने के बहाने मेरी बेटी और उसकी दो वर्षीय दिव्यांग बेटी की हत्या कर नहर में फेंक दिया और घटना को हादसा दिखा रहा है। थाना अध्यक्ष सतीश कुमार का कहना है चुनाव में व्यस्त होने के कारण हमें अभी कोई तहरीर नहीं मिली है शव को नहर से बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

नाम मोहन है मेरा, यादव समाज की खबर रखता हूं...

चुनाव डेस्क

अमृत विचार। इस बार के लोकसभा चुनाव में उत्तर भारत में अगर वोट इधर-उधर करने में किसी एक चेहरे की सबसे ज्यादा चर्चा है, तो वह मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव हैं। वह पांच माह पहले ही मुख्यमंत्री बने हैं, लेकिन लगातार बड़ी लकीर खींचने की कोशिश कर रहे हैं। उनके सामने भाजपा को राज्य में अब तक की सबसे बड़ी जीत दिलाने के साथ उत्तर प्रदेश और बिहार में यादव लैंड वाली सीटों पर कमल खिलाने की जमीन तैयार करने की दोहरी चुनौती है। ऐसे में इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि मोहन यादव के लिए यह लोकसभा चुनाव उनके सियासी जीवन के साथ भाजपा के उन रणनीतिकारों का भी सबसे बड़ा इम्तिहान साबित होने जा रहा है, जिन्होंने मध्यप्रदेश से बाहर उत्तर प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़ और यहां तक कि झारखंड में उनका जमकर इस्तेमाल यादव वोट बैंक को अपने पाले में लाने के लिए किया है।

- मध्य प्रदेश में मोहन यादव के सामने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का रेकॉर्ड है, जिसे तोड़ना आसान नहीं है। प्रदेश में लोकसभा की 29 सीटें हैं और शिवराज सिंह विधानसभा चुनावों के साथ भाजपा को लोकसभा चुनावों में भी बड़ी जीत दिला चुके हैं। उनके नेतृत्व में 2014 के चुनाव में 26 लोकसभा सीटें फिर 2019 में 28 सीटों तक पहुंची भाजपा ने इस बार मध्य प्रदेश में सभी 29 सीटों पर जीत दर्ज करने का लक्ष्य तय कर रखा है। केंद्रीय नेतृत्व से लेकर पूरी राज्य भाजपा इस काम में जुटी है। लेकिन जिस तरह मोहन यादव की अगुवाई में पहले कमलनाथ के गढ़ छिंदवाड़ा फिर दिग्विजय सिंह के चुनाव क्षेत्र रायगढ़ में घेरेबंदी की गई, उससे साफ है कि परिणाम के अंजाम का सेहरा भी मोहन यादव के सिर पर ही बंधना है।
- राज्य के चुनावी इतिहास में सभी सीटें जीतने का रेकार्ड अभी कांग्रेस के नाम पर है, जिसने 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद उपजी सहानुभूति की लहर में मध्यप्रदेश में लोकसभा की सभी सीटें जीत ली थीं। ऐसे में मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री मोहन यादव के भविष्य की मजबूती इसी बात पर टकी है कि क्या वह भी भाजपा को इस बार क्लीन स्वीप जीत दिला पाएंगे या कि 28 सीटें जीतने वाले शिवराज के रेकार्ड की बराबरी कर पाएंगे।
- लोकसभा चुनाव में बड़ी लकीर खींचने में लगे मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के सामने दोहरी चुनौती
- राज्य में शिवराज के रेकार्ड से आगे जाकर भाजपा को क्लीन स्वीप जीत दिलाकर भविष्य कर सकते मजबूत
- उत्तर प्रदेश, बिहार में जिन यादव बाहुल्य सीटों पर प्रचार किया है, वहां पार्टी की सफलता से सिर पर बंधेगा सेहरा

यूपी और बिहार में 'यादव चला मोहन के साथ' का किया जा रहा प्रचार

उत्तर प्रदेश में माना जाता है कि नौ फीसदी यादव वोटर है, जो परंपरागत रूप से समाजवादी पार्टी के समर्थक हैं। यादव मतदाता मैनपुरी, फिरोजाबाद, बदायूं, एटा, फर्रुखाबाद, बलिया, आजमगढ़ समेत करीब दर्जन भर लोकसभा सीटों पर चुनाव नतीजे तय करने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। सीएसडीएस की रिपोर्ट के मुताबिक 2019 के लोकसभा चुनाव में 60 फीसदी से अधिक यादव मतदाताओं ने सपा-बसपा गठबंधन के पक्ष में मतदान किया था। भाजपा को 23 फीसदी और कांग्रेस को पांच फीसदी यादव वोट ही मिले थे। इसी तरह बिहार सरकार की ओर से जारी जातिगत जनगणना के आंकड़ों के मुताबिक राज्य की आबादी में यादवों की भागीदारी लगभग 15 फीसदी है। पूर्णिया, अररिया, मधेपुरा समेत बिहार में करीब एक दर्जन सीटें यादव बाहुल्य हैं। बिहार में यादव यादव वोटर लालू यादव की पार्टी आरजेडी के कोर वोटर माने जाते हैं। बात मध्य प्रदेश की करें, तो यादव समुदाय की आबादी राज्य के बुंदेलखंड क्षेत्र में अच्छी संख्या में है। मध्य प्रदेश में यादव वोट भाजपा और कांग्रेस में बंटते रहे हैं। ऐसा नहीं है कि भाजपा के पास यूपी-बिहार में यादव नेताओं की कमी है, लेकिन इसके बाद भी मोहन यादव को दोनों राज्यों में यादव बाहुल्य सीटों पर प्रचार में बुलाने के पीछे भाजपा की बड़ी रणनीति है। भाजपा मोहन यादव के जरिए यादव मतदाताओं को यह संदेश दे रही है कि मुलायम-लालू की परिवारवादी पार्टियों के विपरीत भाजपा में कोई भी यादव कितने भी बड़े पद पर जा सकता है। भाजपा में कार्यकर्ता मायने रखता है। यह मायने नहीं रखता कि कौन किसके कितना करीब है। यूपी और बिहार में इसी के चलते यादव चला मोहन के साथ वाले पोस्टर बैनर बड़ी संख्या में लगाकर पहले माहौल भी बनाया गया था।

स्टार प्रचारकों की सूची में पीएम मोदी, नड्डा, शाह, राजनाथ और योगी के बाद है नाम

- मोहन यादव के सामने राज्य से बाहर दूसरी चुनौती भी कम नहीं है। भाजपा उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और बिहार में राष्ट्रीय जनता दल के कोर वोट बैंक में सेंध लगाने के लिए उनका चुनाव शुरू होने से पहले अब तक पूरा इस्तेमाल कर रही है। इस काम में मोहन यादव कितने महत्वपूर्ण है, इसे इस बात से समझा जा सकता है कि उत्तर प्रदेश के स्टार प्रचारकों की सूची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बाद मोहन यादव का ही नाम है। बिहार के लिए जारी 40 स्टार प्रचारकों की लिस्ट में भी भाजपा ने उनका नाम ऊपर ही रखा है।

मुंबई में **महामुकाबला**

तीन सीटों पर दोनों सेना में सीधी टक्कर, दो सीटों पर भाजपा कांग्रेस में संघर्ष, एक सीट पर टकरा रही उद्धव सेना और भाजपा

02

गठबंधन : महायुति में बीजेपी, एनसीपी (अजित पवार) और शिवसेना (एकनाथ शिंदे) गुट और महा विकास अघाड़ी में शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी (शरद पवार) और कांग्रेस शामिल हैं।

युति जीतेगी भरोसा या अघाड़ी की दौड़ेगी गाड़ी

मनोज त्रिपाठी

अमृत विचार। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में छह लोकसभा सीटें मुंबई दक्षिण, मुंबई दक्षिण-मध्य, मुंबई उत्तर, मुंबई उत्तर-मध्य, मुंबई उत्तर-पूर्व, मुंबई उत्तर-पश्चिम हैं। इन सभी सीटों पर 20 मई को पांचवें चरण में वोट डाले जाएंगे। पांचवें चरण में महाराष्ट्र में कुल 13 सीटों पर मतदान होगा। मुंबई में इस बार चुनावी तस्वीर बिल्कुल बदली हुई है।

शिवसेना में टूट के बाद एक तरफ एकनाथ शिंदे की शिवसेना तो दूसरी तरफ उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) है। दोनों गुटों के बीच मुंबई में लोकसभा की तीन सीटों पर सीधी टक्कर है। दो सीटों पर भाजपा और कांग्रेस में कड़ा मुकाबला है, जबकि एक सीट पर शिवसेना (यूबीटी) और भाजपा में सीधी भिड़ंत हो रही है। मुंबई में 2019 के चुनाव में छह सीटों में भाजपा और शिवसेना (अविभाजित) ने तीन-तीन सीटें जीती थीं।

वर्षा के लिए नया क्षेत्र, निकम का पहला चुनाव, दोनों दलों में स्थानीय नेता नाराज

उत्तर-मध्य लोकसभा सीट

उत्तर-मध्य लोकसभा सीट मुंबई की हाई प्रोफाइल सीट है। यहां फिल्मी सितारे, उद्योगपति, नेताओं के साथ ही झुग्गियों में भी लोग रहते हैं। कांग्रेस ने इस सीट से अपनी प्रदेश अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ को उतारा है। वर्षा का मुख्य जनाधार धारावी में है, जहां से वह विधायक हैं, इसलिए वह दक्षिण-मध्य सीट से चुनाव लड़ना चाहती थीं। वर्षा को टिकट मिलने से कांग्रेस के स्थानीय नेताओं में नाराजगी है। कुछ ऐसा ही हाल भाजपा के उम्मीदवार प्रसिद्ध वकील उज्जवल निकम का भी है। उनके खिलाफ भी पार्टी में अंदरूनी सुगबुगाहट है। स्थानीय भाजपा नेता निकम को पैराशूट प्रत्याशी कह रहे हैं। भाजपा नेताओं के अनुसार निकम को दिल्ली की कृपा से टिकट मिला है। वह पार्टी से भी नहीं जुड़े थे। कार्यकर्ताओं का कहना है कि निकम बड़े वकील हैं, ऐसे में वह जीतने के बाद उनके लिए समय नहीं निकल पाएंगे। भाजपा-कांग्रेस दोनों के प्रत्याशी अंतर्कलह से जूझ रहे हैं। निकम के लिए भाजपा नेता नाराजगी दूर करने में सफल होते नजर आ रहे हैं, वहीं वर्षा को कांग्रेस के बजाय उद्धव ठाकरे की शिवसेना पर ज्यादा निर्भर होना पड़ रहा है। उत्तर मध्य लोकसभा सीट बीते 10 साल से भाजपा के पास है। भाजपा ने यहां की सांसद पूनम महाजन को मौका नहीं दिया है।

लोकसभा क्षेत्र की छह विधानसभा सीटों में भाजपा के पास दो, शिंदे की शिवसेना के पास दो, उद्धव की शिवसेना और कांग्रेस के पास एक-एक सीट है। 2019 में भाजपा की पूनम महाजन 4.86 लाख वोट और कांग्रेस की प्रिया दत्त को 3.56 लाख वोट मिले थे। वंचित बहुजन आघाडी के उम्मीदवार अब्दुल रहमान ने 33,703 वोट पाए थे।

उत्तर लोकसभा सीट: केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का पहला चुनाव, मराठी और गुजराती मतदाता होंगे निर्णायक

केंद्र सरकार के दिग्गज मंत्री पीयूष गोयल पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ने मुंबई उत्तर लोकसभा सीट से उतरे हैं। यहां उनका मुकाबला कांग्रेस प्रत्याशी भूषण पाटिल से है। पाटिल 2009 में लोकसभा का चुनाव लड़ चुके हैं। कांग्रेस की राज्य इकाई के उपाध्यक्ष हैं। भाजपा प्रत्याशी पीयूष गोयल अपनी साफ-सुथरी छवि को आगे रखकर केंद्र सरकार की उपलब्धियों की याद दिलाते हुए मतदाताओं से संपर्क कर रहे हैं। वह महाराष्ट्र से राज्यसभा के सांसद रहे हैं। भाजपा ने मुंबई उत्तर सीट से लगातार दो बार सांसद रहे गोपाल शेट्टी का टिकट काटकर पीयूष पर दांव लगाया है। मराठी और गुजराती मतदाताओं पर भाजपा और कांग्रेस दोनों ने फोकस कर रखा है। 17 .75 लाख वोटर वाली मुंबई उत्तर लोकसभा सीट पर 47 फीसदी मराठी, 13 फीसदी गुजराती और 13 फीसदी मुस्लिम वोटर हैं। इस सीट पर भाजपा और कांग्रेस के बीच ही वर्चस्व की लड़ाई होती आयी है। लोकसभा क्षेत्र की छह विधानसभा सीटों में चार बोरीवली, दहिसर, चारकोप और कांदीवली पूर्व पर भाजपा तो माल्दा पश्चिम पर कांग्रेस और मागाठाणे पर शिवसेना का कब्जा है। 2019 के चुनाव में भाजपा के गोपाल शेट्टी ने कांग्रेस की उर्मिला मातोंडकर को 4,65,247 वोटों से हराया था। 2014 के चुनाव में शेट्टी ने कांग्रेस के संजय निरुपम को लगभग साढ़े चार लाख वोटों से परास्त किया था।

पीयूष गोयल।

सोमवार को मतदान, लंबा वीकेंड मिलने से छुट्टी मनाने बाहर न निकल जाएं लोग

- मुंबई में 20 मई को वोटिंग के दिन सोमवार पड़ रहा है। ऐसे में अनुमान लगाया जा रहा है कि लंबा वीकेंड देखते हुए लोग शुक्रवार से ही शहर से बाहर जा सकते हैं। शनिवार-रविवार छुट्टी रहेगी और सोमवार को वोटिंग के लिए अतिरिक्त छुट्टी मिल जाएगी। लेकिन इससे मतदान प्रतिशत पर असर पड़ सकता है। दक्षिण मुंबई सीट पर लोकसभा चुनाव में सबसे कम वोटिंग होती है। इस इलाके में सबसे ज्यादा धनी लोग रहते हैं। 2019 में मुंबई में लोकसभा चुनाव 29 अप्रैल को हुआ था, उस दिन भी सोमवार था। नतीजन इस सीट पर मुंबई में सबसे कम 51.45% मतदान हुआ था। मुंबई उत्तर-मध्य सीट पर 53 .61%, उत्तर-पश्चिम सीट पर 54 .28%, दक्षिण-मध्य सीट पर 55 .24%, उत्तर-पूर्व सीट पर 57 .12% और उत्तर लोकसभा सीट पर 59 .98% वोटिंग हुई थी।

दक्षिण लोकसभा सीट: सावंत के सामने जीत की हैट्रिक लगाकर उद्धव सेना का झंडा लहराने की चुनौती

मुंबई दक्षिण लोकसभा सीट समृद्ध इलाका है। गेट वे आफ इंडिया, हाजी अली दरगाह के अलावा यह व्यावसायिक क्षेत्र है। इस सीट पर शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना से यामिनी जाधव मैदान में उतरी हैं। पहले इस सीट से भाजपा चुनाव लड़ना चाह रही थी, पार्टी ने विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर को उतारने के संकेत भी दिए थे, लेकिन अंततः शिंदे का दावा भारी पड़ा। यामिनी का मुकाबला मौजूदा सांसद शिवसेना यूबीटी के अरविंद सावंत से होगा, जो उद्धव ठाकरे के खास सिपहसलार माने जाते हैं। पूर्व पार्षद यामिनी जाधव भायखाला से विधायक चुनी गई थीं और लोकसभा का चुनाव लड़ रही हैं। वह उन 39 विधायकों में शामिल थीं, जिन्होंने उद्धव ठाकरे के खिलाफ बगावत में शिंदे को समर्थन दिया था। 2019 के चुनाव में इस सीट से शिवसेना के अरविंद गणपत सावंत ने जीत हासिल की थी, उन्हें 4,21,937 वोट मिले थे, जबकि कांग्रेस के मिलिंद मुरली देवड़ा 3,21,870 वोटों के साथ दूसरे और वंचित अघाडी के अनिल चौधरी 30,348 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहे थे। 2014 के चुनाव में भी सावंत ने देवड़ा को पराजित किया था। इस सीट पर मराठी और गुजराती वोटर हार-जीत तय करते हैं।

अरविंद सावंत।

दक्षिण मध्य लोकसभा सीट: शिवाजी पार्क और सेना भवन वाले इलाके में दोनों सेनाओं के बीच कांटे की टक्कर

मुंबई दक्षिण मध्य लोकसभा सीट पर मुकाबला दोनों शिवसेना के बीच है। यहां से दो बार शिवसेना सांसद राहुल शेवाले जो अब शिंदे गुट के साथ हैं, जीत की हैट्रिक लगाने मैदान में उतरे हैं। उनका मुकाबला शिवसेना उद्धव गुट के प्रत्याशी अनिल देसाई से है। देसाई कुछ समय पहले तक राज्य सभा के सदस्य थे। इस लोकसभा क्षेत्र में ही सेना भवन स्थित है। यहीं शिवाजी पार्क भी हैं, जहां शिवसेना दशहरा रैली करती रही है। एशिया की सबसे बड़ी स्लम धारावी भी यहीं हैं। इसी कारण यहां मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की साख की लड़ाई मानी जा रही है। लोग दोनों शिवसेना की असली परीक्षा मान रहे हैं। इस सीट पर जिसका उम्मीदवार जीतेगा, उससे साफ हो जाएगा कि मराठी मतदाता किसके साथ है। इस सीट पर 2014 और 2019 दोनों चुनावों में शिवसेना के राहुल रमेश शेवाले और कांग्रेस के एकनाथ एम गायकवाड़ के बीच मुकाबला हुआ था और दोनों ही बार राहुल शेवाले को जीत मिली। 2014 में उन्होंने गायकवाड़ को एक लाख 38 हजार और 2019 में डेढ़ लाख मतों से पराजित किया था। इस सीट पर दलित और मुस्लिम वोटर बड़ा पैक्टर है। छह में चार विधानसभा सीटें महायुति और दो महाविकास अघाडी के पास हैं।

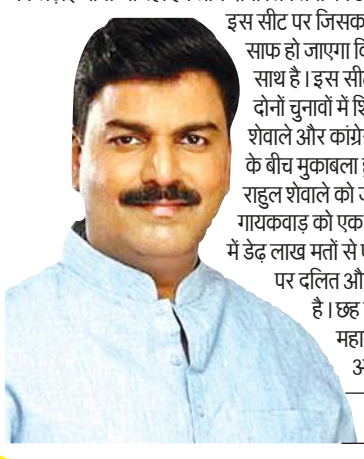

राहुल शेवाले।

उत्तर पश्चिम सीट : उत्तर भारतीय वोटरों का मिलेगा जिसे समर्थन वही जीतेगा रण

मुंबई उत्तर पश्चिम सीट से चुनाव लड़ने के विवाद के कारण ही संजय निरुपम के बोल बिगड़े और कांग्रेस ने उन्हें पार्टी से निकाला, तो निरुपम में शिंदे गुट का दामन थाम लिया। शिवसेना शिंदे गुट ने इस सीट पर जोगेश्वरी (पूर्व) विधानसभा क्षेत्र के विधायक रवींद्र वायकर को चुनावी मैदान में उतारा है। शिवसेना उद्धव ठाकरे की तरफ से अमोल कीर्तिकर पहले ही यहां मैदान में हैं। इस लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत छह विधानसभा सीटें आती हैं। इनमें से तीन पर भाजपा का कब्जा है। मुंबई उपनगर की यह सीट उत्तर भारतीय बहुल मानी जाती है। यही कारण है कि यहां से अभिनेता सुनील दत्त पांच बार एवं उनके निधन के बाद उनकी पुत्री प्रिया दत्त एक बार सांसद रही हैं। मशहूर वकील राम जेठमलानी भी 1977 एवं 1980 में इस सीट से जीत चुके हैं। इस सीट पर भाजपा ने कभी चुनाव नहीं लड़ा है। इस बार भी महायुति के सीट बंटवारे में यह सीट शिवसेना शिंदे गुट के पास गई। नाम वापसी के बाद इस सीट पर 21 उम्मीदवार मैदान में हैं। लोकसभा चुनाव 2019 में इस सीट पर शिवसेना प्रत्याशी गजानन कीर्तिकर को जीत हासिल हुई थी। उन्हें 570063 वोट मिले थे। कांग्रेस प्रत्याशी संजय निरुपम दूसरे स्थान पर रहे थे। उन्हें 309735 वोट मिले थे। जीत का अंतर 260328 था।

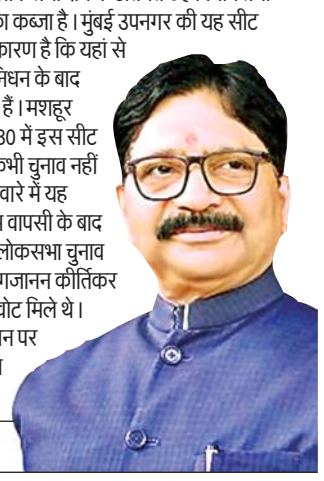

रवींद्र वायकर।

ध्रुवीकरण की राजनीति गर्मायी, चुनाव गुजराती बनाम मराठी बनाने के प्रयास

मुंबई उत्तर पूर्व लोकसभा सीट से भाजपा के मिहिर चंद्रकांत कोटेचा और शिवसेना उद्धव ठाकरे के प्रत्याशी संजय दीना पाटिल के बीच मुकाबला हो रहा है। यहां बसपा से देश विट्ठल उमप भी मैदान में है। इस लोकसभा क्षेत्र में देश का सबसे बड़ा बंदरगाह है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज भी यहीं है, जो एशिया का सबसे पुराना स्टॉक एक्सचेंज है। इस लोकसभा क्षेत्र में मतों का ध्रुवीकरण करने की कवायद शुरू हो गई है। चुनाव प्रचार के दौरान गुजराती बनाम मराठी मुद्दा भी देखने को मिल रहा है। कई रिहायशी सोसायटी में दूसरे प्रत्याशी को प्रचार करने से रोके जाने या बाद में आने के लिए कहकर टालने की शिकायतें आ रही हैं। 2019 के चुनाव में एनसीपी ने यहां से संजय पाटिल को टिकट दिया था। भाजपा से मनोज कोटक मैदान में थे। जीत मनोज किशोरभाई कोटक को मिली थी। उन्हें 5,14,599 वोट मिले थे. जबकि एनसीपी के संजय दीना पाटिल 2,88,113 वोटों के साथ दूसरे स्थान पर थे, वंचित अघाडी के निहारिका खोंडाले 68,239 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहे थे। 2014 में इस सीट से भाजपा के किरीट सौमेया ने 5,25,285 वोट पाकर जीत हासिल की थी। एनसीपी के संजय पाटिल दूसरे और आम आदमी पार्टी से उतरीं नर्मदा बचाओ आंदोलन से जुड़ीं मेधा पाटकर ने तीसरा स्थान पाया था।

मिहिर चंद्रकांत कोटेचा।

400 पार का संगीत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के अंबेडकर नगर में राजग प्रत्याशी के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उनका स्वागत किया।

साक्षी महाराज की हैट्रिक में अन्नू की चुनौती के सामने अशोक का त्रिकोण

सभी सीटों पर भाजपा के विधायक

- लोकसभा क्षेत्र में उन्नाव,बांगरमऊ, सफीपुर, मोहान, भगवंतनगर और पुरवा विधानसभा सीटें हैं। इन सभी सीटों पर भाजपा का कब्जा है। यहां तक कि जिला पंचायत अध्यक्ष पद भी भाजपा के ही पास है। कहा जा रहा है कि भाजपा के एक- दो विधायक भी सांसद से नाराज हैं, लेकिन बात पीएम मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाने की है तो वे लगातार क्षेत्र में भ्रमण करते हुए वोट मांग रहे हैं। हालांकि कई बार अपनों के बीच उनका दर्द छलक भी जाता है। 2017 में भाजपा के पास पांच विधानसभा सीटें थीं। पुरवा विधानसभा सीट तब बसपा के खाते में गई थी हालांकि उसके विधायक अनिल सिंह कुछ दिनों बाद ही भाजपा के संपर्क में आ गए थे। 2022 में वे भाजपा के टिकट पर ही जीते थे।

02

महिलाएं हीं उन्नाव सीट से बनीं सांसद, दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने भी आजमाई थी यहां से किस्मत

सबसे पहले कृष्ण देव त्रिपाठी ने लगाई थी हैट्रिक

- 1952 से 1971 तक इस संसदीय सीट पर कांग्रेस का कब्जा रहा। जब 1977 में जनता पार्टी की लहर आई तो कांग्रेस को यहां हार का सामना करना पड़ा था। कांग्रेस के कृष्ण देव त्रिपाठी ने 1962, 1967 और 1971 में लगातार तीन बार जीत दर्ज की थी। इस सीट पर सबसे पहले उन्होंने ही हैट्रिक लगाई थी। इसके बाद यह रिकार्ड भाजपा के देवी बख्श सिंह ने बनाया। उन्होंने 1991, 1996 और 1998 में इस सीट पर लगातार जीत दर्ज की। 1999 में सपा के दीपक कुमार ने यहां जीत दर्ज कर भाजपा के जीत के सिलसिले को तोड़ा था। हालांकि 2004 में बसपा के ब्रजेश पाठक ने सपा से यह सीट छीनी। 2014 में ब्रजेश पाठक इस सीट से हारे और फिर भाजपा में शामिल हुए।

लोधी मतदाताओं की बहुलता

- लोधी मतदाताओं की बहुलता वाली इस संसदीय सीट पर 2004 में बसपा के टिकट पर जीते ब्रजेश पाठक इस वक्त भाजपा के वरिष्ठ नेता और प्रदेश सरकार में उप मुख्यमंत्री हैं। साक्षी महाराज की जीत की हैट्रिक की जिम्मेदारी वह बखूबी निभाते नजर भी आ रहे हैं। हालांकि पार्टी में कुछ मुद्दों पर साक्षी महाराज के प्रति नाराजगी भी है। जिसे पार्टी के बड़े नेता भी जानते हैं और उसे दूर करने की अंदरखाने कोशिश भी कर रहे हैं। साक्षी महाराज ने भी प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, पीएम किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं के लाभार्थियों के आंकड़े रट रखे हैं, वे सभाओं में इन्हें मतदाताओं को सुनाते हैं और अपनी उपलब्धियों की सूची में प्रयागराज- मेरठ एक्सप्रेस वे, रिंग रोड और कानपुर- लखनऊ एक्सप्रेस वे को जोड़ते हैं। लेकिन सपा प्रत्याशी अन्नू टंडन भी उनसे कहीं कम नजर नहीं आती हैं। वह भी मतदाताओं को बताने में लगी हैं कि रोजगार का वादा कर नौकरी न देने वालों की गारंटी में कोई दम नहीं है।
- चार सौ पार सीटें इसलिए चाहिए ताकि संविधान बदला जा सके और आरक्षण को खत्म किया जा सके। वह युवाओं को अग्निवीर योजना की कमियां बताती हैं और बेरोजगारी का दर्द उभारने की कोशिश करती हैं। इन दोनों योद्धाओं के चक्रव्यूह को तोड़कर जीत सुनिश्चित करने की कोशिश में अशोक पांडेय भी लगे हुए हैं। जल्द ही बसपा मुखिया मायावती और आकाश आनंद की सभा कराने की तैयारी कर रहे हैं। उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं को भी बसपा के परंपरागत मतदाताओं और ब्राह्मण मतदाताओं के सहारे जीत की उम्मीद नजर आ रही है।

2019 में मत प्रतिशत

56.87%	24.46%	15.01%
भाजपा	सपा	कांग्रेस

2014 में वोट शेयर

43.18%	16.40 %
भाजपा	कांग्रेस
17.37 %	16.66 %
सपा	बसपा

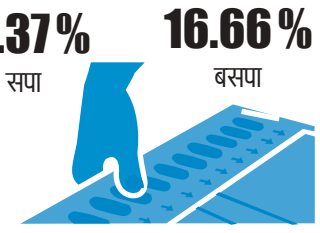

1241096	पुरुष मतदाता
1095120	महिला मतदाता
98	थर्ड जेंडर मतदाता
2336314	कुल मतदाता

लोधी और पासी मतदाता होते निर्णायक

इस लोकसभा क्षेत्र में पासी और लोधी वोट निर्णायक भूमिका में है। लोधी मतदाताओं की संख्या करीब ढाई लाख तो पासी मतदाता डेढ़ लाख के आसपास हैं। यही वजह है कि सभी राजनीतिक पार्टियां दोनों ही जातियों के मतदाताओं पर विशेष नजर रखती हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां के पुलिस ट्रेनिंग सेंटर का नाम भी बदलकर गुलाब सिंह लोधी के नाम पर कर दिया था। एक माह पहले ही स्वतंत्रता संग्राम में शहीद हुए गुलाब सिंह लोधी की प्रतिमा का अनावरण भी किया था। जातीय समीकरणों को ध्यान में रखकर ही भाजपा ने यहां विधानसभा चुनाव में भी टिकट बांटे थे। पार्टी ने जहां बांगरमऊ में कुर्मी समाज के श्रीकांत कटियार को मौका दिया तो क्षत्रिय मतों को साधने के लिए पुरवा से अनिल सिंह को फिर से चेहरा बनाया। मोहान सुरक्षित सीट से पासी जाति के बृजेश रावत तो सफीपुर से बंबा लाल दिवाकर को चुना था। भगवंत नगर से आशुतोष शुक्ला तो उन्नाव से पंकज गुप्ता को उतार कर वैश्य जाति के वोटों को साध लिया था। यह गणित लोकसभा चुनाव में काम आए इसका भी ध्यान रखा जा रहा है।

उन्नाव संसदीय सीट

प्रकाश तिवारी, उन्नाव

अमृत विचार। 1991 की राम मंदिर लहर में पहली बार उन्नाव संसदीय सीट का किला फतह करने वाली भाजपा ने तब लगातार तीन चुनाव जीतकर हैट्रिक लगाई थी। अब एक बार फिर तब के भाजपा सांसद देवीबख्श सिंह की जीत के रिकार्ड की बराबरी करने के लिए साक्षी महाराज जोर आजमाइश कर रहे हैं। 2014 की मोदी लहर में जीते साक्षी महाराज ने 2019 में भी बड़े अंतर से सपा उम्मीदवार को हराया था। अबकी बार वे मोदी की गारंटी और राष्ट्रवाद के रंग को गाढ़ा कर इस सीट पर जीत की हैट्रिक दर्ज करने के लिए गुणा- भाग कर रहे हैं। अपनी इस कोशिश में वह राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के मुद्दे को भी भुना रहे हैं। इसी सीट से 2009 में कांग्रेस से सांसद रहीं अन्नू टंडन इस बार सपा की साइकिल पर सवार होकर उन्हें चुनौती दे रही हैं। इस लड़ाई को पत्रकार से नेता बने अशोक पांडेय हाथी के महावत बनकर त्रिकोणीय बनाने में प्रयासरत है। अब इस बार सांसद कौन बनेगा यह तो मतदान और परिणाम बताएगा, फिलहाल उन्नाव सीट पर मुकाबला दिनों दिन रोचक होता जा रहा है।

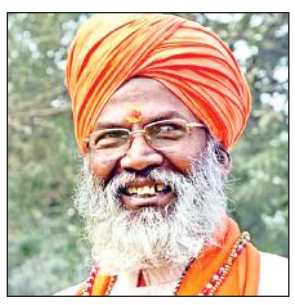

भाजपा सांसद साक्षी महाराज।

सपा प्रत्याशी अन्नू टंडन।

बसपा प्रत्याशी अशोक पांडेय।

बदला परिसीमन तो खुली कांग्रेस की किस्मत: 2008 में लोकसभा क्षेत्र का परिसीमन हुआ तो पुरवा, मोहान, भगवंतनगर, सफीपुर, बांगरमऊ और उन्नाव सदर विधानसभा सीट को मिलाकर उन्नाव संसदीय सीट का नए सिरे से गठन हुआ।

उन्नाव से सटी मोहनलालगंज सुरक्षित संसदीय सीट में शामिल जिले की दो विधानसभा सीटों को काटकर उन्नाव लोकसभा क्षेत्र बनाया गया था। इसके बाद जब 2009 में चुनाव हुआ तो कांग्रेस की अन्नू टंडन यहां से जीतने में कामयाब रहीं। हालांकि 1984 के बाद कांग्रेस यहां से कभी नहीं जीती थीं।

वनवास काट रही कांग्रेस का वनवास तो उस समय खत्म हो गया था लेकिन 2014 में जब मोदी लहर आई तो कांग्रेस को यह सीट भाजपा के हाथों गंवानी पड़ी। स्थिति ये रही कि पार्टी की प्रत्याशी अन्नू टंडन पिछड़कर चौथे स्थान पर पहुंच गईं। दूसरे नंबर पर सपा के अरुण शंकर शुक्ल और तीसरे पर बसपा के ब्रजेश पाठक थे। 2019 में जब सपा- बसपा का गठबंधन हुआ तो फिर भाजपा जीती और सपा के अरुण शंकर शुक्ल दूसरे और कांग्रेस की अन्नू टंडन तीसरे स्थान पर रहीं। अब अन्नू सपा के टिकट पर मैदान में हैं और उन्हें भरोसा है कि इस बार वह मैदान मार लेंगी।

आरक्षण बचाओ पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दुर्गापुर क्षेत्र में रोड शो किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर हमला बोला। कहा कि भाजपा सरकार आरक्षण को खत्म कर देगी।

10 से दिखेगा इंडिया गठबंधन का दम, रैलियां

चुनाव डेस्क, कानपुर

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव में चौथे चरण का प्रचार थमने से एक दिन पूर्व कांग्रेस नेता राहुल गांधी व सपा मुखिया अखिलेश यादव शहर में गठबंधन प्रत्याशी का प्रचार प्रसार करने आएंगे। इंडिया गठबंधन की संयुक्त सभा लालइमली स्थित जीआईसी मैदान में होगी। इसकी तैयारियां तेज हो गई हैं। कांग्रेस को लग रहा है कि इस बार कानपुर संसदीय सीट पर वह काबिज हो जाएगी। पार्टी यहां भाजपा के उम्मीदवार को बाहरी बताकर घेरने में लगी है।

राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी इस सभा में कानपुर में बंद मिलों का मुद्दा तो उठाएंगे ही साथ ही संविधान और आरक्षण बचाने के लिए गंठबंधन को वोट देने की अपील करेंगे।

10 मई को पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी व सपा मुखिया अखिलेश यादव कन्नौज व कानपुर में संयुक्त रूप से होने वाली इस जनसभा में गठबंधन के कई और बड़े नेताओं को भी लाने की तैयारी की जा रही है।

खास बात यह है कि इस दिन ही पूर्व मुख्यमंत्री एवं बसपा प्रमुख मायावती भी कानपुर में होंगी। अकबपुर संसदीय क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करेंगी। बसपा सुप्रीमो मायावती 10 मई को रमईपुर आयोजित जनसभा में आकाश आनंद भी आ सकते हैं। फिलहाल आकाश आनंद ने जनसभाओं में जाना बंद कर रखा है।

ठोंकी ताल हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं करनाल लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार मनोहर लाल खट्टर और केंद्रीय मंत्री व गुरुग्राम से उम्मीदवार राव इंद्रजीत सिंह ने नूंह में जनसभा को संबोधित किया।

कम मतदान वाली सीटों पर नजदीकी मुकाबले की उभर रही तस्वीर

सामयिक विश्लेषण

राजपुरुष

अमृत विचार: प्रदेश की 10 सीटों पर मंगलवार को लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में औसतन 57.34% मतदान दर्ज किया गया है। हालांकि चुनाव आयोग द्वारा मतदान के अंतिम आंकड़े जारी किए जाने पर इस डाटा में थोड़ा बहुत अंतर आना संभावित है। लेकिन इतना साफ है कि संभल को छोड़कर किसी भी सीट पर मतदाता फर्स्ट डिवीजन पास नहीं हो पाए हैं।

प्रदेश में लगातार तीसरे चरण में कम मतदान को वोटर की उदासीनता से जोड़ा जा रहा है। इससे यह भी सवाल उठा रहा है कि जिन सीटों पर पांच प्रतिशत या उससे ज्यादा कम मतदान हुआ है, क्या वहां इस बार फैसला नजदीकी अंतर से होने जा रहा है। तीसरे चरण में सपा अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव, राज्य सरकार के दो कैबिनेट मंत्रियों जयवीर सिंह व अनूप वाल्मिकी और केंद्रीय राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल की किस्मत का फैसला ईवीएम में बंद हो गया है। उपलब्ध आंकड़ों के हिसाब से तीसरे चरण में सबसे ज्यादा 62.81 प्रतिशत वोट संभल लोकसभा सीट पर डाले गए हैं, जबकि सबसे कम करीब 54% मतदान आगरा सीट पर हुआ है। प्रदेश में पहले दो चरणों में भी 2019 के चुनाव की अपेक्षा कम मतदान दर्ज किया गया था।

संभल में मतदाता फर्स्ट डिवीजन पास फिर भी सवाल: प्रदेश में केवल संभल लोकसभा सीट ऐसी रही है, जहां मतदान प्रतिशत 60 के पार पहुंच सका है। यहां 2019 के चुनाव में 64 प्रतिशत से ज्यादा वोट डाले गए थे। इस बार मतदान 63 प्रतिशत के आसपास रहने का अनुमान है।

अब डेढ़ प्रतिशत कम मतों से किस प्रत्याशी को कितना नुकसान हो रहा है, इसे लेकर हर किसी के अलग-अलग कयास हैं। यहां सपा समर्थकों और पुलिस के बीच कहासुनी भी हुई। संभल में सपा से डॉ. शफीकुर्रहमान के पौत्र जियाउर्रहमान बर्क, भाजपा से परमेश्वरलाल सैनी और बसपा से शौकत अली मैदान में हैं।

आगरा में कम हो सकता है इस बार जीत का अंतर : आगरा में पिछली बार 2019 में 59 फीसदी से अधिक वोट डाले गए थे, लेकिन इस बार मतदान प्रतिशत 54 प्रतिशत के आसपास ही रहा है। पिछली बार के मुकाबले आगरा में मतदान पांच फीसदी तक कम रहने से यहां जीत का अंतर भी कम रहने का अनुमान लगाया जा रहा है। य आगरा सीट से केंद्रीय राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल और सपा के सुरेश चंद कर्दम तथा बसपा ती पूजा अमरोही की चुनौती में दलित और मुस्लिम वोट किस तरफ गए हैं, इसे लेकर गुणा-भाग लगाया जा रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा मुखिया अखिलेश यादव ने पत्नी डिंपल यादव और पुत्री अदिति यादव के साथ मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र के सैफई में मतदान किया। इस दौरान उन्होंने जीत का दावा भी किया। अमृत विचार

मैनपुरी में लग रहा बढ़े वोटों का हिसाब-किताब

- हॉट सीट मैनपुरी जहां से सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव उपचुनाव जीतने के बाद दूसरी बार मैदान में हैं और भाजपा प्रत्याशी योगी सरकार में मंत्री जयवीर सिंह की कड़ी चुनौती के साथ बसपा के शिव प्रसाद यादव का मुकाबला कर रही हैं, यहां मतदान पिछले चुनाव से करीब डेढ़ प्रतिशत तक ज्यादा रहने से परिणाम को लेकर धुकधकी बढ़ गई है। सपा-भाजपा अपने-अपने वोटों का हिसाब-किताब लगाने में व्यस्त हैं। यहां इस बार 58 .59 प्रतिशत वोट डाले गए हैं, जबकि 2019 में मैनपुरी सीट पर 56 .77 प्रतिशत मतदान हुआ था।

बसपा के वोट बन सकते यहां जीत-हार में निर्णायक

- फतेहपुर सीकरी में 57 प्रतिशत से ज्यादा वोट डाले जाने की खबर है। इस सीट पर 2019 में 60 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ था। लगभग तीन प्रतिशत कम मतदान ने प्रत्याशियों की बेचैनी बढ़ा दी है। यहां भाजपा के मौजूदा सांसद राजकुमार चाहर का कांग्रेस के रामनाथ सिकरवार से सीधे संघर्ष में बसपा के रामनिवास शर्मा द्वारा बनाया गया त्रिकोण किसे फायदा या नुकसान पहुंचा गया है, इसके कयास लगाए जा रहे हैं।

भाजपा-सपा की सीधी टक्कर में दो फीसदी मतों का पेच

- बरेली लोकसभा सीट पर इस बार 57 .88 प्रतिशत लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। पिछली बार 2019 में इस सीट पर 59 फीसदी से ज्यादा मतदान हुआ था। इस तरह यहां भी दो प्रतिशत के आसपास मत कम पड़ने से प्रत्याशियों का अनुमान बदल गया है। बरेली सीट पर भाजपा से छत्रपाल सिंह गंगवार का सपा के प्रवीण कुमार ऐरन के साथ सीधी टक्कर में बसपा के छोटेलाल गंगवार को मिले मतों का गणित लगाया जा रहा है।

दलित-मुस्लिम मतों पर टिका जीत का दारोमदार

- फिरोजाबाद लोकसभा सीट पर 58 .22 प्रतिशत मतदान दर्ज होने की सूचना है। यहां पिछली बार 60 फीसदी से अधिक वोट पड़े थे। जाहिर है दो प्रतिशत कम मतदान कांटे की टक्कर में नया गुल खिला सकता है, या जीत का अंतर कम कर सकता है। फिरोजाबाद में सपा से प्रो . रामगोपाल यादव के बेटे अक्षय यादव चुनाव मैदान में हैं, उनकी भाजपा के विश्वदीप सिंह से कड़ी टक्कर देखने में आयी है। बसपा से चुनाव लड़ रहे चौधरी बशीर ने दलित और मुस्लिम मत कितना पाए हैं, इसी पर सपा और भाजपा की जीत का अनुमान टिका है।

हाथरस में परिणाम पर पड़ सकता असर

- हाथरस में भी इस बार मतदान पिछली बार के मुकाबले करीब करीब 6% तक कम रहा है। यहां 55 .36 प्रतिशत वोट डाले जाने की खबर है। हाथरस में 2019 में 61 फीसदी से ज्यादा वोट डाले गए थे। यहां इस बार तीनों प्रत्याशी बाहरी थे। हाथरस सीट पर साल 2019 के चुनाव में भाजपा को जीत मिली थी। हाथरस में भाजपा से योगी सरकार में मंत्री अनूप प्रधान वाल्मीकि, जबकि सपा से जसवीर वाल्मीकि व बसपा से हेमबाबू धनगर चुनाव लड़ रहे हैं।

पितृपैतामहं राज्यं प्राप्तवान् स्वेन कर्मणा।
वायुरभ्रमिवासाद्य भ्रंशयत्यनये स्थित: ॥

अन्याय के मार्ग पर चलने वाला राजा विरासत में मिले राज्य को उसी प्रकार से नष्ट कर देता है, जैसे तेज हवा बादलों को छिन्न-भिन्न कर देती है।

संपादकीय

वैश्विक सुरक्षा का मुद्दा

बढ़ते वैश्विक तनाव के समय में व्लादिमीर पुतिन ने 5 वीं बार रूस के राष्ट्रपति का पद संभाल लिया है। मंगलवार को एक समारोह में पुतिन ने कहा कि अपनी शक्ति के भीतर वो सब कुछ करेंगे, जो वह देश के लिए कर सकते हैं। बीते करीब 25 वर्षों से देश की सत्ता पर काबिज पुतिन, जोसेफ स्टालिन के बाद राष्ट्रपति के पद पर सबसे लंबे समय तक रहने वाले रूस के पहले नेता बन गए हैं। 1999में राष्ट्रपति बोरिस येल्तसिन का उत्तराधिकारी बनने के बाद से पुतिन ने रूस को आर्थिक पतन से उबारते हुए एक ऐसे देश के रूप में तब्दील कर दिया है, जिसे पश्चिम देश वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा मानते हैं। इस बीच पुतिन ने एक बार फिर दुनिया को तनाव में डाल दिया है। रूस ने पहली बार सार्वजनिक रूप से सामरिक परमाणु हथियारों के साथ सैन्य अभ्यास का ऐलान किया है। रूस ने 6 मई को कहा कि वह एक सैन्य अभ्यास करेगा जिसमें सामरिक परमाणु हथियारों के इस्तेमाल का अभ्यास शामिल होगा। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इस अभ्यास का आदेश राष्ट्रपति पुतिन ने दिया था। आखिर रूस ने ऐसा किया क्यों, रूस के इस कदम का यूक्रेन के साथ जंग पर असर क्या पड़ेगा? असल में रूस ने यह कदम तब उठाया है जब कुछ दिन पहले ही पश्चिमी देशों ने यूक्रेन के साथ युद्ध को लेकर रूस के खिलाफ बयानबाजी की थी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने हाल ही में कहा था वह यूक्रेन में सेना भेजने के विचार से इनकार नहीं कर रहे हैं।

वहीं, ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड कैमरन ने कहा था कि कीव की सेना रूस के अंदर लक्ष्यों पर हमला करने के लिए ब्रिटेन के लंबी दूरी के हथियारों का उपयोग कर सकेगी। यानि रूस का ये फैसला नाटो और फ्रांस के सैनिकों को सीधे तौर पर जंग में शामिल होने के संकेतों के बीच आया है। मौजूदा वक्त में रूस ने अब जिस तरह का कदम उठाया है उससे दुनिया के देशों की चिंताएं बढ़ने वाली हैं। क्योंकि परमाणु हथियार कितने खतरनाक होते हैं इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अगर किसी भी देश ने परमाणु बम का इस्तेमाल किया तो सब कुछ बर्बाद हो जाएगा। रूस में ये घटनाक्रम ऐसे वक्त में हो रहा है जब चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग यूरोप के दौरे पर हैं। महत्वपूर्ण है कि जैसे-जैसे रूस और पश्चिम के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है, पुतिन की आक्रामक मुद्रा और परमाणु विध्वंसक क्षमता के संभावित प्रभावों को देखते हुए, अंतर्राष्ट्रीय समुदाय सतर्क बना हुआ है।

मंत्री ने जब शेषन को वीरान रास्ते कार से उतार दिया

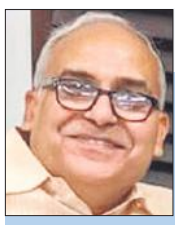

राज खन्ना
वरिष्ठ पत्रकार

दफ्तर वापस पहुंच शेषन ने एग्जीक्यूटिव इंजीनियर से उनकी नई जीप ली। मंत्रियों के आगे के कार्यक्रम बिना रुकावट के निपटाए जाने की उनकी ड्यूटी थी। आखिरी कार्यक्रम रात्रि आठ बजे कम्युनिस्टों के प्रभाव क्षेत्र वेदासंदुर में था। कार्यक्रम सरकारी था, लेकिन चुनाव में सिर्फ एक महीना बाकी था।

कार की पिछली सीट पर दो मंत्रियों के बीच में एक युवा आईएएस ऑफिसर बैठा था। एक मंत्री ने उस अधिकारी से सवाल किया कि उस कर्मचारी का मामला पुलिस को क्यों सौंपा? उसे वापस लो। ऑफिसर दो टूक था, 'इसे आप लिखकर दें।'क्या मेरा कहना काफी नहीं? ऑफिसर के "नहीं" जवाब ने मंत्री का गुस्सा आसमान पर पहुंचा दिया। मंत्री ने ड्राइवर को कार रोकने का आदेश दिया। बीच रास्ते वीराने में ऑफिसर को कार से उतार दिया गया। आगे और भी बहुत कुछ रोचक घटित हुआ। यह ऑफिसर टीएन शेषन थे। करियर के आखिरी दौर में देश के मुख्य चुनाव आयुक्त के तौर पर उन्होंने इतिहास रच दिया।

लोकसभा के चुनाव की गहमा-गहमी के बीच जब-तब शेषन की चर्चा होती रहती है। नौकरी की शुरुआत से ही नियम -कानून के पाबंद शेषन के तेवर आखिर तक कायम रहे। पढ़िए उनकी आत्मकथा 'थ्रू द ब्रोकन ग्लास' से उद्धृत उनकी नौकरी की शुरुआत का एक रोचक प्रसंग, आईएएस में चयन और विभिन्न प्रशिक्षण के बाद शेषन को डिंडीगुल (तमिलनाडु) में सब कलेक्टर के तौर पर तैनात किया गया। तहसीलदार नारायण पिल्लई ने उनकी ओर एक कागज बढ़ाया जिसमें एक ग्राम अधिकारी द्वारा तकावी लोन की वसूली तीन हजार की रकम गबन किए जाने की शिकायत थी। फौरन ही शेषन ने कर्मचारी को सस्पेंड, चार्जशीट करने और पुलिस में एफआईआर करने के आदेश दिए। कहा कि जरूरी कागज मेरे दफ्तर से प्राप्त कर लो। तहसीलदार ठिठक गए। शेषन की सवालिया निगाहों के जवाब में उन्होंने जल्दबाजी न करने की सलाह दी। उन्हें याद दिलाया कि इस कर्मचारी की पत्नी तालुका कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष है। आगे समस्या हो सकती है। शेषन अपने आदेश पर अडिग थे। उसी रात कर्मचारी की गिरफ्तारी हो गई। दो दिन बाद मदुरै जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शेषन से मिलने पहुंचे। वे मुख्यमंत्री के.कामराज के खास थे। उन्होंने केस वापस लेने का दबाव डाला। इंकार के जवाब पर नतीजे भुगतने के लिए तैयार रहने की चेतावनी के साथ वे वापस हुए। एक हफ्ते बाद शेषन के तैनाती इलाके में मंत्री पी. कक्कन और वी.रमेश के साझा कार्यक्रम थे। चुनाव में एक महीना बाकी था। शेषन को दोनों मंत्रियों ने अपनी कार में साथ बिठाया। पंद्रह मिनट की यात्रा के बाद मंत्री कक्कन जिनके पास पुलिस और राजस्व सहित कई महत्वपूर्ण विभाग थे, ने शेषन से सवाल किया कि वे कांग्रेस का क्यों विरोध कर रहे हैं? शेषन ने ऐसा कुछ करने से इंकार किया तो उस कर्मचारी के खिलाफ पुलिस में मामला क्यों दर्ज कराया? डिपार्टमेंटल एक्शन काफी था। फौरन केस वापस लो। शेषन ने उन्हें मद्रास वापसी पर लिखित आदेश भेजने का अनुरोध किया। नाराज कप्पन ने पूछा, 'क्या मेरा कहना काफी नहीं?' एक बार फिर इंकार के जवाब से खफा मंत्री ने ड्राइवर को कार रोकने और शेषन को कार से उतरने का हुक्म दिया। कार आगे बढ़ गई। तेज धूप से बचने के लिए एक पेड़ के नीचे खड़े शेषन अपने दफ्तर वापस पहुंचने के लिए किसी वाहन के इंतजार में थे।

दफ्तर वापस पहुंच शेषन ने एग्जीक्यूटिव इंजीनियर से उनकी नई जीप ली। मंत्रियों के आगे के कार्यक्रम बिना रुकावट के निपटाए जाने की उनकी ड्यूटी थी। आखिरी कार्यक्रम रात्रि आठ बजे कम्युनिस्टों के प्रभाव क्षेत्र वेदासंदुर में था। कार्यक्रम सरकारी था, लेकिन चुनाव में सिर्फ एक महीना बाकी था। तय था कि मंत्री विपक्षियों पर आक्रामक रहेंगे। शेषन ने तहसीलदार को बुलाकर चर्चा की। आशंका थी कि विरोधी पहले कार्यक्रम स्थल की बिजली गुल करेंगे और फिर जहां महिलाएं बैठी हैं, वहां चूहे छोड़कर सांप -सांप का शोर करके भगदड़ कराएंगे। बचाव के लिए माइक को एक कार की बैट्री से जोड़ा गया। वहां मौजूद सरकारी गाड़ियों को मंच के सामने दूरी पर इस तरह खड़ा किया गया कि बिजली गुल होने पर उनकी हेड लाइट से रोशनी मिल सके।

आशंका सही निकली। जोरदार विस्फोट की आवाज के साथ अंधेरा छा गया। सांप-सांप का शोर मचा, लेकिन गाड़ियों की हेडलाइट्स काम आईं। माइक की आवाज भी नहीं थमी। कार्यक्रम को अस्त-व्यस्त करने की कोशिश नाकाम रही। मंत्रियों के भाषण पूरे हुए। तहसीलदार को पास बुला मंत्री कप्पन्न ने उनकी दूरंदेशी के लिए तारीफ की। तहसीलदार ने कहा कि इसके वे नहीं बल्कि वो हकदार हैं, जो जीप में बैठे हैं। एक बार फिर मंत्री कप्पन और शेषन आमने-सामने थे। मंत्री ने पूछा आप मंच पर क्यों नहीं आए? शेषन ने उन्हें रास्ते में उतारने का जिक्र किया। फिर यहां क्यों आए? शेषन के जवाब, 'वो मेरी ड्यूटी थी' ने मंत्री को झेंपने के लिए मजबूर कर दिया। इस घटना के तीन दिन बाद मुख्यमंत्री के.कामराज डिंडीगुल आए। मंत्री कप्पन भी उनके साथ थे। स्टेशन पर कलेक्टर और एसपी के साथ स्वागत के लिए शेषन भी मौजूद थे। आगे बढ़ते हुए कामराज ने शेषन को पास बुलाया और कहा, ' मैंने सुना कि कप्पन ने तुम्हारे साथ बदसलूकी की।' शेषन ने ऐसा कुछ नहीं कह बात को खत्म करने की कोशिश की, पर कामराज ने मामले को गंभीरता से लिया था। उन्होंने कहा , 'उस दिन जो कुछ हुआ उसकी उन्हें पुलिस से रिपोर्ट मिल चुकी है।' सभी की मौजूदगी में तेज स्वर में कामराज मंत्री कप्पन से मुखातिब हुए, 'मेरे-आपके लिए ऑफिसर्स से खराब व्यवहार मुनासिब नहीं है। अगर ऑफिसर कोई गलत काम करें तो आप अकेले में उनसे बात करें। दूसरों के सामने उन्हें अपमानित न करें। आपने उन्हें कार से क्यों उतारा? जिस पीड़ित की आपने फिक्र की वह सरकार से अपील कर सकता है। राजनीति के इस बुनियादी वसूल को समझिए कि अगर ऑफिसर्स अपमानित किए जाएंगे तो सरकार का अपमान होगा।'

शेषन आत्मकथा ऐसे उदाहरणों से भरी पड़ी है कि कैसे उन्होंने अनियंत्रित अधिकारियों को वश में किया और उन्हें एक प्रभावी चुनावी सेना बनने के लिए प्रशिक्षित किया। कुछ ही समय में उनके नेतृत्व में ईसीआई ने देश के चुनावी परिदृश्य पर प्रभाव डालना शुरू कर दिया। राजनेताओं और राजनीतिक दलों को अभूतपूर्व गर्मी का एहसास होने लगा। भारतीय लोकतांत्रिक प्रक्रिया के इतिहास में शेषन का योगदान मजबूत आधार बन गया है। उन्होंने रास्ते में आने वाली हर बाधा को अकेले ही खत्म कर दिया, चाहे वह कार्यकारी प्रक्रियाएं हों या कानूनी बाधाएं, उन्होंने पूरे साहस, अपने प्रशासनिक कौशल और राजनीतिक वर्ग के साथ अनुभवों के साथ उनका डटकर सामना किया।

शेषन की आत्मकथा ऐसे उदाहरणों से भरी पड़ी है कि कैसे उन्होंने अनियंत्रित अधिकारियों को वश में किया और उन्हें एक प्रभावी चुनावी सेना बनने के लिए प्रशिक्षित किया। कुछ ही समय में उनके नेतृत्व में ईसीआई ने देश के चुनावी परिदृश्य पर प्रभाव डालना शुरू कर दिया। राजनेताओं और राजनीतिक दलों को अभूतपूर्व गर्मी का एहसास होने लगा। भारतीय लोकतांत्रिक प्रक्रिया के इतिहास में शेषन का योगदान मजबूत आधार बन गया है। उन्होंने रास्ते में आने वाली हर बाधा को अकेले ही खत्म कर दिया, चाहे वह कार्यकारी प्रक्रियाएं हों या कानूनी बाधाएं, उन्होंने पूरे साहस, अपने प्रशासनिक कौशल और राजनीतिक वर्ग के साथ अनुभवों के साथ उनका डटकर सामना किया।

प्रसंगवश

पानी नहीं तो दारू पियो

गर्मी का ताप लगातार बढ़ता जा रहा है, लेकिन लू नहीं चलती। यह ज्यादा खतरनाक है और पानी के अभाव में ऐसा होता है। पछुआ हवाएं, जब चलती हैं तो भले गर्म हों, लेकिन राहत देती हैं। शायद यह सब ग्लोबल वार्मिंग के कारण हो। नदी, नहरें, नाले, तालाब और जलाशय सब सूखे पड़े हैं। अंग्रेजों के वक्त जितनी भी नहरें बनीं, उनके दोनों किनारों पर 220 मीटर तक नहर विभाग की जमीन होती थी, जिस पर न खेती की जा सकती थी, न ही कोई वहां बसेरा बना सकता था। कई-कई कोस की दूरी पर नहर विभाग की कोठियां जरूर होती थीं जिनमें इंस्पेक्शन करने जाने वाले एक्जीक्युटिव इंजीनियर रुकते थे। हर बड़ी नहर के समानांतर एक और नहर होती जिसमें मुख्य नहर का पानी बढ़ने पर छोड़ा जाता और वह सोख्ते का काम करती। पर अब न नहरें दिखती हैं, न नदियां न वे कोठियां और न ही वह हरियाली। आधुनिक जीवनशैली के नाम पर हर चीज का कारपोरेटीकरण हो गया है और इसमें सहायक बने आईएएस अधिकारी। खासकर जिला अधिकारियों ने नहर विभाग ही नहीं हर विभाग की स्वायत्तता खत्म कर दी है। पहले जिले में कलेक्टर, पुलिस कप्तान, सिविल सर्जन (जिसे अब मुख्य चिकित्सा अधिकारी कहते हैं) और एक्जीक्युटिव इंजीनियर समान स्तर के पद होते थे, लेकिन जैसे सत्ता मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के हाथ में सिमटती गई, वैसे ही सारे सरकारी विभाग जिलाधिकारी के पास। इससे लूट का बाजार गर्म हुआ। नहर विभाग की जमीनों पर कब्जे होने लगे, सिंचाई विभाग कंगाल हो गया और अब तो पीडब्लूडी का भी यही हाल है। वन विभाग का अधिकारी कहां है, किसी को नहीं पता होगा। सबसे खराब स्थिति तो मद्य-निषेध विभाग और जिला कृषि अधिकारी तथा जिला भूमि संरक्षण अधिकारी की है। जिले में माइनिंग माफिया को खुद जिला अधिकारी (डीएम) पनपाते हैं, कई जगह कानूनी तौर पर तो कई जगह अवैध, लेकिन कानून के बूते भी क्या आप आम आदमी से उसके हिस्से की हवा, पानी और सूरज की रौशनी छीन लोगे? अगर पीएम, सीएम और डीएम की मनमानी चलती रही तो अगले 20 वर्षों में न हरी-भरी धरती बचेगी, न शुद्ध जल और न ही हवा। बचेंगे तो दारू के ठिकाने और उच्च पथों पर सरपट दौड़ती गाड़ियां।

शंभूनाथ शुक्ल
वरिष्ठ पत्रकार

गाद तो हमारे ही माथे पर है

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

तालाब तो लोक की संस्कृति सभ्यता का अभिन्न अंग हैं और इन्हें सरकारी बाबुओं के लाल बस्ते के बदौलत नहीं छोड़ा जा सकता।

इस बार गर्मी जल्दी आई और साथ में प्यास भी गहराई। केंद्र सरकार की हजार करोड़ की "हर घर जल योजना" ने बढ़ते ताप के सामने दम तोड़ दिया, आखिर धरती का सीन चीर कर गहराई से पानी उलीचने से हर एक का कंठ टार होने से रहा। वैसे हकीकत तो यह है कि अब देश के 32 फीसदी हिस्से को पानी की किल्लत के लिए गर्मी के मौसम का इंतजार भी नहीं करना पड़ता है-बारहों महीने, तीसों दिन यहां जेठ ही रहता है।

समझना होगा कि एक अरब 44 करोड़ की विशाल आबादी को पानी देना महज सरकार के जिम्मे नहीं छोड़ जा सकता। इस गर्मी में सूखती जल निधियों के प्रति यदि समाज आज सक्रिय हो जाए तो अगली गर्मी में उन्हें यह संकट नहीं झेलना होगा। एक बात समझ लें प्रकृति से जुड़ी जितनी भी समस्या हैं, उनका निदान न वर्तमान के पास है न भविष्य के। इसके लिए हमें अतीत की ही शरण में जाना होगा। थोड़ी गाद हटानी होगी-कुछ सूख चुकीं हमारे पुरखों द्वारा बनाई जल निधियों से और कुछ अपनी समझ से देखें। थोड़ी भी बरसात हुई तो समाज पानीदार बन सकता है। यदि कुछ दशक पहले पलट कर देखें तो आज पानी के लिए हाय-हाय कर रहे इलाके अपने स्थानीय स्त्रोतों की मदद से ही खेत और गले दोनों के लिए अफरात पानी जुटाते थे। एक दौर आया कि अंधाधुंध नलकूप रोपे जाने लगे, जब तक संभलते जब तक भूगर्भ का कोटा साफ हो चुका था।

समाज को एक बार फिर बीती बात बन चुके जल-स्त्रोतों की ओर जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है -तालाब, कुंए, बावड़ी, लेकिन एक बार फिर पीढ़ियों का अंतर सामने खड़ा है। पारंपरिक तालाबों की देखभाल करने वाले लोग किसी और काम में लग गए और अब तालाब सहेजने की तकनीक नदारद हो गई है। तभी बीते तीन दशक में केंद्र और राज्य की अनेक योजनाओं के तहत तालाबों से गाद निकालने, उन्हें सहेजने के नाम पर अफरत पैसा खर्च किया गया और नतीजा रहा 'ढाक के तीन पात'।

भारत के हर हिस्से में वैदिक काल से लेकर ब्रितानी हुकूमत के पहले तक सभी कालखंडों में समाज द्वारा अपनी देश-काल-परिस्थिति के मुताबिक बनाई गई जल संरचनाओं और जल प्रणालियों के कई प्रमाण मिलते हैं जिनमें तालाब हर एक जगह हैं। रेगिस्तान में तो उन तालाबों को सागर की उपमा दे दी गई तो कन्नड़ में कैरे और तमिल में ऐरी। यहां तक कि ऋग्वेद में सिंचित खेती, कुओं और गहराई से पानी खींचने वाली प्रणालियों का उल्लेख मिलता है। हड़प्पा एवं मोहनजोदड़ो (ईसा से 3000 से 1500 साल पूर्व) में जलापूर्ति और मल निकासी की बेहतरीन प्रणालियों के अवशेष मिले हैं। ईसा से 321-297 साल पहले, कौटिल्य का अर्थशास्त्र बानगी है, जो बताता है कि तालाबों को राज्य की जमीन पर बनाया जाता था। समाज ही तालाब गढ़ने का सामान जुटाता था, जो लोग इस काम में असहयोग करते या तालाब की पाल को नुकसान पहुंचाते, उन्हें राज्य-दंड मिलता। आधुनिक तंत्र की कोई भी जल संरचना 50 से 60 साल में दम तोड़ रही हैं, जबकि चंदेलकाल अर्थात् 1200 साल से अधिक पुराने तालाब आज भी लोगों को जिंदगी का भरोसा दिए हुए हैं। जाहिर है कि हमारे पूर्वजों की समझ कितनी सूझबूझभरी एवं वैज्ञानिक थी। उन दिनों उन्नत जल-विज्ञान और कुशल जलविज्ञानी का पूरा समाज था, जो मिट्टी और जलवायु की बेहतरीन समझ रखते थे।

यदि आजादी के बाद विभिन्न सिंचाई योजनाओं पर खर्च बजट व उससे हुई सिंचाई और हजार साल पुराने तालाबों को क्षमता की तुलना करें तो आधुनिक इंजीनियरिंग पर लानत ही जाएगी। अंग्रेज शासक चकित थे, यहां के तालाबों की उत्तम व्यवस्था देखकर। उन दिनों कुओं के अलावा सिर्फ तालाब ही पेयजल और सिंचाई के साधन हुआ करते थे। फिर आधुनिकता की आंधी में सरकार और समाज दोनों ने तालाबों को लगभग बिसरा दिया, जब आंख खुली तब बहुत देर हो चुकी थी।

तालाब तो लोक की संस्कृति सभ्यता का अभिन्न अंग हैं और इन्हें सरकारी बाबुओं के लाल बस्ते के बदौलत नहीं छोड़ा जा सकता। असल में तालाब की सफाई का काम आज के अंग्रेजीदां इंजीनियरों के बस की बात नहीं है। दो साल पहले केंद्र सरकार ने देश के सभी तालाबों का सर्वेक्षण करवा कर क्रांतिकारी काम किया। उसके बाद अमृत सरोवर योजना के तहत भी देश के कुछ तालाबों की तकदीर बदली है। यह समझना होगा कि जब तक सहेजे गए तालाबों का इस्तेमाल समाज की हर दिन की जल जरूरत के लिए नहीं होगा, जब तक समाज को इन तालाबों का जिम्मा नहीं सौंपा जाता, तालाब की समृद्ध विरासत को स्थापित नहीं किया जा सकता।

सोशल फोरम

प्रतिष्ठा के खेल और खिलाड़ी

प्रतिष्ठा या इज्जत या इमेज से से जुड़ना अपना गौरव समझते हैं। सवाल किया जाना चाहिए प्रतिष्ठित होकर या प्रतिष्ठा पाकर व्यक्ति को क्या मिलता है? क्या उसके पास बेहतरीन जीवन मूल्य आ जाते हैं? क्या वह अच्छा इंसान बन जाता है? अच्छा इंसान बनने के लिए प्रतिष्ठा या इज्जत की नहीं बेहतरीन जीवन मूल्यों की जरुरत होती है। हम व्यक्ति पर बातें करते समय उसकी शोहरत, पद, सामाजिक-राजनीतिक -आर्थिक हैसियत की बातें करते हैं। उसके राजनीतिक कनेक्शनों की बातें करते हैं, लेकिन उसके जीवन मूल्यों पर बातें नहीं करते। यही वजह है हमारे आसपास मूल्यहीनता और राजनीतिक अवसरवाद खूब फलता-फूलता है। हम उसे वैध मानने लगते हैं, जबकि उसकी ये गतिविधियां अवैध हैं, पाशविक हैं। चूंकि समाज में प्रतिष्ठा पाने की होड़ मची है। इसके कारण हम तेरी-मेरी उसकी प्रतिष्ठा के खेल में सारी जिंदगी गुजार देते हैं। काश, हम प्रतिष्ठा से मुक्त हो पाते।

प्रतिष्ठा या इज्जत या इमेज से मध्यवर्ग के लोगों को सबसे अधिक प्यार है, जबकि प्रतिष्ठा सबसे अधिक मुश्किलें खड़ी करती है। हमारे अनेक मित्र कहते हैं कि इस तरह मत लिखा करो प्रैस्टीज डाउन हो जाएगी। मित्रों में पहले मित्रता बड़ी थी अब प्रतिष्ठा बड़ी हो गई है।

प्रो. जगदीश्वर चतुर्वेदी
कोलकाता

प्रतिष्ठा के कारण व्यक्ति की सामाजिक-राजनीतिक-आर्थिक-राजनीतिक हैसियत महत्वपूर्ण हो गई और इंसानियत और समानता के मूल्यबोध की विदाई कर दी गई। इस बीमारी को हर शहर, संगठन, गली, मुहल्ले और मित्र सर्किल में सहज ही देख सकते हैं। मनुष्यों में प्रतिष्ठा की बीमारी पशुओं से आई है। जंगल में हर पशु की अपनी प्रतिष्ठा है। शेर की सबसे अधिक प्रतिष्ठा है। अन्य पशुओं की तरह शेर भी मूल्यहीन जीवन जीता है, लेकिन पशुओं में उसकी साख होती है। मनुष्य भी उससे डरते हैं। हम मध्यवर्ग के लोगों में प्रतिष्ठा पाने की जबर्दस्त भूख है, जबकि प्रतिष्ठा सबसे बुरी चीज है, लेकिन हम सब उससे प्रेम करते हैं, प्रतिष्ठित व्यक्ति

-फेसबुक वॉल से

शिव बटालवी: मैंनू तेरा शबाब लै बैठा...

पंजाबी के निश्चित रूप से सबसे सशक्त गीतकारों में से एक शिव बटालवी को करोलबाग के खालसा कॉलेज में आए हुए आधी सदी से ज्यादा का वक्त गुजर गया है, पर अब भी कुछ लोगों को याद है जब उनकी रचनाओं पर सैकड़ों श्रोता झूम उठे थे। शिव बटालवी कविता पाठ करते हुए रो भी रहे थे। यह बात 1970 की है। शिव बटालवी तब अपनी लोकप्रियता के शिखर पर थे। उन्होंने अपना कविता पाठ इस रचना से शुरू किया-मैंनू तेरा शबाब लै बैठा,/रंग गोरा गुलाब लै बैठा।/ किन्नी पीती ते किन्नी बाकी ए/ मैंनू एहो हिसाब लै बैठा/ चंगा हुंदा सवाल ना करदा,/ मैंनू तेरा जवाब लै बैठा/ दिल दा डर सी किते न लै बैठे/ लै ही बैठा जनाब लै बैठा।

विरह के कवि शिव बटालवी को खालसा कॉलेज में पंजाबी के साहित्यकार डॉ. हरभजन सिंह लेकर आए थे। वहां पर हरमीत सिंह भी मौजूद थे। वे तब खालसा कॉलेज के छात्र थे और आगे चलकर यहां के शिक्षक और फिर प्रिंसिपल भी बने। शिव कुमार 'बटालवी' ने जैसे ही अपना गीत...की पुछ दे ओ हाल फकीरां दा/साडा नदियों बिछड़े नीरां दा/साडा हंज दी जूने आयां दा/साडा दिल जलया दिलगीरां दा...(हम जैसे फकीरों का हाल आप क्या पूछते हैं, हम तो नदियों से बिछड़े पानी जैसे हैं। जैसे किसी आंसू से निकले हैं)

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

दिल्ली में शिव कुमार बटालवी आए और अमृता प्रीतम के हौजखास वाले घर में न हाजिरी दें और अपनी ताजा रचनाएं न सुनाएं यह संभव नहीं था।

सुनाया तो खालसा कॉलेज में मौजूद श्रोता जिनमें मुख्य रूप से पंजाबी थे, की आंखें छलकने लगीं। शिव कुमार बटालवी (1936 -1973) की उन कविताओं को सबसे ज्यादा पसंद किया गया जिनमें करुणा, जुदाई और प्रेमी के दर्द का बखूबी चित्रण है। वे 1967 में साहित्य अकादमी पुरस्कार पाने वाले सबसे कम उम्र के साहित्यकार बने।

शिव कुमार बटालवी अपने दिल्ली के कार्यक्रमों में अपनी इन कालजयी पंक्तियों-पिच्छे मेरे, मेरा साया/ अग्गे मेरे, मेरा न्हेरा/किते जाए न बाहीं छड्ड/ वे तेरा बिरहड़ा(पिच्छे-पीछे, अग्गे-आगे, न्हेरा-अंधेरा, बाहीं – बांह, छड्ड-छोड़) तथा बिरहा बिरहा आखिए/बिरहा तूं सुल्तान/ जिस तन बिरहा न उपजे/ सो तन जान मसान (आखिए-पुकारिए, कहिए) अवश्य सुनाया करते थे। कह सकते हैं कि सुनाते इसलिए थे, क्योंकि श्रोताओं की मांग होती थी। दिल्ली में शिव कुमार बटालवी आए और अमृता प्रीतम के हौजखास वाले घर में न हाजिरी दें और अपनी ताजा रचनाएं न सुनाएं यह संभव नहीं था। अमृता प्रीतम जी का घर पंजाबी साहित्य की अनमोल धरोहर था। शिव कुमार बटालवी के आने पर एक महफिल खासतौर पर आयोजित होती थी। उसमें चित्रकार इमरोज, हिंदी, पंजाबी, अंग्रेजी और उर्दू के लेखक करतार सिंह दुग्गल, सरदार नानक सिंह (पवित्र-पापी फिल्म के निर्माता), डॉ.हरभजन, गुरुबख्श सिंह, महेन्द्र सिंह सरना (भारत के अमेरिका में एंबेसडर रहे नवतेज सरना के पिता), कुंवर महेन्द्र सिंह बेदी, उद्योग सागर सूरी, पंजाबी के गायक केसर सिंह नरूला (जसपिंदर नरूला के पिता) वगैरह अवश्व मौजूद रहते थे।

एक बार काव्य की धारा बहने लगती तो फिर वे अलसुबह तक जारी रहती। इस बीच, केसर सिंह नरूला और उनकी पत्नी मोहिनी नरूला किसी महफिल में पंजाबी का सदाबहार लोकगीत लट्ठे दि चादर, उत्ते सलेटी रंग माइया गाने के बाद शिव बटालवी की रचनाएं सुनाते थे। नरूला जी बताते थे कि अमृता प्रीतम के दिल के बहुत करीब थीं शिव बटालवी की रचनाएं। वह शिव की रचनाएं बार-बार पढ़ा करती थीं।

विश्व मानवता और बंधुत्व का प्रतीक रेडक्रॉस

मानव इतिहास के सबसे काले क्षणों में जब दुनिया संघर्ष और अराजकता से बिखरी हुई है। ऐसे में रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट की अंतर्राष्ट्रीय समिति (आईसीआरसी) युद्ध और संकट के समय प्रभावित लोगों के लिए करुणा, निष्पक्षता और अटूट समर्थन प्रदान करती है। मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष के कारण लाखों लोगों को पीड़ा झेलनी पड़ी है और अतीत की तरह आज भी रेड क्रॉस मानवता के पक्ष में लगातार आशा की किरण बना हुआ है।

रेड क्रॉस एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है इसका मुख्य उद्देश्य मानव के अनमोल जीवन की रक्षा करना है। इसके द्वारा युद्ध या विपदा के समय में युद्धों में लोगों की सहायता की जाती है। यह संस्था केवल युद्ध के समय नहीं, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं, महामारियों और अन्य आपातकालीन खतरों में भी मानव सहायता प्रदान करती है। शिविरों का आयोजन, प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण और स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम इसके मुख्य शिविरों में से हैं। रेड क्रॉस की स्थापना वर्ष 1863 ई. रेड क्रॉस की स्थापना हेनरी ड्यूनेन्ट द्वारा जेनेवा में की गई थी।

रेड क्रॉस सोसाइटी की स्थापना के पीछे मुख्य विचार यह था कि मानवता की सेवा को कोई सीमा नहीं दी गई। इसके द्वारा विभिन्न उद्यमों के बीच समन्वय स्थापित किया जाता है। यह युद्ध के समय, महामारी बीमारी, प्राकृतिक आपदा के समय असंतुलन की सहायता करता है। इसका मुख्य कार्य पीड़ित व्यक्ति की मानव सेवा है। रेड क्रॉस की स्थापना का उद्देश्य युद्ध के समय घायल सैनिकों को चिकित्सा सहायता प्रदान करना और आपदा प्रबंधन के दौरान मदद करना है। रेड क्रॉस संस्था द्वारा ऐसे लोगों को सहायता प्रदान की जाती है। यह लोगों के उपचार, भोजन, स्वच्छ पानी और रहने की व्यवस्था सरकार के साथ मिलकर करती है। आपदा के समय यह संस्था सरकार के प्रयासों को आसान बनाती है और अधिक से अधिक मानव जीवन की रक्षा करने का प्रयास करती है। इसका मुख्यालय जेनेवा जॉगर (स्विट्जरलैंड) में स्थित है।

प्रो. विवेकानंद तिवारी
अध्यक्ष, आंबेडकर पीठ एचपीयू, शिमला

जीन हेनरी ड्यूनैंट के जन्म दिवस 8 मई को अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत में रेड क्रॉस सोसाइटी की शुरुआत 1920 में हुई थी। भारतीय रेड क्रॉस का मिशन हर समय सभी प्रकार की मानवीय गतिविधियों को प्रेरित करना, प्रोत्साहित करना और आरंभ करना है ताकि मानवीय पीड़ा को कम किया जा सके और रोका भी जा सके। इस प्रकार शांति के लिए अधिक अनुकूल माहौल बनाने में योगदान दिया जा सके। वर्ष 1901 में रेड क्रॉस को शांति का सबसे पहला नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया था। इसके बाद इसे तीन अवसरों (1917,1944 और 1963 में) को नोबेल पुरस्कार दिया गया।

रेड क्रॉस सोसाइटी की भूमिका आज भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितना कि इसकी स्थापना के समय था। जैसे-जैसे दुनिया के नए-नए आविष्कार और आपदाओं का सामना होता है, रेड क्रॉस सोसाइटी का महत्व और भी बढ़ता जाता है। इसके स्वयं सेवक और कार्यकर्ता विश्वभर में मानवता की सेवा में लगे हुए हैं। वास्तव में रेड क्रॉस के 90 प्रतिशत कार्यबल में स्वयं सेवक शामिल हैं। जीवन के सभी क्षेत्रों से हजारों लोग युद्ध और मानवीय पीड़ा के समय पीड़ा को कम करने और सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इन स्वयं सेवकों की निस्वार्थता संगठन के स्थायी प्रभाव का एक प्रमाण है।

चुनावी चक्कर

● टिकट कटने से चिंता मत करिए,मै सेवा में हाजिर हूं : श्रीकला

जौनपुर सीट पर बसपा सुप्रीमो मायावती द्वारा सोमवार की रात को अकारण टिकट काट देने के बाद, सियासतदारों से लेकर जनमानस में कयास कुछ भी लगाए जा रहें हों। मगर, टिकट कटने से आहत श्रीकला धनंजय ने मंगलवार को जौनपुर की जनता को परिवार संबोधित करते हुए सोशल मीडिया पर भावुक संदेश जारी कर दिया। अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति से भी अवगत कराया। उन्होंने कहा कि टिकट कटने से आप लोग आहत और उदास हैं, मैं भी हूं। मगर, चिंता मत करिए, हम दोगुनी ताकत से आपकी सेवा में हाजिर हैं। मतदाताओं के साथ और विश्वास को अपनी ताकत बताते हुए उन्होंने(जिला पंचायत अध्यक्ष) कहा कि, सत्ता, सरकारें और पार्टियां हम(जनता) से हैं, हम उनसे नहीं। इसलिए जेठ की दुपहरिया हो या आधी रात, चुनाव जीते या हारे, चुनाव लड़े या न लड़े, हम हमेशा आपके साथ खड़े मिलेंगे। कभी भी कितनी भी विपरीत परिस्थितियां हो जाए, आपके भरोसे के साथ समझौता नहीं करूंगी। ये हमारा आपसे वादा है, जौनपुर के इस परिवार के स्वाभिमान और भविष्य के लिए कोई भी कीमत चुकाने को तैयार हूं। आपके हित के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने के लिए तैयार हूं। कभी-कभी परिस्थितियां आपके अनुकूल नहीं रह जातीं तो इसका मतलब यह नहीं है कि हार मान कर बैठ जाएं, जो राजनीति कर रहे वह वही करे, मैं तो जनसेवा कर रही हूं और करती रहूंगी।

गिरते जनाधार को बचाने में जुटी बसपा

2009 के लोस चुनाव में 27 प्रतिशत मत पाने वाली बसपा 2019 में 19.43 पर पहुंच गई

2014 में मत प्रतिशत गिरने का सिलसिला 2022 के विस चुनाव तक नहीं थमा

पद्माकर पाण्डेय, लखनऊ

अमृत विचार: लोकसभा चुनाव में सांसद जिताना ही नहीं, चुनाव दर चुनाव बसपा के गिरते जनाधार को वापस लाना वर्तमान चुनाव में सुप्रीमो मायावती की बड़ी चुनौती है। इसके लिए पार्टी प्रमुख ने एड़ी चोटी का जोर लगा रखा है, जीत की संभावनाओं से दूर होने के बावजूद, एनडीए या इंडिया गठबंधन से समझौता नहीं किया है। नेशनल कॉआर्डिनेटर आकाश आनंद के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद, चुनौती और बढ़ चुकी हैं।

मायावती का सवर्णिम काल 2007 में रहा, विधानसभा चुनाव में पार्टी ने 30.43 प्रतिशत मत प्राप्त कर पूर्ण बहुमत के साथ प्रदेश की सत्ता में काबिज हुई। मगर, सोशल इंजीनियरिंग के फार्मूले पर सत्ता संभालने वाली बसपा का यह दौर आगे नहीं चला, मुख्यमंत्रित्व काल में ही साल 2009 के लोकसभा चुनाव में 27 प्रतिशत के आसपास मत प्राप्त कर पार्टी के 21 सांसद जीते। इसके बाद 2014 के लोकसभा चुनाव में मोदी लहर में पार्टी को कहीं ठहराव नहीं मिला, मात्र 19.77 प्रतिशत मत मिले और किसी भी प्रत्याशी को विजय माला नसीब नहीं हुई। हालात 2017 के विधानसभा चुनाव में भी नहीं बदले। निराशाजनक परिणामों से आहत मायावती ने रणनीति बदली और सदन में बने रहने के लिए 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा और अच्छे परिणाम मिले 10 सांसद जीत गये। हालांकि यह गठबंधन भी चुनाव बाद टूट गया।

लोकसभा चुनावों में स्थिति

वर्ष	चुनाव	सीट	प्रतिशत
2009	लोस	21	27.42
2014	लोस	0	19.77
2019	लोस	10	19.43

विधानसभा चुनावों में स्थिति

वर्ष	चुनाव	सीट	प्रतिशत
2007	विस	206	30.43
2012	विस	80	25.95
2017	विस	19	22.2
2022	विस	01	12.8

मायावती की बढ़ीं चुनौतियां

गठबंधन से दूर रहने के पीछे वजह कोई भी हो, मगर जनाधार को बढ़ाने के लिए प्रचार अभियान की रणनीति बिगड़ने से मायावती की चुनौतियां बढ़ चुकी हैं। आकाश आनंद के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन के मामले दर्ज होने के बाद दारोमदार अकेले मायावती पर आन पड़ा है।

पश्चिम उप्र. को अलग राज्य बनाने का मुद्दा उठाया

हालांकि राजनीति में मायावती को विविध प्रयोगों के जाना जाता है, वह सफल भी होती है। वर्तमान में पार्टी के वजूद को बनाये रखने के लिए खुलकर मुस्लिम तुष्टिकरण को भी हथियार बनाया है। इसके लिए उन्होंने मुख्यतया मुस्लिम आबादी बाहुल्य पश्चिमी उप्र. को केन्द्रित किया हैं। मुस्लिम मतदाताओं को लुभाने के लिए ही उन्होंने चुनाव में पश्चिमी उप्र. में अलग राज्य बनाने का मुद्दा उछाला है। यहीं नहीं, अधिकांश सीटों पर मुस्लिम प्रत्याशी देकर खुद को मुस्लिम हितैशी होने का मतदाताओं को संदेश देने का भी प्रयास किया है।

हाथी की सूंड़ में कमल का फूल है: संजय

अमृत विचार,लखनऊ: गर्दिश के दिनों में गुजर रही आम आदमी पार्टी (आप)के सांसद संजय सिंह ने बसपा द्वारा जौनपुर सीट पर अकारण श्रीकला धनंजय का टिकट काटने पर टिप्पणी की। सोशल मीडिया एक्स पर मंगलवार को उन्होंने पोस्ट करते हुए कहा कि हाथी की सूंड़ में कमल का फूल दिख रहा है।

पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल के जेल में बंद होने से इंडी गठबंधन के चुनावी मुहीम को भी झटका लगा है। पार्टी के नेताओं के जेल में बंद होने आहत पार्टी नेता, न तो खुद चुनाव प्रचार कर रहें हैं और न ही प्रस्तावित सभाओं में प्रतिनिधि भेज रहें हैं। प्रचार से बेरूखी सांसद संजय सिंह गत माह जेल से छूटकर बाहर आने के बाद भी नहीं खत्म हुई है।

हालांकि पार्टी प्रवक्ता कहना है कि सांसद ने सपा के अखिलेश यादव के साथ कुछ सभाएं साझा कर चुके हैं। मालूम होकि दिल्ली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी से आप ही नहीं, इंडिया गठबंधन की चुनावी प्रचार की रणनीति को भी झटका लगा है।

अपनी ढपली अपना राग

सपा के समय नौजवानों के हाथों में तमंचे पकड़वाए जाते थे। हमने उनके हाथों में टैबलेट थमाया। इससे प्रदेश का युवा स्मार्ट नौजवान हुआ है। -योगी आदित्यनाथ

सपा, बसपा व कांग्रेस समेत तमाम इंडी गठबंधन के दल के लोगों को पता ही नही कि देश के 140 करोड़ लोगो के दिल में मोदी जी रहते है। -केशव प्रसाद मौर्य

हर हाल में जीत दर्ज करनी है, मैं आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ूंगी। अभी जिसे डर लगता है वो पीछे हट जाए फिर नहीं हटने दूंगी। -प्रियंका गांधी

इनको ये पता नही है कि सरकारें बदलती हैं। जब सरकार बदलेगी तो पता चलेगा कि निष्पक्ष चुनाव कैसे होता है। - शिवपाल यादव

चुनाव में अब कहीं नहीं दिखाई देता होश गंवाने वाला जोश

खालिद अय्यूबी, हरदोई

अमृत विचार: सदियां नहीं बल्कि कुछ साल ही गुज़रे होंगे जब हर चौराहे और दोराहे पर होने वाले चुनावी शोर से नींद को कोसो दूर भगा देती थीं। एक कहावत बड़ी मशहूर है,बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना उस जमाने के चुनाव में कदम-कदम पर बेगानी शादी वाले अब्दुल्ला दीवाने नज़र आते थे,लेकिन धीरे-धीरे वक्त बदला तो चुनावी नक्शा भी बदल गया। उस दौर के चुनाव में जोश के साथ होश गंवाने वाले भी बहुतेरे दिखाई देते थे,लेकिन अब ऐसा कुछ नही। जैसे-जैसे वोट पड़ने की तारीख नज़दीक आती जा रही है,वैसे-वैसे खामोशी की चादर अपना दायरा और बढ़ाती जा रही है।

पहले का चुनाव लोगों के जेहन में आज भी ज़िदा है। बताया जाता है कि चुनाव आते ही चौराहों की चमक बढ़ जाती थी। चुनावी चक-चक में दिन-भर की थकान भी बे-असर रहती थी। शराफत हुसैन 80 के दशक वाले चुनाव को याद करते हुए बताते है कि उस दौर में सारी-सारी रात चहल-पहल रहा करती थी। आधी रात गुज़र जाती थी,लेकिन भूख और प्यास का दूर-दूर तक कोई पता नहीं होता था,जब तक अब्बा कनबुच्ची नहीं लगाते थे,तब तक चुनाव का बुखार नहीं उतरता था। कुछ ऐसा ही रामभजन ने भी बताया,उन्होनें काफी ज़ोर देते हुए बताया कि उस वक्त के चुनाव में बहुत मज़ा आता था,एक-एक बिल्ले के लिए न जाने कहां-कहां तक की दौड़ लग जाया करती थी। चुनाव का शोर ऐसा होता था कि रात जाग कर गुज़र जाती थी। तब एक-दो नहीं बल्कि कई बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाने घूमा करते थे। लेकिन वक्त के साथ सब कुछ बदल गया,बेगानी शादी जैसा चुनाव रह गया और न ही अब्दुल्ला दीवाने दिखाई देते है। पहले का चुनाव भी क्या चुनाव होता था,लोग अपना घर-बार छोड़ कर चुनाव का हिस्सा बन कर उसी के जोश में अपना होश गंवा बैठते थे,खूब बेवड़े भी इधर-उधर टकराया करते थे,लेकिन अब ऐसा कुछ भी नहीं रहा,अब तो जैसे-जैसे वोट पड़ने की तारीख नज़दीक आती जा रही है,वैसे-वैसे खामोशी वाली चादर अपना दायरा और बढ़ाती जा रही है।

बनतीं और फिर बिगड़ जाती थीं सरकारें!

हरदोई। पहले का चुनावी शोर कुछ अलग ही हुआ करता था,जहां पर चार यार इकट्ठा हो जाते थे,वहीं पर सरकारें बन कर बिगड़ जाया करती थी। चाय की चुस्की और बीड़ी-सिगरेट के लंबे-लंबे कश खींच कर शुरु होने वाली बहस तब तक चला करती थी,जब तक ख्वाब-ओ-ख्यालों में फंला पार्टी सरकार बन कर बिगड़ नहीं जाया करती थी। कहीं-कहीं पर तो फंला पार्टी सरकार बनाने जा रही है,की रुपयों की शर्त लगा करती थी। लेकिन बदलते वक्त के चुनाव में सारा कुछ बदल गया,न तो वैसे लोग रहे और न ही वैसा चुनाव...

भाजपा मोदी-योगी और इंडी गठबंधन राहुल-अखिलेश के सहारे

6 लाख 25 हजार मुस्लिम तो 13 लाख हिन्दू मतदाता करेंगे प्रत्याशियों का फैसला

भाजपा ने प्रवीण निषाद पर फिर लगाया दांव तो सपा से लक्ष्मीकांत मैदान में

अनुसूचित वर्ग और मुस्लिम वोटों के सहारे हैं बसपा के प्रत्याशी नदीम अशरफ

गोरखनाथ मिश्र, संतकबीरनगर

अमृत विचार: चुनाव की तिथियां धीरे-धीरे करीब आती जा रही हैं। दलों में खेमेबंदी का दौर शुरू हो चुका है। भाजपा के प्रत्याशी और सांसदं प्रवीण निषाद एक ओर जहां मोदी और योगी के सहारे चुनावी मैदान में है तो वहीं सपा प्रत्याशी इंडी गठबंधन के तहत राहुल और अखिलेश के बल पर जीत का दंभ भर रहें, बसपा ने यहां से तीन बार प्रत्याशी बदल मतदाताओं में ही नहीं अपने कार्यकर्ताओं में भी ऊहापोह कि स्थिति उत्पन्न कर दी है।

प्रत्याशियों की लोकप्रियता पर बात करें तो भाजपा प्रत्याशी इंजीनियर प्रवीण निषाद यहां के निवर्तमान सांसद भी हैं। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद के बेटे इं. प्रवीण निषाद को यह सीट समझौते में मिली है। लेकिन भाजपा नेतृत्व ने इन्हें निषाद पार्टी का सिम्बल न देकर भाजपा के कमल चुनाव चिन्ह पर ही चुनाव मैदान में उतारा है। अपने पांच वर्षों के कार्यकाल के दौरान सांसद प्रवीण निषाद सार्वजनिक रूप से भी कहते सुने गए कि मतदाताओं ने मुझे नहीं बल्कि मोदी और योगी के नाम पर भाजपा को चुनाव जिताया है। यही वजह रही कि पूरे कार्यकाल के दौरान उन्होंने कभी मतदाताओं और भाजपा कार्यकर्ताओं से जुड़ने में दिलचस्पी नहीं दिखाई। भाजपा नेतृत्व ने वर्तमान चुनाव में भी प्रवीण को जब प्रत्याशी घोषित किया तो शुरुआती दौर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनके विरोध में झंडा बुलंद कर दिया। बाद में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं नेता मोदी और योगी के नाम और सम्मान की दुहाई देते हुए कार्यकर्ताओं के विरोध का पटाक्षेप करा दिया है। भाजपा प्रत्याशी का यहां अपना कोई व्यक्तिगत जनाधार नहीं है। उनको प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के नाम और काम का ही सहारा है। इंडी गठबंधन के प्रत्याशी लक्ष्मीकांत उर्फ पप्पू निषाद की बात करें तो मेंहदावल विधानसभा क्षेत्र से विधायक और अखिलेश यादव के नेतृत्व की सपा सरकार में राज्यमंत्री रह चुके हैं। कार्यकाल पूर्ण होने के बाद पिछले साल वर्षों के दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी के बैठकों और कार्यक्रमों में आना तक बंद कर दिया था। बीते निकाय चुनाव में वे अपने भाई की पत्नी को नवगठित नगर पंचायत बेलहर कला से सपा से चेयरमैन पद का प्रत्याशी घोषित कराने के बाद वे अचानक सामने आए थे।

इस चुनाव में उनके भाई की पत्नी बुरी तरह से पराजित हो गई थीं। अब जबकि समाजवादी पार्टी ने उन्हें अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है तो उन्हें इंडी गठबंधन का ही सहारा है। समाजवादी पार्टी के सामान्य कार्यकर्ताओं में उनके नाम पर गहरी नाराजगी है। दिखाने के लिए तो सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता अपने प्रत्याशी के साथ दिखाई दे रहे हैं लेकिन कार्यकर्ताओं का अंदरूनी विरोध गठबंधन प्रत्याशी के लिए भारी पड़ सकता है। बसपा प्रत्याशी की बात करें तो संतकबीरनगर लोकसभा सीट के लिए बसपा ने तीन बार प्रत्याशी बदला है। पहले यहां से बसपा ने मोहम्मद आलम को प्रत्याशी घोषित किया था। अनमने भाव से घोषित प्रत्याशी ने जनपद मुख्यालय पर पहुंच कर पत्रकारों से बातचीत किया और फिर एक सप्ताह के लिए लापता हो गए। जिले से हुई रिपोर्टिंग के बाद बसपा ने मोहम्मद आलम का टिकट काटकर सैयद दानिश को प्रत्याशी घोषित कर दिया। दो दिन बाद ही पता चला कि सैयद दानिश का नाम मतदाता सूची में शामिल ही नहीं है।

इसके बाद बसपा ने आनन-फानन में सैयद दानिश के बड़े भाई नदीम अशरफ को प्रत्याशी घोषित कर दिया। बसपा द्वारा बार-बार प्रत्याशी बदले जाने को लेकर बसपा कार्यकर्ताओं में ही जबरदस्त ऊहापोह की स्थिति है। जानकारों का कहना है कि बसपा प्रत्याशी को बसपा के परम्परागत वोटर जाटव समाज का भी समर्थन नहीं मिल रहा है। कारण कि बसपा द्वारा घोषित प्रत्याशी का कोई राजनैतिक कैरियर नहीं रहा है। गुमनाम चेहरे को लेकर बसपा का चुनाव अभियान कैसे पार होगा। हालांकि बसपा नेताओं को उनके परम्परागत दलित वोटरों और मुस्लिम प्रत्याशी के चलते मुसलमान वोटरों में बंटवारे के सहारे चुनावी बढ़त मिलने की उम्मीद तो है।

प्रवीण निषाद

लक्ष्मीकांत

नदीम अशरफ

लोकसभा क्षेत्र के मतदाता

यहां के मतदाताओं की स्थिति पर गौर करें तो यहां कुल मतदाताओं की संख्या 19 लाख 94 हजार 454 है। यहां महिला मतदाता लगभग 8 लाख 87 हजार 224 है तो वहीं पुरुष मतदाता लगभग 10 लाख 57 हजार 144 है। यहां मुस्लिम मतदाताओं की संख्या करीब 6 लाख 35 हजार तो हिन्दू मतदाताओं की संख्या लगभग 13 लाख 59 हजार के आसपास है।

सपा की मजबूत खेमेबंदी

समाजवादी पार्टी की तगड़ी खेमेबंदी के चलते मुस्लिम मतदाताओं में बंटवारे की गुंजाइश काफी कम है। यही वजह है कि बसपा के लिए समर्पित रहने वाले दलित वोटरों में भी भाजपा के प्रति आकर्षण देखा जा रहा है। अब देखना यह होगा कि भाजपा प्रत्याशी की तगड़ी खेमेबंदी विरोधी प्रत्याशियों पर कितनी बढ़त बना पाती है। वैसे जैसे जैसे चुनाव की तिथि करीब आती जा रही है संतकबीरनगर लोकसभा सीट की लड़ाई द्विकोणीय बनती दिखाई दे रही है।

पिछले दो लोकसभा चुनाव में राजनीतिक दलों की स्थिति

2019 में किसको कितने वोट

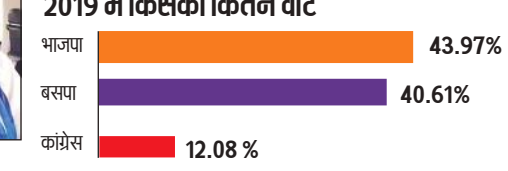

दल	उम्मीदवार	वोट
भाजपा	प्रवीण कुमार निषाद	4,67,543
बसपा	भीष्म शंकर	4,31,794
कांग्रेस	भाल चन्द्र यादव	1,28,506

2014 में किसको कितने वोट

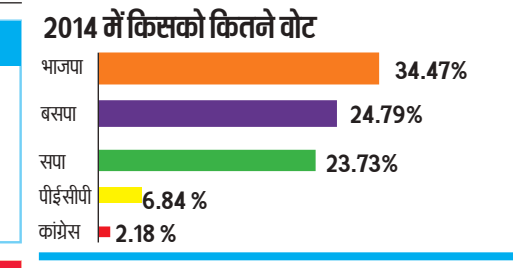

दल	उम्मीदवार	वोट
भाजपा	शरद त्रिपाठी	3,48,892
बसपा	भीष्म शंकर	2,50,914
सपा	भाल चन्द्र यादव	2,40,169
पीईसीपी	राजा राम	69,193
कांग्रेस	रोहित कुमार पांडे	22,029

भाजपा ने की सेंधमारी

भाजपा ने समाजवादी पार्टी में तगड़ी सेंधमारी कर जिलापंचायत अध्यक्ष, पूर्व विधायक और व्यापक जनाधार वाले नेता, नगरपालिका चेयरमैन, तमाम जिलापंचायत सदस्यों और सपा समर्थित तमाम ग्राम प्रधानों को अपने पाले में खींचकर शुरुआती बढ़त ले लिया है। बताते चलें कि संतकबीरनगर लोकसभा सीट का इतिहास रहा है कि यहां अबतक के इतिहास में सिर्फ बसपा के टिकट पर भीष्म शंकर उर्फ कुशल तिवारी ने ही लगातार दो बार जीत दर्ज किया है। उनके अलावा यहां के मतदाताओं ने किसी भी प्रत्याशी को लगातार दो बार जीत की माला नहीं पहनाई है।

2024 में सरकार बनाने जा रहा इंडी गठबंधनः अविनाश

अमृत विचार, लखनऊ : कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने कहा कि 2024 में इंडी गठबंधन सरकार बनाने जा रहा है। प्रदेश प्रभारी मंगलवार को लोकसभा क्षेत्र फतेहपुर, बांदा, हमीरपुर व झांसी में इंडी गठबंधन की समन्वय बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने गठबंधन के प्रत्याशियों को जीतने का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि यह चुनाव देश के संविधान, जनता का अधिकार, वंचितों का आरक्षण और बच्चों का भविष्य बचाने का चुनाव है। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी व महंगाई के खिलाफ जनता इंडी गठबंधन की सरकार बनाने जा रही है।

इलेक्शन बायस्कोप

बहराइच में आयोजित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जनसभा में भाजपा व सहयोगी दल के कार्यकर्ताओं का उत्साह चिलचिलाती धूप में भी कम नहीं हुआ, हालाकि धूप से बचाने को टेंट की व्यवस्था की गई थी लेकिन वह पर्याप्त नहीं था। -अमृत विचार

दलों का खेल, जाति की पटरी पर दौड़ा रहे चुनावी रेल

वोटों के ध्रुवीकरण के लिए सभी प्रमुख दल जाति आधारित प्रतिनिधियों को मैदान में उतार कर झोंक रहे ताकत

श्रीनिवास त्रिपाठी, बाराबंकी

अमृत विचार: जुबां पर जन और जेहन में जाति सियासत की यह हकीकत इस बार के लोकसभा चुनाव में जिले में नजर आने लगी है। चुनाव आयोग भले ही जाति व धर्म पर मतों के ध्रुवीकरण के प्रयास को अनुचित ठहराता रहा है, किन्तु वास्तविकता यह है कि सभी दल अपनी-अपनी चुनावी रेल जाति की पटरी पर दौड़ा रहे हैं। बाराबंकी सीट आरक्षित होने के बावजूद जिले की राजनीति में अपना रसूख रखने वाले प्रत्याशियों को अपने पाले में लाने की कवायद यहां की राजनीति में बड़ी तेजी से चल रही है।

चुनाव प्रचार के साथ ही जातीयता की लहर चलाने की कोशिश शुरू हो गयी है। पार्टी चाहे भाजपा हो या कांग्रेस (इंडिया गठबंधन) या बसपा ही क्यों न हो, विधानसभावार हर जाति के बड़े नेताओं की सभा के सहारे जातीय मतों का ध्रुवीकरण कर अपने पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश में कोई कोर -कसर नहीं छोड़ना चाहता पर नेता इसे सामाजिक भागेदारी तो कहीं सोशल इंजीनियरिंग का नाम देकर जायज ठहरा रहे। हर क्षेत्र के महारथी जातीय गठजोड़ के सहारे मैदान मारने की जुगत में जुट गए हैं।

मगर ये आंकड़े आये कहां से:चौकाने वाली बात है कि जातीय जनगणना के जातिवार आंकड़े भी सार्वजनिक नहीं किये जा रहे हैं। जाति आधारित कोई अधिकृत अलग से गणना नही की गई है। इसके बावजूद सभी प्रत्याशियों की अपनी सीट के लिए जातीय आंकड़े कण्ठस्थ हैं। दलों के पास भी हर सीट का जातीय आंकड़ा होता है। इसके पीछे दावा किया जाता है कि उन्होंने कार्यकर्ताओं द्वारा डाटा तैयार करवाये हैं।

राजनीतिक दलों का जातीय समीकरण

बसपा ने हाल में ही केके गौतम को जिलाध्यक्ष नियुक्त किया। बताया जा रहा है कि जातीय समीकरण साधने को ऐसा किया गया है। बसपा ने यहां से शिवकुमार दोहरे को प्रत्याशी बनाया है। दोहरे को कायस्थ मतों पर पकड़ रखने की वजह से उम्मीदवार बनाया गया है। इंडिया गठबंधन से कांग्रेस के सिंबल पर चुनाव लड़ रहे तनुज पुनिया के साथ पूर्व मंत्री राकेश वर्मा कुर्मी बेल्ट पर मजबूत प्रभाव रखते हैं। क्षत्रियों के स्वीकार्य नेता पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप क्षत्रियों में, यादव बिरादरी के असरदार नेता सदर विधायक सुरेश यादव, रावत बिरादरी में पैठ रखने वाले पूर्व सांसद रामसागर रावत व गौरव रावत व मुस्लिम मतों के ध्रुवीकरण के लिए फरीद महफूज जैसे कद्दावर नेता हैं। भाजपा किसी भी कीमत पर परम्परागत मतदाताओं को अपने पास से जाने नहीं देना चाहती। नामांकन में स्वतंत्रदेव सिंह की मौजूदगी कुर्मी बिरादरी में मजबूत संदेश देने के लिए थी। भाजपा के पास ब्राह्मण चेहरे के रूप में सतीश चन्द्र शर्मा, पूर्व विधायक शरद अवस्थी, क्षत्रिय मतों के ध्रुवीकरण के लिए विधान परिषद सदस्य अंगद सिंह, जिला प्रभारी इंजीनियर अवनीश सिंह, कुर्मियों के नेता विधायक साकेंद्र वर्मा व पिछड़ी बिरादरी के वोटों के ध्रुवीकरण के लिए भाजपा जिलाध्यक्ष अरविंद मौर्य के बहाने चुनावी वैतरणी पार करने में लगी है। जातियों का द्वंद्व यहां नया नहीं, बहुत पुराना है।

अब भाजपा के खेमे में हैं सपा व बसपा के चेहरे

बसपा से विधानसभा सदर से चुनाव लड़ चुके डा. विवेक वर्मा अब भाजपा में हैं तो वहीं बसपा से ही रामनगर विधानसभा चुनाव लड़े रामकिशोर शुक्ला भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में अपनी जाति के मतों के ध्रुवीकरण को लेकर डेरा डाले हैं। डॉ. विवेक वर्मा नेत्र चिकित्सक हैं अन्य जातियों में भी उनकी मजबूत पैठ की चर्चा लोगों की जुबां पर है। तो वहीं सपा का दामन छोड़कर आयीं पूर्व सांसद स्व. कमला प्रसाद रावत की पुत्रवधू जिपं सदस्य लवली रावत भाजपा के लिए गांवों की खाक छान रही हैं। चुनाव से पहले सपा की जिला पंचायत सदस्य नेहा आनंद भी भाजपा के पक्ष में वोट मांगती नजर आ रही हैं। इंडिया गठबंधन में पूर्व विधायक मीता गौतम के शामिल होने के बाद से लोकसभा चुनाव में प्रत्याशियों के बीच मुकाबला दिलचस्प होता जा रहा है।

चुनाव में जाति-धर्म का उपयोग रोकना है तो चुनाव आयोग को इस दिशा मे शक्ति दिखानी होगी। खुलेआम एजेंडो से लेकर मंचों तक जाति-धर्म की बात हो रही है। जनसम्पर्क से लेकर सोशल मीडिया तक पर जाति-धर्म के आधार पर मतदाताओं को प्रभावित करने का काम किया जा रहा है। इसे रोकने के लिए प्रभावी अंकुश की जरूरत है।

वीपी शुक्ला, सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश

चुनाव आते ही विकास के मुद्दे छुप जाते हैं और जाति- धर्म के मुद्दे हावी होने लगते है। पार्टियां भी इसे ध्यान में रखकर प्रत्याशी का चयन करतीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव में जाति-धर्म के आधार पर राजनीति पर रोक लगाकर अनुचित करार दिया है। बावजूद इसके गम्भीर मुद्दों को लेकर कम जबकि जातिगत आधार पर राजनीति कर रहे हैं, जो अनुचित है।

हिसाल बारी किदवई, अध्यक्ष जिला बार एसोसिएशन

सात युवकों ने किशोरी से किया दुष्कर्म, पांच आरोपी गिरफ्तार

प्रेमी ने ही झांसा देकर कपड़े खरीदने के बहाने बुलाया

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : ठाकुरगंज की रहने वाली किशोरी के साथ सात युवकों ने दुष्कर्म किया। घटना की साजिश खुद किशोरी के प्रेमी ने रची थी। उसने शादी का झांसा देकर किशोरी को पहले बुलाया फिर कपड़े खरीदने के बहाने दोस्तों के साथ अगवा कर ले गया।

एक गैराज में ले जाकर किशोरी को बंधक बना लिया और उसके बाद बारी-बारी से उसे हवस का शिकार बनाया। पुलिस ने मंगलवार को एफआईआर दर्ज कर प्रेमी सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। जबकि दो साथी अभी भी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। ठाकुरगंज क्षेत्र में रहने वाली युवती ने पुलिस को बताया कि उसकी छोटी बहन 17 वर्ष की है। उसकी दोस्ती हिमांशु सोनी नाम के युवक से थी। इसकी जानकारी परिजन को भी थी। हिमांशु ने उसे शादी का झांसा दिया था। उसने बीती 3 मई को किशोरी को शादी का सामान खरीदने के बहाने बुलाया फिर उसे एक गैराज में लेकर गया। जहां काफी देर तक बंधक बनाए रखा। इस दौरान हिमांशु और उसके छह दोस्तों ने बारी-बारी से उसके साथ दुष्कर्म किया।

तबीयत बिगड़ने पर मंदिर के पास छोड़कर भागे

युवती का आरोप है कि उसकी बहन की तबीयत बिगड़ने पर आरोपी उसे बेसुध हालत में एक मंदिर के गेट के बाहर छोड़कर भाग गए। जाते समय धमकी दी कि अगर इस बारे में किसी को बताया तो जान से मार देंगे। पीड़िता ने किसी तरह राहगीरों की मदद से परिजन को जानकारी दी। मौके पर पहुंचे परिजन उसे लेकर घर गए।

ट्रेन से कटकर युवक की मौत सिर इंजन में फंसा

शाहजहांपुर, अमृत विचार : रेलवे स्टेशन पर रन थ्रू ट्रेन की चपेट में आकर एक युवक की कटकर मौत हो गई। सिर इंजन के काउकेचर में फंस कर चला गया। उसके शरीर के कई अंग टुकड़े होकर रेलवे लाइन पर बिखर गए। रेल लाइन तीन पर पौन घंटे तक रेल संचालन बाधित रहा। रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म दो तथा तीन को ऊंचा किया गया है। मंगलवार की सुबह पौने छह बजे एक युवक प्लेटफार्म चार से उतरकर प्लेटफार्म तीन पर रेल लाइन पार करके जा रहा था। लखनऊ की दिशा की तरफ से रन थ्रू ट्रेन बरेली की ओर जा रही थी। ट्रेन की चपेट में आकर उसकी कटकर मौत हो गई। स्टेशन मास्टर ने जीआरपी तथा आरपीएफ को मेमो दिया। आरपीएफ तथा जीआरपी प्लेटफार्म तीन की रेल लाइन पर पहुंची और शव के टुकडों को एकत्रित करके पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

गंगा में डूबने से तीन बच्चों की मौत, कई घंटे बाद मिले शव

संवाददाता, गंजडुंडवारा (कासगंज)

गंगा में डूबे बच्चों को तलाश करते गोताखोर।

अमृत विचार : ग्राम पंचायत सिकंदरपुर वैश्य के गांव नगला खंदारी के तीन बच्चे गंगा में नहाते समय गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। पीएसी फ्लड यूनिट के जवानों और स्थानीय गोताखोरों ने कड़ी मशक्कत के बाद तीनों बच्चों के शव निकाले। एसडीएम और सीओ ने मौका मुआयना किया।

मंगलवार को गांव नगला खंदारी के ग्रामीण चुनाव में व्यस्त थे। दोपहर में भीषण गर्मी लगने पर 10 वर्षीय रोहित पुत्र रामपाल, उसी की उम्र का सुभाष पुत्र श्याम सिंह और आशीष पुत्र राजपाल गांव के पास गंगा में नहाने चले गए। अचानक गहरे पानी में डूबने लगे। चीख-पुकार सुनकर मौके पर मौजूद ग्रामीण गोताखोर गंगा में कूदे। तीनों के परिजन भी जा पहुंचे। सूचना पर पटियाली के एसडीएम कुलदीप सिंह, सीओ वीके राना भी मौके पर पहुंचे। एसडीएम ने पीएसी की फ्लड यूनिट को बुलाकर बच्चों की तलाश कराई। घंटों की मशक्कत के बाद शाम को तीनों बच्चों के शव गंगा से निकाले जा सके। एसडीएम कुलदीप सिंह ने कहा कि मृतकों के परिजनों को आर्थिक मदद दिलाई जाएगी।

सिपाही बेकसूर, प्रेमी ने की थी किशोरी की हत्या

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: संदिग्ध परिस्थितियों में किशोरी की मौत का मामला पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने पर हत्या का निकला। उसकी गला दबाकर हत्या की गई थी। हत्या में नामजद सिपाही, उसकी प्रेमिका बेगुनाह थे।

हत्या मृतका के कथित प्रेमी नामजद आरोपी साहिम ने प्यार में धोखा मिलने पर की थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया। एएसपी विक्रम दाहिया ने प्रेसवार्ता कर घटनाक्रम का खुलासा किया। आरोपी को पुलिस ने जेल भेज दिया। घटना जहानाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम अमखिड़िया की है। यहां की निवासी जाकिरा बेगम पत्नी इकबाल नेपाल में मजदूरी करने गई हुई थी। उनकी 16 वर्षीय पुत्री शीरी अपने दादा दादी के पास रुकी थी। 13 अप्रैल को शीरी की संदिग्ध हालात में मौत हो गई थी। इसमें सिपाही राजकुमार जो वर्तमान में मुरादाबाद में तैनात है दोषी ठहराया गया था। छानबीन के बाद सिपाही बेकसूर निकला।

5वें चरण को कांग्रेस ने बनाये स्टार प्रचारक

लखनऊ, अमृत विचार : प्रदेश में पांचवें चरण की सीटों पर चुनाव के लिए कांग्रेस ने स्टार प्रचारक नियुक्त किये हैं। इनमें कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, नेता विधानमंडल दल आराधना मिश्रा मोना, सलमान खुर्शीद, राज बब्बर, पीएल पुनिया, नसीमुद्दीन सिद्दीकी, नकुल दुबे समेत 40 नेता शामिल हैं। प्रदेश कांग्रेस ने पार्टी प्रत्याशियों समेत इंडी गठबंधन के प्रत्याशियों को जिताने के लिए चुनाव अभियान तेज कर दिया है।

लखनऊ में होगी देश की सबसे बड़ी गुलाब वाटिका

गोपाल सिंह, लखनऊ

- **जनेश्वर मिश्र पार्क में एलडीए विकसित कर रहा रोज गार्डन**
- **देश-विदेश की करीब 2,500 प्रजातियों के गुलाब देखने को मिलेंगे**

अमृत विचार : जनेश्वर मिश्र पार्क विभिन्न प्रजातियों के गुलाब की खुशबू से जल्द ही महकेगा। यह देश का सबसे बड़ा रोज गार्डन (गुलाब वाटिका) होगा।

लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) जनेश्वर मिश्र पार्क में लगभग 30 एकड़ में गुलाब वाटिका विकसित कर रहा है। इसके लिए प्राधिकरण ने गुलाबों की कई प्रजातियां विदेशों से मंगवाई हैं। बागवानी व फूलों के शौकीनों को यहां करीब 2,500 प्रजातियों के गुलाब देखने को मिलेंगे। एलडीए 2,000 प्रजातियों के गुलाब के पौधे अब तक लगा चुका है। 500 अन्य प्रजातियों के पौधे इसी वर्ष अक्टूबर माह तक लगकर तैयार हो जाएंगे। इसके बाद रोज गार्डन को दर्शकों के लिए खोल दिया जाएगा। गुलाब वाटिका में एलडीए के उद्यान विभाग ने 103 प्रजातियों के गुलाब लगाए हैं। अमेरिका, इंग्लैंड सहित कई देशों की प्रजातियों के गुलाब के पौधे यहां लगाये जा रहे हैं। इनमें लाल, पीला, पिंक, सफेद, नीला, काला और मल्टी कलर गुलाब शामिल हैं। देश का सबसे बड़ा रोज गार्डन अभी कर्नाटक के ऊटी में है। यहां लगभग 2200 प्रजातियों के गुलाब लगे हैं। इसके बाद चंडीगढ़ का स्थान था। यहां 1,800 प्रजातियों के गुलाब के पौधे लगे हैं। लखनऊ ने चंडीगढ़ को पीछे छोड़ दिया है।

योगी और प्रो. राम गोपाल के बीच राम मंदिर पर तकरार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

सपा नेता बोले, मंदिर वास्तु के अनुसार नहीं बनाया गया

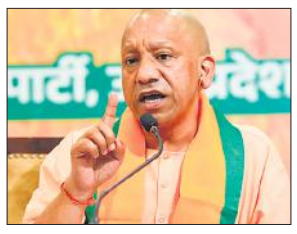

- **योगी ने कहा, उनका बयान करोड़ों रामभक्तों का अपमान**

अमृत विचार : अयोध्या के राम मंदिर को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव के एक बयान के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। योगी ने राम गोपाल के बयान को हिंदू विरोधी और रामभक्त हिंदू समाज का अपमान बताया है।

सपा नेता राम गोपाल ने एक न्यूज चैनल के संवाददाता से राम मंदिर को बेकार बताते उल्टा सवाल किया कि, मंदिर ऐसे बनाए जाते हैं? मंदिर ऐसे नहीं बनते हैं, पुराने मंदिर देख लीजिए दक्षिण से लेकर उत्तर तक देख लीजिए। नक्शा ही ठीक नहीं बना है। उसे वास्तु के लिहाज से ठीक नहीं बनाया गया है।

सपा नेता के इस बयान पर मंगलवार को मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके बयान से सपा की मंशा सामने आ गई है। योगी ने कहा कि ऐसा बयान सपा व कांग्रेस के साथ इंडिया गठबंधन के सच को उजागर करता है। यह लोग वोट बैंक के लिए न केवल भारत की आस्था से खिलवाड़ कर रहे हैं, बल्कि राम की ईश्वरीय सत्ता को चुनौती देने का काम कर रहे हैं। इतिहास गवाह है कि जिसने भी ईश्वरीय सत्ता को चुनौती दी है, उसकी दुर्गति हुई है।

कन्नौज में मंदिर धोने को लेकर भी विवाद

मंगलवार को रमईपुर (कानपुर) में जनसभा करने पहुंचे सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, जिस तरह भाजपाइयों ने कन्नौज में मंदिर को धोया, ठीक वैसे ही अब पीडीए लोकसभा चुनाव में भाजपा को धोने जा रहा है। जनता भाजपा के खिलाफ वोट डाल-डालकर ऐसा धोएगी कि दोबारा नहीं लौटेंगे। दरअसल, सोमवार को अखिलेश यादव ने कन्नौज में जनसंपर्क अभियान की शुरुआत करने से पहले शहर के सिद्धपीठ बाबा गौरीशंकर मंदिर पहुंचकर पूजा की थी। पूजा करते हुए अखिलेश का वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो गया। इस वीडियो में दूसरे समुदाय के कुछ सपा कार्यकर्ता मंदिर प्रांगण में जूता पहनकर टहलते हुए दिखे थे, जिसका भाजपा कार्यकर्ताओं ने विरोध किया था। देर शाम भाजपा कार्यकर्ताओं की एक टीम मंदिर पहुंची और गंगाजल से धुलाई कर मंदिर की साफ-सफाई की थी।

माधोटांडा-खटीमा मार्ग पर रात में आवागमन पर लग सकता है ब्रेक

पीलीभीत, अमृत विचार: पीलीभीत टाइगर रिजर्व क्षेत्र के अंतर्गत माधोटांडा-खटीमा मार्ग पर रात के समय आवागमन बंद हो सकता है। वजह यह है कि बाघ समेत अन्य वन्यजीव रात में सड़कों पर आने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। ऐसे में वन्यजीवों की जान को खतरा भी है। वन्यजीवों की सुरक्षा की दृष्टि से टाइगर रिजर्व प्रशासन माधोटांडा-खटीमा मार्ग पर रात्रि के समय आवागमन पर प्रतिबंध लगाने पर मंथन कर रहा है। वहीं इसी मार्ग पर वाहनों की रफ्तार पर अंकुश लगाने को जल्द ही बैरियर लगाए जाएंगे।

सार-संक्षेप

90 साल पार कर चुकी बुजुर्ग ने लगाई फांसी

हरदोई, अमृत विचार : 90 साल पार कर चुकी बुजुर्ग महिला सोमवार पोते से मिलने के लिए घर से निकली,उसके बाद वापस नहीं लौटी। मंगलवार की सुबह उसका शव जंगल में बबूल के पेड़ से लटका देखा गया। कछौना कोतवाली के लोन्हारा की रहने वाली भगौता पत्नी जंगू अपनी उम्र के 90 साल पार चुकी थी। सोमवार को भगौता अपने पोते संतोष पुत्र किशोर के पास बालामऊ जाने की बात कह कर घर से निकली थी। उसके बाद देर शाम तक घर न पहुंचने पर उसकी तलाश की जाने लगी,लेकिन कहीं से कोई सुराग नही लगा। मंगलवार की सुबह कुछ ग्रामीण गांव के दक्षिण जंगल की तरफ शौच के लिए पहुंचे,जहां उन्होंने देखा कि बुजुर्ग भगौता का शव वहां एक बबूल के पेड़ में साड़ी के फंदे से फांसी पर लटक रहा था। इसका पता होते हीपुलिस मौके पर पहुंची । बताते हैं कि भगौता के चार बेटे थे, जिनमें से तीन बेटों की पहले ही मौत हो चुकी थी, वह सबसे छोटे बेटे के पास रहती थी। घरवालों का कहना है कि वह कुछ दिनों से बड़ी गुमसुम रहा करती थी।

हाइटेंशन का तार गिरा, पति-पत्नी की मौत

हरदोई, अमृत विचार : खेत पर पसीना बहा रहे पति के लिए पानी ले कर पहुंची उसकी पत्नी पेड़ के नीचे बैठी हुई थी,उसी बीच वहां से निकला बिजली का हाइटेंशन तार पत्नी के ऊपर टूट कर गिर पड़ा,उसे देखते ही पति उसे बचाने दौड़ा,नतीजतन उसकी चपेट में आने से दोनों की वहीं पर मौत हो गई। मंगलवार को हुए हादसे से इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। बताया गया है कि मंगलवार को अरवल थाने के तेरा परसौली निवासी 45 वर्षीय रामभजन अपने खेत पर था,वहीं उसकी 40 वर्षीय पत्नी हेमकली उसके लिए पानी ले कर पहुंची। बताते है कि धूप से चल कर पहुंची हेमकली वहीं पेड़ के नीचे बैठ गई,कोई कुछ समझ भी नहीं पाया,उसी बीच ऊपर से निकला हाइटेंशन बिजली का तार टूट कर उसके ऊपर गिर पड़ा। पत्नी हेमकली को करंट से छटपटाता देख पति रामभजन उसे बचाने दौड़ पड़ा। हाइटेंशन करंट की चपेट में आने से उन दोनों की वहीं पर दर्दनाक मौत हो गई।

पेड़ से टकराई कार, मां-बेटी की मौत, चार घायल

नौगांवा सादात, अमृत विचार : क्षेत्र में मंगलवार सुबह कार अनियंतित्र होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। हादसे में मदरसा शिक्षक की पत्नी और बेटी की मौत हो गई। कार में सवार चालक समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह हादसा नौगांवा सादात से पहले इंडियन गैस गोदाम के सामने हुआ। दरअसल, बिहार के जिला मधुबनी के रहने वाले मुफ्ती अब्दुल सलाम 25 साल से नौगांवा सादात के आले हसन मदरसे में शिक्षक हैं। वह अपनी पत्नी रुकैया, बेटी सुमैया, बेटा सलमान और अम्मार के साथ नौगांवा कस्बे में ही किराए के मकान में रहते हैं। मंगलवार सुबह मुफ्ती अब्दुल सलाम परिवार के साथ ट्रेन से अमरोहा स्टेशन पहुंचे। इसके बाद वह कार से नौगांवा जा रहे थे। कार नौगांवा कस्बा के निवासी कामिल चला रहा था। साढ़े सात बजे जैसे ही उनकी कार इंडियन गैस गोदाम के सामने पहुंची, तभी चालक को नींद की झपकी आ गई। इससे कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई।

ईवीएम ठीक रही तो गारंटी, जुमलेबाजी नहीं आएगी काम

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा है कि यूपी में धर्म की आड़ में मुस्लिम समाज का उत्पीड़न किया जा रहा है। द्वेषपूर्ण व्यवहार हो रहा है। उन्होंने तिकुनियां कांड का नाम लिए बगैर कहा कि यहां किसानों को कुचलने का काम किया गया। कहा कि राशन मोदी या भाजपा अपनी जेब से नहीं दे रही है। आपके टैक्स के रुपये से थोड़ा सा राशन आपको मिलता है। ईवीएम ठीक रही तो कोई भाजपा की गारंटी, जुमलेबाजी काम नहीं आएगी। राजकीय इंटर कॉलेज के मैदान पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने खीरी और धौरहरा लोकसभा सीट के प्रत्याशियों क्रमश: अंशय कालरा और श्याम किशोर अवस्थी के समर्थन में चुनावी सभा की। जनसभा में उमड़ी भीड़ देख वह काफी उत्साहित दिखीं। उन्होंने अपने 26 मिनट के भाषण में सभी वर्गों को साधने की कोशिश की।

वे कट्टा-बम बनाते हैं, हम विकास कराते हैं: केशव

मिर्जापुर (शाहजहांपुर), अमृत विचार : उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मिर्जापुर से सपा पर निशाना साधा। कहा सपा सरकार में खाली प्लाट हमारा है का नारा था। जिस गाड़ी में सपा का झंडा होता था, उसमें गुंडे होते थे। उन्होंने कहा कि धारा 370 और राम मंदिर तो सिर्फ ट्रेलर है। पूरी पिक्चर 400 पार के बाद जनता को दिखेगी। उन्होंने सपा को समाप्त वादी पार्टी कहते हुए अरुण सागर को भारी बहुमत से जिताने और देश को विकसित बनाने के संकल्प को पूरा कराने का वचन मांगा। कस्बे के शिवमंगल सिंह डिग्री कॉलेज में मंगलवार को आयोजित जनसभा में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने भाषण की शुरुआत भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी अरुण कुमार सागर के लिए हाथ उठाकर वोट देने की अपील के साथ की। उन्होंने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा सरकार में उनका नारा था कि खाली प्लाट हमारा है। जिस गाड़ी में सपा का झंडा होता था, उसमे गुंडे होते थे। उन्होंने शाहजहांपुर से रिश्ता बताते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव में यहां की जनता ने सभी सीटें भाजपा की झोली में डाली थीं। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि वह कट्टा और बम बनाते हैं, हम विकास कराते हैं। सपा, बसपा और कांग्रेस आईसीयू में हैं।

उत्तराखंड

प्रवक्ता से लाखों रुपये की ठगी

हल्द्वानी, अमृत विचार : जालसाजों ने एक सेवानिवृत्त प्रवक्ता को डिजिटल हाउस अरेस्ट कर लिया। फिर ड्रग्स की तस्करी के नाम पर डरा कर लाखों रुपये ट्रांसफर करा लिए। साइबर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मुखानी निवासी अंग्रेजी के प्रवक्ता हरिहर प्रसाद शुक्ला उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त हैं। उन्होंने बताया, बीती 25 अप्रैल उनके पास दो अलग-अलग नंबरों से फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को कस्टम अधिकारी बताया और कहा, उनकी आधार आईडी से एक कोरियर ताइवान भेजा गया है। पार्सल में ड्रग्स, पासपोर्ट, क्रेडिट कार्ड व अन्य गैर कानूनी सामग्री मिली है। अब उन्हें मुंबई जाना होगा। हरिहर ने आने में असमर्थता जताई तो जालसाज ने उन्हें ऑनलाइन फर्जी मुम्बई क्राइम ब्रांच से कनेक्ट कर दिया।

नैनी झील का जलस्तर गिरा पानी की आपूर्ति भी घटी

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : जल संस्थान ने नगर में पानी की सप्लाई में पांच लाख लीटर की कटौती की है। 13 एमएलडी के बजाए अब आठ एमएलडी ही पानी की आपूर्ति की जा रही है। इससे पानी की आपूर्ति के समय में करीब आधे घंटे की कमी आई है। सामान्य तौर पर नैनीताल में रोजाना दो घंटे पानी की सप्लाई की जाती है।

बढ़ती गर्मी के बीच नैनीताल में पेयजल किल्लत भी बढ़ने लगी है। पर्यटन सीजन में पानी की मांग दोगुनी हो रही है। मांग को नियंत्रित करने के लिए जल संस्थान ने आपूर्ति के समय में बदलाव किया है। अधिकारियों का दावा है कि नैनीताल में पानी की किल्लत नहीं है, पर आने वाले दिनों में रोजाना की मांग 16 एमएलडी तक पहुंच जाएगी। इसलिए अभी से पानी बचाने के लिए दैनिक सप्लाई में से पांच एमएलडी कम किया जा रहा है। जारी रोस्टर के आधार पर पानी छोड़ा जा रहा है। लोगों को पानी तो मिलेगा पर पानी की बर्बादी नहीं होगी।

एसडीआरएफ में पहली बार 12 महिला रेस्क्यूर

देहरादून। एसडीआरएफ में पहली बार 12 महिला रेस्क्यूर को शामिल किया गया है। चारधाम यात्रा मार्गों पर यह तैनात होंगी। तीन माह के प्रशिक्षण के बाद 53 जवान एसडीआरएफ में शामिल हुए हैं।

एसडीआरएफ मुख्यालय जौलीग्रांट में प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त पुलिस के 53 जवानों का 84 दिवसीय बेसिक फर्स्ट रेस्पॉन्डर कोर्स पूरा हो गया। सेनानायक मणिकांत मिश्रा ने कहा कि चारधाम यात्रा के लिए पहली बार महिला रेस्क्यूर को तैनात किया जा रहा है। राज्य में 31 स्थानों पर पोस्टें हैं। नौ अतिरिक्त स्थानों पर भी रेस्क्यू टीम को तैनात किया गया है।

घर में विस्फोट से झुलसीं महिला प्रधान

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचार : कोतवाली अंतर्गत कठायतबाड़ा में मंगलवार शाम एक घर में विस्फोट हो गया। विस्फोट से किचन में काम कर रही अल्मोड़ा के भगरतोला गांव की महिला प्रधान झुलस गईं। विस्फोट इतना तेज था कि किचन और बाथरूम के दरवाजे उखड़ गए तथा खिड़की की लोहे की रेलिंग भी मुड़ गई।

धमाके से घर के शीशे टूट गए और सारा सामान बिखर गया। विस्फोट कैसे हुआ यह अभी रहस्य बना हुआ है। घायल ग्राम प्रधान को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। कठायतबाड़ा में महाविद्यालय गेट के पास पंकज भट्ट का परिवार रहता है। वह यहां किराये के मकान में पत्नी महिमा भट्ट व बच्चों के साथ रहते हैं। महिमा अल्मोड़ा जिले में जागेश्वर के पास भगरतोला गांव की प्रधान भी हैं। मंगलवार को वह किचन में काम कर रही थी तथा उनके दो बच्चे कमरे में थे। तभी घर में विस्फोट हो गया। घटना में महिमा बुरी तरह झुलस गईं। उन्हें जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। चिकित्सक डॉ. राजीव उपाध्याय के मुताबिक वह 50 फीसदी तक झुलस गई हैं। विस्फोट का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है।

मधुमक्खियों के हमले में 8 बच्चों समेत 10 घायल

नैनीताल, अमृत विचार : ज्योलीकोट के पास जंगली मधुमक्खियों के हमले में दो नेपाली मजदूर व आठ बच्चे बुरी तरह घायल हो गए। ज्योलीकोट के बल्यूटी के पास जंगली मधुमक्खियों के हमले में आठ नेपाली बच्चे बुरी तरह घायल हो गए। बच्चों के शोरगुल के बाद बचाव में गए 40 वर्षीय दो मजदूर भी घायल हो गए। स्थानीय लोगों व पुलिस की मदद से सभी बच्चों व दोनों मजदूरों को बीडी पांडे अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल की डॉ. नेहा ने बताया कि फिलहाल बच्चों की तबियत ठीक है। घायलों में 40 वर्षीय दीपक बहादुर, भीम प्रकाश, 10 वर्षीय अम्रता, 4 वर्षीय विनीता, 3 वर्षीय विमला, 7 वर्षीय रेखा, 4 वर्षीय पार्वती, 8 वर्षीय मनीषा, 10 वर्षीय सुरेश व 3 माह का तोप बहादुर शामिल है।

गांधी स्मारक सुन्दर लाल इण्टर कॉलेज, बिलसण्डा-पीलीभीत

कृषि भूमि ठेके पर लेने हेतु सूचना

विद्यालय की ग्राम हेमपुर पिपरगहना, हर्रायपुर एवं कुरैया खुर्द स्थित अपनी कृषि भूमि का एक वर्ष (2024-25) के लिए ठेके पर उठाना चाहता है। जो भी व्यक्ति उक्त भूमि को पूर्ण/आंशिक ठेके पर लेना चाहता है, वह भूमि का नम्बर एवं रकबे के विवरण देकर मोहरबंद निविदा डाल सकता है। निविदा दिनांक 16.05.2024 को अपराहन् 1.30 बजे विद्यालय में खोली जायेगी। निविदा खुलने से पूर्व शर्तनामे पर हस्ताक्षर करने होंगे एवं पूरे वर्ष के ठेके की रकम तुरन्त जमा करनी होगी।

ग्राम	भूमि का रकबा एवं नम्बर
हेमपुर	205अ/2.50 तथा 213/4.15
कुरैया	7.12 एकड़ (तीन रकबों में)
पिपरगहना	132/2.59 तथा 140/.01
हर्रायपुर	52/1.68 तथा 54/1.03

अध्यक्ष — प्रबन्धक

गांधी स्मारक सुन्दर लाल इण्टर कॉलेज, बिलसण्डा-पीलीभीत

ग्लोबल वार्मिंग से पिघल रहे ग्लेशियर, बन रहीं झीलें

गौरव जोशी, नैनीताल

डॉ. डीएस परिहार

- **कुमाऊं विवि के भूगोल विभाग के प्राध्यापक डॉ. डीएस परिहार के शोध से खुलासा**

अमृत विचार : उत्तराखंड के ग्लेशियरों पर ग्लोबल वार्मिंग का असर दिखने लगा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि ग्लेशियरों पर तेजी से नई झीलें बन रही हैं। शोध के अनुसार ग्लेशियरों में 50 मीटर से अधिक व्यास की कई झीलें बन चुकी हैं।

विशेषज्ञों ने भूगर्भिक हलचलें होने से इन झीलों से बाढ़ का खतरा जताया है। कुमाऊं विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के प्राध्यापक डॉ. डीएस परिहार ने जीआईएस रिमोट सेंसिंग एवं सेटेलाइट डाटा से ग्लेशियरों पर अध्ययन किया है। डॉ. परिहार ने बताया कि पिथौरागढ़ जिले में ग्लोबल वार्मिंग से मिलम ग्लेशियर, गोंखा, रालम, ल्वां और मर्तोली ग्लेशियर अधिक प्रभावित हैं।

जीआईएस रिमोट सेंसिंग एवं सेटेलाइट डाटा के माध्यम से अध्ययन करने पर पता चला है कि इन ग्लेशियरों के आसपास कुल 77 झीलें हैं, जिनका व्यास 50 मीटर से अधिक है। इसमें सर्वाधिक 36 झीलें मिलम में, सात झीलें गोंखा में, 25 झीलें रालम में, तीन झीलें ल्वां में और छह झीलें मर्तोली ग्लेशियर में हैं। इनके व्यास में वृद्धि हो रही है और नई झीलें बनने की प्रक्रिया जारी है। सबसे बड़ी झील गोंखा ग्लेशियर पर 2.78 किमी व्यास की है। डॉ. परिहार का कहना है कि नदी घाटी के समीपवर्ती बसे गांवों में त्वरित बाढ़ की लगातार हो रही घटनाओं तथा संभावित आपदा के लिए तैयारी, आपदा प्रबंधन विभाग एवं प्रशासन को भी समय रहते करना चाहिए। क्योंकि ये झीलें आपदा का कारण बन सकती हैं।

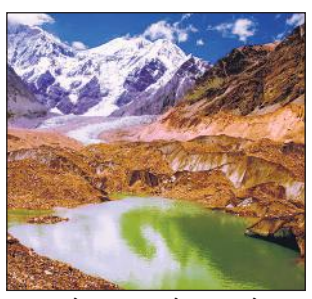

ये क्षेत्र सबसे अधिक खतरे की जद में

तोली, लुमती, मवानी, डोबड़ी, बरम् साना, भदेली, दानी बगड़, सेस, रोपाड़, सेराघाट, बंगापानी, देवीचगह, छोड़ीबगड़ू, घट्टाबगढ़, बगीचाबगड़, उमड़गाड़, मदकोट, तल्ला मोरी समेत कई अन्य गांव अति संवेदनशील बने हुए हैं।

आपराधिक मामलों के बारे में घोषणा

(वर्ष 2011 की रिट याचिका (सिविल) सं. 536 (पब्लिक इंटरेस्ट फाउंडेशन और अन्य बनाम भारत संघ और अन्य) में माननीय उच्चतम न्यायालय के दिनांक 25 सितंबर, 2018 के निर्णय के अनुसार)

अभ्यर्थी का नाम एवं पता: अरविन्द कुमार सिंह, ढकिया इ० परवेजपुर, शाहजहांपुर
राजनैतिक दल का नाम: भारतीय जनता पार्टी
निर्वाचन का नाम: उपचुनाव विधानसभा, उत्तर प्रदेश
*निर्वाचन क्षेत्र का नाम: 136- ददरौल

मै अरविन्द कुमार सिंह उपर्युक्त निर्वाचन के लिए अभ्यर्थी, सार्वजनिक सूचना हेतु अपने आपराधिक पूर्ववृत्त के बारे में निम्नलिखित विवरणों की घोषणा करता हूं।

क्र. सं.	लंबित आपराधिक मामले			आपराधिक मामलों के लिए दोषसिद्धि के मामलों के संबंध में विवरण	
	न्यायालय का नाम	मामले की सं. एवं मामले की स्थिति तारीख	संबंधित अधिनियमों की धारा (धाराए) एवं अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण	न्यायालय का नाम एवं आदेश(शों) की तारीख	अपराध (अपराधों) और अधिरोपित दण्ड का विवरण
1	मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शाहजहांपुर	2424/2006 विचाराधीन	147,353,427,332,336 (भारतीय दण्ड संहिता) व 7 क्रिमिनल एक्ट	शून्य	शून्य

इंडो इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन के मुख्य ट्रस्टी ने गौतमपल्ली थाने में दिया प्रार्थना पत्र

धन्नीपुर मस्जिद के नाम पर चंदा उगाही, 2 बैंकों में खोले फर्जी खाते

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : सोहावल तहसील के धन्नीपुर गांव में आवंटित जमीन पर प्रस्तावित मस्जिद के नाम पर भी चंदे का खेल शुरू हो गया है। अयोध्या की दो बैंक शाखाओं में प्रस्तावित मोहम्मद बिन अब्दुल्लाह मस्जिद के नाम पर फर्जी खाते खोल लिए गए हैं। इसके लिए आरोपियों ने सोशल मीडिया पर मस्जिद की तस्वीर के साथ बैंक खातों के नंबर भी डाल दिये। इसकी जानकारी होने पर मस्जिद निर्माण के लिए बने इन्डो इस्लामिक कल्चरल फाउन्डेशन ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी जुफर अहमद फारुखी ने सोमवार को लखनऊ में गौतमपल्ली थाने में प्रार्थना पत्र दिया है।

मंदिर-मस्जिद विवाद में सर्वोच्च न्यायालय ने अपने फैसले में मस्जिद निर्माण के लिए सुन्नी सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड लखनऊ को पांच एकड़ जमीन दिए जाने का आदेश किया था। जिस पर प्रशासन ने धन्नीपुर में जमीन उपलब्ध कराई गई है। इसकी देखभाल ट्रस्ट के जिम्मे है। इन्डो इस्लामिक कल्चरल फाउन्डेशन ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी की ओर से दी गई तहरीर में कहा गया है कि ट्रस्ट पदाधिकारी सचिव अतहर हुसैन और ट्रस्ट से जुड़े अरशद अफजाल खान ने बताया है कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एक चित्र प्रसारित हो रहा है। जिसमें ट्रस्ट की प्रस्तावित मस्जिद मोहम्मद बिन अब्दुल्लाह मस्जिद का चित्र व अयोध्या श्रृंगारहाट स्थित बैंक खाता संख्या-5556317689, आईएफएससी नंबर सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का विवरण दिया गया है। उनका कहना है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने मस्जिद के नाम पर चन्दा वसूली के लिए फर्जीवाड़ा कर खाता खुलवाया है। बताया कि ट्रस्ट की ओर से ऐसा कोई बैंक खाता संचालित नहीं किया जा रहा और न ही ट्रस्ट ने सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया में कोई खाता खुलवाया है।

दूर से किया जा रहा गोरखधंधे का संचालन

साइबर ठगी गिरोह से जुड़े लोग मस्जिद निर्माण के लिए आर्थिक सहयोग हासिल कर रकम हड़पने का गोरखधंधा कहीं दूर बैठकर अंजाम दे रहे हैं। साथ ही एक खाता अलखैर फाइनेन्स के नाम पर संचालित किया जा रहा है। यह तथ्य मामले की छानबीन के दौरान प्रकाश में आया है। गिरोह से संबंधित एक मोबाइल नंबर पर फोन किया गया और मस्जिद निर्माण में सहयोग की इच्छा जताई गई तो फोन उठाने वाले ने भरोसा दिलाने की कोशिश की कि खाता मस्जिद निर्माण के लिए चंदा लेने के लिए ही खोला गया है। वह कंपनी के स्थानीय कार्यालय के बारे में स्पष्ट कुछ नहीं बता पाया। कार्यालय धाम नगर में होने की बात कही।

ट्रस्ट के सचिव अतहर हुसैन का कहना है कि ट्रस्ट की ओर से अभी तक कुल चार खाते खुलवाए गए हैं। इंडो इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन के नाम से लखनऊ की हीवेट रोड स्थित आईसीआईसीआई और इंदिरापुरम स्थित कोटक महिंद्रा में और मस्जिद मो. बिन अब्दुल्लाह-इंडो इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन के नाम से लखनऊ के विभूति खंड स्थित एचडीएफसी व मुंबई कुर्ला बांद्रा स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा में खाता खोला गया है। किसी ने अयोध्या के सेंट्रल बैंक श्रृंगारहाट और नियावां के फेडरल बैंक में खाता खुलवाया है और सोशल मीडिया तथा विभिन्न वेबसाइटों के माध्यम से इन्हीं खातों में मस्जिद निर्माण में आर्थिक सहयोग के लिए रकम जमा कराई जा रही है। जबकि इन बैंकों में ट्रस्ट का कोई खाता ही नहीं है। मस्जिद का निर्माण कार्य जुलाई से शुरू होने की संभावना है।

प्रस्तावित मस्जिद के निर्माण के लिए फर्जीवाड़ा कर चंदा वसूली के मामले में मंगलवार को सुन्नी सेंट्रल बोर्ड सब कमेटी अयोध्या के मो. आजम कादरी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को जिलाधिकारी से मुलाकात की। कमेटी की ओर से जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर इंडो इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन की ओर से प्रस्तावित मस्जिद मोहम्मद बिन अब्दुल्ला के निर्माण के लिए अयोध्या के दो बैंकों में खाता खोलवाकर चंदा वसूली के मामले की जांच और कार्रवाई कराने, तत्काल संबंधित बैंक खातों को बंद कराने तथा इन खातों के संचालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा कार्रवाई की मांग की गई है। साथ ही प्रस्तावित मस्जिद के फोटोग्राफ का इस्तेमाल कर चंदा वसूली के लिए सोशल मीडिया पर इस मैसेज को डालने वाले की पहचान कराई जाए। प्रतिनिधिमंडल में रिजवान, आरिफ आदि शामिल रहे। मो. आजम ने बताया कि पहले राममंदिर ट्रस्ट के नाम पर इसी तरह का फर्जीवाड़ा हुआ था। उन्होंने बताया कि इस मामले में बुधवार को आईजी से भी मिलेंगे।

सार-संक्षेप

अब्दुल्ला आजम के फर्जी जन्म प्रमाण पत्र मामले की सुनवाई अब 14 को

विधि संवाददाता,प्रयागराज : इलाहाबाद हाईकोर्ट में फर्जी जन्म प्रमाण पत्र मामले में सपा के वरिष्ठ नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान और उनके परिवार की आपराधिक पुनरीक्षण याचिका पर मंगलवार को भी न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह की एकलपीठ के समक्ष सुनवाई जारी रही। भोजनावकाश के बाद सुनवाई होने पर राज्य की ओर से पक्ष रख रहे अपर महाधिवक्ता ने बताया कि इस मामले में महाधिवक्ता उपस्थित होकर राज्य का पक्ष रखेंगे। इस पर याचियों के अधिवक्ता ने राज्य की ओर से लंबे स्थगन के अनुरोध का पुरजोर विरोध करते हुए तर्क दिया कि राजनीतिक द्वेष के कारण राज्य किसी न किसी बहाने से मामले को लंबित रखना चाह रहा है। याचियों की ओर से आगे तर्क दिया गया कि 24 जनवरी 2024 को जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए राज्य को 3 सप्ताह का समय दिया गया था, लेकिन कोई जवाबी हलफनामा दाखिल नहीं किया गया, फिर राज्य की ओर से जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए समय मांगा गया, लेकिन फिर कोई जवाबी हलफनामा दाखिल नहीं किया गया। अंत में कोर्ट ने सरकारी अधिवक्ता का अनुरोध स्वीकार करते हुए महाधिवक्ता द्वारा मामले में कोर्ट को नए सिरे से संबोधित करने के लिए मुकदमे को 14 मई के लिए सूचीबद्ध कर दिया।

मुख्यमंत्री को धमकी देने वाला गिरफ्तार

लखनऊ, अमृत विचार : 25 अप्रैल को सोशल मीडिया पर उप्र. के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धमकी देने वाला गिरफ्तार होते ही फूट-फूट कर रोया। एफआईआर दर्ज होने के बाद प्रयागराज कमिश्नरेट की तीन टीमें उसे तलाश रही थीं। मंगलवार को उसकी लोकेशन प्रयागराज में फिर मिली, तभी पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार होते ही वह रोने लगा। कहा कि उस दिन वह नशे में था, गलती से बोल गया, मुझे माफ कर दो। प्रयागराज के रहने वाले समीम उर्फ बबलू ने 25 अप्रैल को सोशल मीडिया पर आकर उप्र. के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धमकी दे रहा था। इस दौरान उसने कहा कि मैं चुनौती दे रहा हूं कि मेरे घर पर बुलडोजर चलाकर दिखाएं।

पर्सनल लॉ बोर्ड को खत्म करें- बासित अली

कानपुर, अमृत विचार : भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर बासित अली ने मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड पर सवाल उठाते हुये कहा है कि इस बोर्ड को पूरी तरह से खत्म कर देना चाहिये। यह संविधान विरोधी है। जब मुस्लिमों को संविधान में जगह मिली है तो अलग से मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की क्या जरूरत है। बासित अली मंगलवार को फजलगंज स्थित भाजपा के मीडिया सेंटर में पत्रकार वार्ता में बोल रहे थे। भाजपा कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के अध्यक्ष प्रकाश पाल ने भी बोर्ड को अनुचित बताया। कन्नौज के मंदिर में अखिलेश यादव के दर्शन के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा मंदिर की गंगाजल से धुलाई के सवाल पर बासित अली ने कहा कि यह क्रिया की प्रतिक्रिया है। उन्होंने कहा कि बेशक अखिलेश हिंदू हैं, लेकिन जिस तरह से राम मंदिर के दर्शन से अखिलेश ने दूरी बनाई, उससे हिंदू समाज के लोग आहत हैं। अखिलेश के पीडीए फार्मूले पर बासित ने कहा कि पीडीए में ए यानि अल्पसंख्यक गायब है। दलित पहले ही उनसे दूर हो चुका है और बचा पी भी साथ छोड़ गया है। बासित ने कहा कि गठबंधन पूरे यूपी में हार रहा है। कांग्रेस-सपा मुसलमानों को बहलाने का काम करते हैं। अल्पसंख्यक इस बार मोदी जी को वोट कर रहा है। तीन तलाक कानून से मुस्लिम महिलाएं खुश हैं। अब यह मोदी भाईजान के नाम से पुकारती हैं। अब न दूरी है न खाई है मोदी हमारा भाई है का नारा चल रहा है। उन्होंने कहा कि संभल, बंदायू और बरेली में हम बड़े अंतर से जीत रहे हैं।

हटाए गए एसएन साबत, रामाशास्त्री को कारागार का प्रभार

लखनऊ, अमृत विचार : लंबे समय से पुलिस महानिदेशक कारागार की जिम्मेदारी संभाल रहे एसएन साबत को मंगलवार को पद से हटा दिया गया है। उनके स्थान पर इस पद पर डीजी पीबी रामाशास्त्री की तैनाती दी गई है। वहीं एडीजी पुलिस मुख्यालय का ट्रांसफर करते हुए प्रतीक्षारत एडीजी आनंद स्वरूप को इस पद पर तैनाती दी गई है। सबसे चर्चित तबादला 1990 बैच के आईपीएस एसएन साबत का रहा। शासन ने उन्हें डीजी कारागार पद से हटाकर डीजी सीबीसीआईडी बनाया है। जबकि केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटे और लगभग दो महीने से डीजी इन वेटिंग चल रहे 1989 बैच के पीवी रामाशास्त्री को पुलिस महानिदेशक (कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं) बनाया गया है। वहीं लंबे समय बाद केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से वापस लौटे 1992 बैच के आईपीएस आनंद स्वरूप को अपर पुलिस महानिदेशक, पुलिस मुख्यालय बनाया गया है।

कोर्ट में उपस्थित न होने वाले विधायक को सत्र की अनुमति देना खतरनाक: हाईकोर्ट

मेरठ के समाजवादी पार्टी विधायक रफीक अंसारी को राहत देने से इनकार

विधि संवाददाता,प्रयागराज

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मेरठ के सपा विधायक रफीक अंसारी को राहत देने से इनकार करते हुए कहा कि 100 से अधिक गैर जमानती वारंट जारी होने के बावजूद कोर्ट में उपस्थित न होने वाले विधायक को विधानसभा सत्र में भाग लेने की अनुमति देना एक खतरनाक और गंभीर मिसाल कायम करता है, जो निर्वाचित प्रतिनिधियों में जनता के विश्वास को खत्म करते हुए राज्य मशीनरी और न्यायिक प्रणाली की अखंडता को कमजोर करता है।

कोर्ट ने आगे कहा कि गंभीर आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे व्यक्तियों को कानूनी जवाबदेही से बचने की अनुमति देकर प्रशासन कानून के शासन के प्रति दंडमुक्ति और अनादर की संस्कृति को कायम रखने का जोखिम उठाता है। उक्त

आदेश न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह की एकलपीठ ने अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, एमपी/ एमएलए कोर्ट, मेरठ में लंबित आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत आपराधिक मामले को रद करने की मांग वाली विधायक की याचिका खारिज करते हुए पारित किया। कोर्ट ने उपरोक्त आदेश की प्रति विधानसभा स्पीकर के समक्ष जानकारी के लिए रखने के लिए प्रमुख सचिव को भेजने का निर्देश दिया, साथ ही यूपी के पुलिस महानिदेशक को यह आदेश दिया कि वह अंसारी के खिलाफ ट्रायल कोर्ट द्वारा पहले ही जारी किए गए गैर जमानती वारंट की तामील सुनिश्चित करें और इस संदर्भ में अगली सुनवाई यानी 22 जुलाई को अनुपालन हलफनामा दाखिल करें। मामले के अनुसार आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत 35-40 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ सितंबर 1995 में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जांच पूरी होने के बाद 22 आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ पहला आरोप पत्र प्रस्तुत किया गया। उसके बाद याची सपा विधायक रफीक अंसारी के खिलाफ एक और पूरक आरोप पत्र प्रस्तुत किया गया, लेकिन याची कोर्ट में उपस्थित नहीं हुए, इसलिए दिसंबर 1997 को गैर जमानती वारंट जारी किया गया। बाद में 101 गैर जमानती वारंट और अन्य प्रक्रियाओं के बावजूद याची कोर्ट में उपस्थित नहीं हुए बल्कि मामले को रद करने की मांग करते हुए उन्होंने हाईकोर्ट का रुख किया।

याची के अधिवक्ता ने तर्क दिया कि मामले में मूल आरोपी वर्ष 1997 में बरी कर दिए गए हैं। अतः याची के खिलाफ भी कार्यवाही रद की जानी चाहिए, लेकिन कोर्ट का मानना है कि किसी भी आरोपी के खिलाफ आपराधिक मुकदमे में दर्ज किए गए साक्ष्य केवल उस आरोपी की दोषसिद्धि तक ही सीमित होते हैं। इसका सह- आरोपियों पर कोई असर नहीं पड़ता है। अतः सह-अभियुक्तों को बरी किए जाने की परिस्थितियों को याची के मामले में लागू नहीं किया जा सकता है। अंत में कोर्ट ने माना कि मामले के अजीबोगरीब तथ्यों को देखकर भी कोर्ट अपनी आंखें बंद नहीं कर सकती ऐसा मुद्दा न केवल लोकतंत्र के सिद्धांतों से समझौता सिद्ध होता है बल्कि समाज के ताने-बाने को भी खतरे में डालता है, जिससे भ्रष्टाचार और अराजकता का जन्म होता है। जनता द्वारा निर्वाचित जननायकों को अपने नैतिक आचरण और जवाबदेही के उच्चतम मानकों को बनाए रखना चाहिए।

अखिलेश पर अनदेखी का आरोप लगा प्रदेश सचिव ने दिया इस्तीफा

लखनऊ, अमृत विचार : लोकसभा चुनाव के बीच समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव प्रदीप सिंह बब्बू ने अपने पद और प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने मंगलवार को पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर अनदेखी करने और चुनिंदा लोगों से घिरे होने का आरोप लगाते हुए पत्र भेजा है। सपा से इस्तीफा देने के बाद उनके भाजपा में जाने की चर्चाएं हैं। पत्र में प्रदीप सिंह बब्बू ने कहा है कि मेरा मानना है कि सपा में कुछ लोग जो पुराने हो चुके हैं और कुछ वो हैं, जिनकी राजनीति आपके इर्द-गिर्द व आपकी कृपा पर निर्भर है। उनकी राय को जरूरत से अधिक महत्व देने से उनकी उम्मीदवारी नजरअंदाज होती रही। ऐसे लोग आपसे जमीनी लोगों को दूर रखना चाहते हैं।

भाजपा बेईमानी पर उतर आई है, हार से बौखला गई है: अखिलेश

जिसने मंदिर धोया, जनता उसको धो डालेगी

संवाददाता, बिधनू (कानपुर)

अमृत विचार : सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर चुनाव में बेईमानी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा हार के डर से बौखला गई है। करोड़ों मतदाता इनके खिलाफ हैं। जो आदमी हारने लगता है, वह बेईमानी पर उतारू हो जाता है। इनका स्तर इतना गिर गया है कि हम लोग यदि मंदिर में जायेंगे तो मंदिर का परिसर धो देंगे। याद रखिये आज आपने मंदिर परिसर धोया है जनता तुम्हें वोट डाल-डालकर ऐसा धोएगी कि दोबारा वापस नहीं आ पाओगे। अखिलेश मंगलवार को रमईपुर में गठबंधन के प्रत्याशी राजाराम पाल के समर्थन में जनसभा में बोल रहे थे।

अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में भाजपा की केवल एक सीट पर लड़ाई है। बाकी सीटें

जनता का अभिवादन करते अखिलेश।

पीडीए व इंडिया गठबंधन के खातों में जाएंगी। उन्होंने कहा कि इस सरकार ने सेना में अग्निवीर भर्ती शुरू कर दी है। अखिलेश ने मंच में खड़े पुलिसकर्मियों की ओर इशारा करते हुए कहा कि अगर भाजपा सरकार सत्ता में आई तो पुलिस की नौकरी भी तीन साल की कर देगी। इसलिए हम सबको अपने युवाओं का भविष्य सुरक्षित करने के लिए सपा को वोट देना होगा। अगर हम सत्ता में आए तो अग्निवीर भर्ती को समाप्त कर देंगे। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि कुछ समय पहले बिल गेट्स ने पीएम मोदी से मुलाकात कर डिजिटल डिवाइस पर बात की थी।

भाजपा के लोग गांव-गांव जाकर देख लें जो इंटरनेट व्यवस्था का प्रबंध किया गया, वह सपा सरकार की देन है। अखिलेश ने कहा कि हम जीतने के बाद युवाओं को आरक्षण के साथ नौकरी देंगे। इंडिया गठबंधन ने तय किया है कि किसानों का कर्ज माफ होगा। अखिलेश ने कहा कि अगर हमारी सरकार आई तो गरीबों को पैकेट वाला आटा के साथ डाटा फ्री देंगे। भाजपा के चार सौ पार के सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा कि आपने होर्डिंग नहीं देखी, होर्डिंग से एक इंजन गायब है। वह इंजन अब खटारा हो गया है। बोले खटारा इंजन की फोटो नहीं लगाई होर्डिंग में।

स्कूल में बच्चों को सुरक्षित वातावरण को लेकर हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा हलफ़नामा

विधि संवाददाता,लखनऊ

अमृत विचार : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए दिशानिर्देशों के अनुरूप स्कूलों में सुरक्षा उपाय करने के सम्बंध में राज्य सरकार को तीन सप्ताह में हलफ़नामा दाखिल करने का आदेश दिया है। हालांकि सरकार की ओर से इस सम्बंध में की गई कार्यवाहियों की जानकारी न्यायालय को दी गई लेकिन न्यायालय जवाब से संतुष्ट नहीं हुई। न्यायालय ने तीन सप्ताह में हलफ़नामा दाखिल करने के साथ-साथ मामले को अगली सुनवाई के लिए 26 जुलाई को नियत किया है।

यह आदेश न्यायमूर्ति आलोक माथुर और न्यायमूर्ति बृजराज सिंह की खंडपीठ ने गोमती रिवर बैंक रेजीडेंट्स की ओर से वर्ष 2020 में दाखिल की गई जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया है। उक्त याचिका में शहर के आवासीय क्षेत्रों में चल रहे स्कूलों का मुद्दा खास तौर पर उठाया गया है। याचिका पर पूर्व में हुई सुनवाईयों के दौरान न्यायालय ने पाया कि सुप्रीम कोर्ट ने अविनाश मेहरोत्रा मामले में 14 अगस्त 2017 को बच्चों की सुरक्षा और स्कूलों में सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने को लेकर कुछ दिशानिर्देश जारी किए थे जिसके तहत डीआईओएस को नोडल अधिकारी नियुक्त करने की बात कही गई थी व उसके कार्यों की निगरानी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन को करने को कहा गया था जिसका प्रमुख जिलाधिकारी को बनाया गया था। अंत में दोनों के कार्यों की निगरानी की जिम्मेदारी मुख्य सचिव को सौंपी गई थी।

वर्ग पहेली-63

बाएं से दाएं

3. इस लोक से भिन्न लोक
4. बेसन का बना नमकीन पकवान।
6. यंत्र
7. 1. गाड़ी का धुरा, छोटा धुरा 2. अक्ष, चूल 3. पहिए का केंद्रक।
8. 1. भार उठाने वाला, बोझा ढोने वाला, कुली 2. पालकी ढोने वाला।

ऊपर से नीचे

1. 1. नियमित रूप से कुछ करने का तरीका एवं क्रम, दिनचर्या, नित्यक्रम, नित्यचर्या 2. शृंखलाबद्ध क्रिया आदि।
2. ईश्वर, भगवान।
3. 1. कच्ची अफ़ीम को सुखाने से प्राप्त तरल पदार्थ 2. किसी वस्तु या पदार्थ में से रिस-रिसकर निकलने वाला तरल पदार्थ, जलांश 3. स्वेद, पसीना।
5. दे. सागौन।
6. ओलती, फूस या खपरैल के मकान के छाजन या छप्पर का वह स्थल जहां से वर्षा का जल नीचे गिरता है।

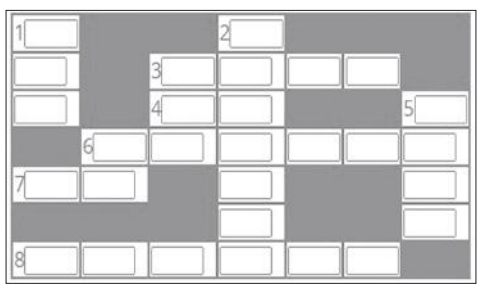

वर्ग पहेली -62 का हल

1 खो	टी			2 फ़ा		
		3 टो		उं		
		क		टे		4 कं
5 छि	छो	रा	प	न		का
				पे		लि
		6 कॉ	श	न	म	नी
7 ठी	हा					

सुडोकू -142

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	2		7			1		
4		8					5	
		3		6				4
7			3				6	
8	6						3	
	3				4	9		
5				3		8		
	1				2	3		
		7					4	

सुडोकू -141 का हल

5	1	4	2	7	3	6	9	8
9	8	2	1	5	6	3	4	7
6	3	7	8	9	4	2	5	1
1	9	8	7	4	2	5	6	3
3	4	5	6	1	9	8	7	2
2	7	6	5	3	8	4	1	9
4	5	3	9	8	1	7	2	6
8	6	1	4	2	7	9	3	5
7	2	9	3	6	5	1	8	4

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 8 मई बुधवार 2024 संवत-2081,शक संवत 1946 मास-वैशाख, पक्ष-कृष्ण पक्ष, तिथि-अमावस्या 08.51 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

आज का पंचांग

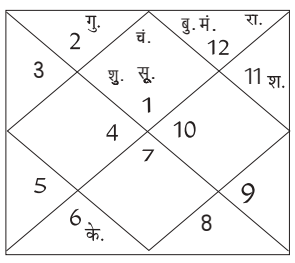

दिशाशूल-उत्तर। ऋतु-ग्रीष्म।
चन्द्रबल-मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुंभ।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-भरणी 13.33 तक तत्पश्चात कृत्तिका।

मेष - आज कारोबार में विस्तार कर सकते हैं। जीवनसाथी आपको प्रसन्न करने का प्रयास करेगा। नए लोगों के बीच काम करने के अवसर मिलेंगे। आप अपने पसंदीदा कार्यों में काफी व्यस्त हो सकते हैं। मित्रों से शुभ समाचार मिल सकते हैं।

वृष - आज संतान की अवहेलना न करें। दिखावे के लिए आप अपनी क्षमता से ज्यादा धन खर्च कर सकते हैं। आपको कुछ कठिन काम अकेले करने पड़ सकते हैं। व्यापारिक कारण से किसी सहयोगी से झगड़ा हो सकता है।

मिथुन - आज वरिष्ठ अधिकारी आपसे काफी प्रसन्न रहेंगे। इलेक्ट्रॉनिक्स से जुड़े कारोबारियों को काफी लाभ होगा। घर में संबंधियों का आना-जाना लगा रहेगा। दोपहर के बाद आप किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मिल सकते हैं।

कर्क - आज दोपहर के बाद थोड़ा हल्कापन महसूस करेंगे। खर्चों में संतुलन बनाने की कोशिश कर सकते हैं। जॉब में सहयोगियों को नाराज न करें। सिरदर्द और थकान के कारण काम में मन नहीं लगेगा। बिजनेस में जोखिम भरे कार्य न करें।

सिंह - आज परिवार में कोई पारंपरिक उत्सव हो सकता है। छात्र प्रतियोगी परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करें। घर पर वेबसीरीज या साहित्य में सक्रिय हो सकते हैं। उधार दिया हुआ धन आपको वापस मिल सकता है। प्रेम संबंधों के लिए दिन बहुत अच्छा है।

कन्या - आज अपनी प्रतिभा को विकसित करने का प्रयास करें। कुछ लोग आपके विश्वास को तोड़ सकते हैं। इससे आप मानसिक रूप से कुछ अशांत महसूस करेंगे। आयात-निर्यात के कारोबार में लाभ होगा। रुका हुआ धन वापस मिलेगा।

तुला - आज आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। बदलते मौसम को लेकर सिरदर्द और बुखार की समस्या होगी। जीवनसाथी के लिए आप कुछ उपहार खरीद सकते हैं। नए विचारों और योजनाओं से प्रभावित रहेंगे। दूर की यात्राओं के लिए दिन अच्छा है।

वृश्चिक - आज अविवाहित लोगों के लिए विवाह से संबंधित कोई रिश्ता सामने आ सकता है। मन में छिपे हुए भय को दूर करने का प्रयास करें। गृहस्थ जीवन में खुशहाली रहेगी। अधूरे कार्यों को आसानी से पूरे कर लेंगे। परिवार में आपका महत्व बढ़ेगा।

धनु - आज व्यवसाय में बड़ा आर्थिक लाभ होने से मन प्रसन्न रहेगा। अधीनस्थ कर्मचारियों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। कृषि कार्यों से बड़ा धन लाभ हो सकता है। भविष्य को लेकर कोई सार्थक निर्णय ले सकते हैं।

मकर - आज नई परियोजनाओं में काम करने का विचार बनाएं। जीवनसाथी की भावनाओं को सम्मान दें। गुस्से में आपके काम बिगड़ सकते हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई में कुछ परेशानियां आ सकती है। परिवार में शुभ आयोजन हो सकता है।

कुंभ - आज दिन की शुरुआत आपके लिए शुभ रहेगी। कार्यक्षेत्र में काम का दबाव बढ़ सकता है। जोड़ों और घुटनों में दर्द की शिकायत हो सकती है। बुद्धिमान लोगों का परामर्श लेना हितकर होगा। भरोसेमंद व्यक्तियों का ध्यान रखें।

मीन - आज नए करियर को लेकर जो प्लानिंग आप कर रहे हैं, उसे साकार करने के लिए समय उत्तम है। कोर्ट-कचहरी के मामलों में सावधानी रखें। विश्वासघाती लोगों से आपको दूरी बना लेनी चाहिए। कई दिनों से जो काम रुका हुआ था वो बन सकता है।

आज की फिल्में

B4U MOVIES
कातिलों के कातिल - सुबह :10.16
शिव शक्ति - रात : 07.00

SONY MAX
डबल एक्स एल - सुबह : 09.45
स्टारफिश - शाम : 06.00

SONY PIX
रैमपेज - सुबह : 10.47
होटल ट्रान्सिलवेनिया 3 - रात : 09.17

ZEE CINEMA
जीरो - सुबह : 09.55
लवशुदा - रात : 07.45

colors CINEPLEX
हेरा फेरी - दोपहर : 12.02
आन : मेन एट वर्क - रात : 09.01

आज की सुपरहिट फिल्म

कलर्स सिनेप्लेक्स पर दोपहर : 12.02 बजे

जोक्स ऑफ द डे

पुलिस- हम पुलिस वाले हैं, दरवाजा खोलो।
चिंटू- क्या काम है?
पुलिस- बात करनी है।
चिंटू- कितने लोग हो?
पुलिस- चार लोग हैं।
चिंटू- तो फिर मेरा क्या काम है, आपस में बात कर लो।

चेन स्नैचिंग वाले महिला के गले से हार खींच कर ले गए।
अगले दिन महिला बहुत ज्यादा दुखी हुई। हार के लिए नहीं, अखबार वालों ने छाप दिया- वृद्ध महिला के गले से हार छीन भागे चेन स्नैचर।

मैंथा बाजार भाव

रामपुर-शिवालिक 990 फ्लैग 1105 डीएमओ 880 बोल्ड 1155।

सर्राफा

कानपुर

चाँदी 999 (प्रति किलो)	84,000
चांदी सिक्का (प्रति सैकड़ा)	85,000
चांदी सिक्का (सैकड़ा) बिकवाल	90,000
सोना बिस्कुट (दस ग्राम)	73,600
गिन्नी (प्रति नग)	54,800-55,000

लखनऊ

सोना स्टैंडड (प्रति 10 ग्राम)	71,350
सोना रवा (प्रति 10 ग्राम)	71,200
गिन्नी (प्रति 10 नग)	42, 500
चांदी (999)	82,000
चांदी तैयार	82,100
चांदी का सिक्का (प्रति सैकड़ा)	80, 000

एक नजर

न्यायालय के फैसले पर ईपीएफओ कदम उठाने को लेकर कर रहा विचार

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने मंगलवार को कहा कि वह भविष्य निधि में विदेशी श्रमिकों को शामिल करने को असंवैधानिक ठहराने वाले कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले के संबंध में आगे की कार्रवाई पर गौर कर रहा है। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने कर्मचारी भविष्य निधि और पेंशन योजना के दायरे में अंतरराष्ट्रीय श्रमिकों को शामिल करने के प्रावधानों को खारिज कर दिया है। उसने कहा है कि यह असंवैधानिक और मनमाना है। ईपीएफओ ने फैसले से संबंधित सवालों के जवाब में कहा-न्यायालय के फैसले के प्रति सर्वोच्च सम्मान रखते हुए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन इस फैसले के जवाब में आगे की कार्रवाई के तरीकों पर सक्रियता के साथ विचार कर रहा है। यह निर्णय कर्मचारी भविष्य निधि योजना कर्मचारी पेंशन योजना, 1995 के पैराग्राफ 43ए में उल्लेखित अंतर्राष्ट्रीय श्रमिकों के लिए विशिष्ट प्रावधानों से जुड़ा है।

3 साल में घट गई परिवारों की शुद्ध बचत

सांख्यिकी और कार्यक्रम मंत्रालय ने जारी किए आंकड़े, नौ लाख करोड़ रुपये घट गई

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में परिवारों की शुद्ध बचत तीन वर्षों में नौ लाख करोड़ रुपये से अधिक घटकर वित्त वर्ष 2022-23 में 14.16 लाख करोड़ रुपये रह गयी। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने यह जानकारी दी है।

मंत्रालय की तरफ से जारी ताजा राष्ट्रीय खाता सांख्यिकी-2024 के मुताबिक, वित्त वर्ष 2020-21 में परिवारों की शुद्ध बचत 23.29 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई थी लेकिन उसके बाद से इसमें लगातार गिरावट आ रही है। वित्त वर्ष 2021-22 में परिवारों की शुद्ध बचत घटकर 17.12 लाख करोड़ रुपये रह गई। यह वित्त वर्ष 2022-23 में और भी कम होकर 14.16 लाख करोड़ रुपये पर आ गई जो पिछले पांच वर्षों का सबसे निचला स्तर है। इससे पहले शुद्ध घरेलू बचत का निचला स्तर वर्ष 2017-18 में 13.05 लाख करोड़ रुपये था। लेकिन यह 2018-19 में बढ़कर 14.92 लाख करोड़ रुपये और 2019-20 में 15.49 लाख करोड़ रुपये हो गया था। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि 2020-21 से लेकर 2022-23 के दौरान म्यूचुअल फंड में निवेश लगभग तिगुना होकर 1.79 लाख करोड़ रुपये हो गया जो 2020-21 में 64,084 करोड़ रुपये था। शेयरों और डिबेंचर में परिवारों का निवेश इस अवधि में 1.07 लाख करोड़ रुपये से लगभग दोगुना होकर 2022-23 में 2.06 लाख करोड़ रुपये हो गया। आंकड़े बताते हैं कि परिवारों को बैंक ऋण भी इन तीन वर्षों में दोगुना होकर 2022-23 में 11.88 लाख करोड़ रुपये हो गया है।

एफएमसीजी सामान की ग्रामीण खपत रही अधिक

भारतीय एफएमसीजी (रोजमर्रा के उपभोग का सामान) उद्योग ने वर्ष 2024 की जनवरी-मार्च अवधि में राष्ट्रीय स्तर पर मात्रा के मामले में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। इसके साथ ही पांच तिमाहियों में पहली बार ग्रामीण खपत ने शहरी मांग को पीछे छोड़ दिया है। नील्सनआईक्यू ने एक रिपोर्ट में यह आकलन पेश किया है। उपभोक्ताओं से जुड़ी सूचनाएं मुहैया कराने वाली फर्म नील्सनआईक्यू (एनआईक्यू) ने दैनिक उपभोग वाले उत्पादों (एफएमसीजी) पर जारी तिमाही रिपोर्ट में कहा है कि खाद्य एवं गैर-खाद्य दोनों क्षेत्रों ने खपत बढ़ाने में योगदान दिया, लेकिन भोजन की तुलना में गैर-खाद्य श्रेणी में वृद्धि लगभग दोगुनी रही। मार्च तिमाही में घरेलू एफएमसीजी उद्योग का मूल्य 6.6 प्रतिशत बढ़ा है जिसका श्रेय अखिल भारतीय स्तर पर मात्रा में 6.5 प्रतिशत वृद्धि को जाता है। मात्रात्मक वृद्धि एक साल पहले की समान तिमाही में 3.1 प्रतिशत रही थी।

आईडीबीआई बैंक को 2.97 करोड़ की जीएसटी मांग का नोटिस

नई दिल्ली। आईडीबीआई बैंक ने मंगलवार को कहा कि उसे कथित तौर पर अधिक इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ लेने के लिए ब्याज और जुर्माने समेत 2.97 करोड़ रुपये की जीएसटी मांग का नोटिस मिला है।

बैंक ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा कि देहरादून राज्य कर विभाग ने आईटीसी के कथित अतिरिक्त लाभ और उपयोग के लिए वित्त वर्ष 2018-19 से संबंधित माल एवं सेवा कर (जीएसटी) नियमों के तहत एक आदेश जारी किया है। इस आदेश में 1.42 करोड़ रुपये की कर मांग के साथ बैंक पर 1.41 करोड़ रुपये का ब्याज और 14 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। आईडीबीआई बैंक ने कहा-बैंक कानून के मुताबिक इस मामले में अपील सहित उचित कानूनी तरीका अपनाने के बारे में विचार कर रहा है।

सोने में 200 रुपये की बढ़त, चांदी में 700 रुपये का आया उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी

वैश्विक बाजारों में मजबूती के रुख के अनुरूप बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन तेजी जारी रही। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोना 200 रुपये की बढ़त के साथ 72,450 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 72,250 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 700 रुपये के उछाल के साथ 85,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। इससे पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 84,300 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा-विदेशी बाजारों से सकारात्मक संकेत लेते हुए दिल्ली में हाजिर सोना (24 कैरेट) 72,450 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था जो पिछले बंद भाव से 200 रुपये अधिक है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स (जिंस बाजार) में हाजिर सोना 2,319 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था जो पिछले बंद भाव से सात डॉलर की बढ़त है।

सौमिल गांधी ने कहा-इस साल अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती किए जाने के संकेत मिलने से सोने की कीमतों में तेजी आई। अमेरिकी नीति निर्माताओं की नरम रुख वाली टिप्पणियों ने ब्याज दर में कटौती की उम्मीदों को बढ़ावा दिया है।

देश का पहला हरित हाइड्रोजन संयंत्र राजस्थान में होगा स्थापित

नई दिल्ली। औद्योगिक और चिकित्सकीय गैस बनाने वाली कंपनी आईनॉक्स एयर प्रोडक्ट्स राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में 190 टन की सालाना क्षमता वाली अपनी पहली हरित हाइड्रोजन परियोजना स्थापित करेगी। कंपनी ने मंगलवार को बयान में कहा कि स्वच्छ ऊर्जा की आपूर्ति असाही इंडिया ग्लास लि. (एआईएस) को 20 साल के आपूर्ति समझौते के तहत की जाएगी। बयान के अनुसार-फ्लोट ग्लास उद्योग के लिए यह देश का पहला हरित हाइड्रोजन संयंत्र होगा। संयंत्र की क्षमता सालाना 190 टन हरित हाइड्रोजन उत्पन्न करने की होगी।

दूरसंचार विभाग ने धोखाधड़ी में शामिल मोबाइल हैंडसेट, फोन नंबर किए ब्लॉक

नई दिल्ली, एजेंसी

दूरसंचार विभाग ने मोबाइल पर संदेश भेजकर मोबाइल उपयोग करने वालों के साथ धोखाधड़ी करने वालों पर नकेल कसना शुरू कर दिया है। विभाग ने ऐसी गतिविधियों में उपयोग किए जाने वाले मोबाइल फोन को ब्लॉक करने के साथ ऐसे नंबरों को बंद करना शुरू कर दिया है।

दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने धोखाधड़ी से संबंधित शिकायतों से निपटने के लिए दो महीने पहले 'चक्षु' पोर्टल शुरू किया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, पोर्टल शुरू होने के बाद से विभाग ने दुर्भावनापूर्ण और गलत इरादे से एसएमएस भेजने में शामिल 52 इकाइयों को काली सूची में डाल दिया है। साथ ही अखिल भारतीय स्तर पर 348 मोबाइल हैंडसेट को ब्लॉक कर दिया है। इसके अलावा, 10,834 संदिग्ध मोबाइल नंबर को फिर से सत्यापन के लिए चिह्नित किया है। एसएमएस से संबंधित धोखाधड़ी पर एक प्रौद्योगिकी पेशेवर के सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखी गई बातों के जवाब में विभाग ने कह कि जिस मोबाइल नंबर का जिक्र किया गया है, उसे ब्लॉक कर दिया गया है।

आठ प्रमुख शहरों में खाली पड़े शॉपिंग मॉल की बढ़ गई संख्या

नई दिल्ली। देश के आठ प्रमुख शहरों में खाली पड़े शॉपिंग मॉल की संख्या पिछले साल 57 से बढ़कर अब 64 हो गई। इसकी वजह खुदरा विक्रेता और उपभोक्ताओं के प्रीमियम संपत्तियों को तरजीह देना है।

रियल एस्टेट सलाहकार नाइट फ्रैंक इंडिया ने मंगलवार को 'थिंक इंडिया थिंक रिटेल 2024' शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की। इसमें 29 शहरों के शॉपिंग सेंटर और बड़े बाजारों पर गौर किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, आठ प्रमुख महानगरों में खाली पड़ी खुदरा संपत्तियों की संख्या तेजी से बढ़ी है।

कारोबारी घंटे बढ़ाने का एनएसई का प्रस्ताव खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी

- सेबी ने ब्रोकरों से समुचित प्रतिक्रिया न मिलने से कर दिया इनकार

पूंजी बाजार नियामक सेबी ने स्टॉक ब्रोकरों से समुचित प्रतिक्रिया न मिलने का हवाला देते हुए इक्विटी डेरिवेटिव खंड में कारोबारी घंटे बढ़ाने के नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। एनएसई के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) आशीष कुमार चौहान ने नतीजों पर विश्लेषकों के साथ चर्चा में यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा-वर्तमान में कारोबारी घंटे बढ़ाने की कोई योजना नहीं है क्योंकि सेबी ने हमारा आवेदन वापस कर दिया है। स्टॉक ब्रोकरों से सेबी को ऐसी प्रतिक्रिया नहीं मिली, जैसी वह चाहता था। लिहाजा विस्तारित समय योजना को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। एनएसई ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से इक्विटी डेरिवेटिव खंड में चरणबद्ध तरीके से कारोबार का समय बढ़ाने का आग्रह किया था।

एनएसई और बीएसई 18 मई को करेंगे विशेष सत्र का आयोजन

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बीएसई ने मंगलवार को कहा कि वह शेयर और इक्विटी वायदा एवं विकल्प खंड में 18 मई को विशेष सत्र का आयोजन करेंगे। इस पहल का मकसद किसी प्रकार की बड़ी बाधा या विफलता की स्थिति से निपटने को लेकर तैयारियों का आकलन करना है। विशेष लाइव कारोबारी सत्र के दौरान प्राथमिक साइट (पीआर) की जगह डिजास्टर रिकवरी (डीआर) साइट का उपयोग किया जाएगा।

राष्ट्रीय

एक नजर

आम आदमी पार्टी के मुख्यालय के बाहर भाजपा का प्रदर्शन

नई दिल्ली। भाजपा की दिल्ली इकाई के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एक प्रतिबंधित आतंकी संगठन 'सिख फॉर जस्टिस' से आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा कथित तौर पर धन लिए जाने के मामले में उपराज्यपाल वीके सक्सेना द्वारा राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) से जांच कराने की सिफारिश को लेकर मंगलवार को डीडीयू मार्ग स्थित आप मुख्यालय के पास विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने अवरोधक लगाकर रोक दिया। भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आरोप लगाया-हम जानते हैं कि आप भ्रष्ट है लेकिन यह सबसे शर्मनाक है कि पार्टी ने एक प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन से भी धन लिया।

भाजपा का पोस्ट तुरंत हटाने का निर्देश

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई (बीजेपी4कर्नाटक) के एक पोस्ट को कानून का उल्लंघन बताते हुये सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्ववर्ती) ट्विटर से उसे तुरंत हटाने का मंगलवार को निर्देश दिया। आयोग द्वारा एक्स के नोडल अधिकारी को भेजे गये एक पत्र में कहा गया है कि बीजेपी4कर्नाटक का सोशल मीडिया पोस्ट नियम क़ानून के विरुद्ध है और उसके खिलाफ बेंगलुरु में मामला दर्ज़ किया जा चुका है। आयोग ने कहा है कि राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने एक्स को पांच मई को ही उस पोस्ट को हटाने को कहा था, लेकिन उसे अब तक नहीं हटाया गया है।

दिल्ली पुलिस ने व्हाट्सएप चैनल शुरू किया

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी में रहने वाले लोगों को सुरक्षा अलर्ट, महत्वपूर्ण समाचार और दिल्ली पुलिस विभाग के त्वरित अपडेट की जानकारी देने के लिए मंगलवार को व्हाट्सएप चैनल की शुरुआत की। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि हमारा मानना है कि यह लोगों के साथ हमारे जुड़ाव को बढ़ाएगा और महत्वपूर्ण जानकारी को समय पर और कुशल रूप से साझा करने की हमारी क्षमता में सुधार लाएगा।

मप्र में प्रधानमंत्री मोदी ने बताया एनडीए के लिए क्यों रखा 400 पार सीटों का लक्ष्य

राम मंदिर पर बाबरी ताला न लग जाए...

धार (मप्र), एजेंसी

मध्य प्रदेश के धार में चुनावी जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मोहन यादव। ● एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि वह चाहते हैं कि भाजपा के नेतृत्व वाला राजग मौजूदा लोकसभा चुनाव में 400 सीट जीते ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कांग्रेस कश्मीर में अनुच्छेद 370 वापस न लाए और अयोध्या में राम मंदिर पर बाबरी ताला न लगाए। मध्य प्रदेश के धार में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने मुसलमानों को आरक्षण का लाभ देने के राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के बयान की भी आलोचना की।

उन्होंने कहा कि विपक्षी 'इंडिया' गुट की 'साजिश' गहरी है और वह अपने वोट बैंक के लिए एससी, एसटी और ओबीसी का पूरा आरक्षण चाहता है। उन्होंने कांग्रेस पर डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर को अपमानित करने का भी आरोप लगाया, उन्होंने कहा कि विपक्षी दल ने यह कहना शुरू कर दिया है कि संविधान बनाने में उनकी बहुत कम भूमिका थी। मोदी ने कहा-सच्चाई यह है कि कांग्रेस परिवार डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर से बेहद नफरत करता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस अफवाह फैला रही है कि अगर उन्हें 400 लोकसभा सीटें मिलेंगी तो वे संविधान बदल देंगे।

हम करोड़ों लोगों को लखपति बनाएंगे: राहुल

चाईबासा (झारखंड)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह आदिवासियों के जल, जंगल और जमीन को उद्योगपतियों के हवाले करना चाहते हैं। झारखंड के चाईबासा में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए गांधी ने सत्ता में आने पर करोड़ों लोगों को लखपति बनाने का वादा भी किया। उन्होंने कहा कि यह लोकसभा चुनाव संविधान और आदिवासियों, गरीबों एवं पिछड़ों के अधिकारों को बचाने के लिए है तथा 'इंडिया' गठबंधन के नेता संविधान को बचाने के लिए अपने जीवन का बलिदान तक देने के लिए तैयार हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा-मोदीने अपने 10 साल में 22 लोगों को अरबपति बनाया...सत्ता में आने पर हम करोड़ों लखपति बनाएंगे।

मुसलमानों को आरक्षण मिलना चाहिए पर धर्म के आधार पर नहीं: लालू प्रसाद

पटना, एजेंसी

- राजद के अध्यक्ष ने की आरक्षण का लाभ दिए जाने की वकालत

राजद के अध्यक्ष लालू प्रसाद ने मुसलमानों को आरक्षण का लाभ दिए जाने की वकालत करते हुए मंगलवार को कहा कि यह सामाजिक पिछड़ेपन पर आधारित होना चाहिए न कि धर्म के आधार पर। इससे पहले दिन में पटना में पत्रकारों से बातचीत के दौरान प्रसाद द्वारा अल्पसंख्यक समुदाय के लिए आरक्षण लाभ को लेकर की गई टिप्पणी पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के अन्य नेताओं ने उनकी आलोचना की। कई मुस्लिम जातियां बिहार और कई अन्य राज्यों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की सूची में शामिल हैं।

हालांकि, कर्नाटक की कांग्रेस सरकार द्वारा मुस्लिम समुदाय को ओबीसी कोटे के तहत आरक्षण देने को लेकर पिछले साल विधानसभा चुनाव में हारी भाजपा आलोचना कर रही है। मोदी और अन्य भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस और राजद जैसे उसके सहयोगी ओबीसी, दलितों और आदिवासियों को मिल रहे आरक्षण का लाभ मुसलमानों को देना चाहते हैं।

वे मुसलमानों को देना चाहते हैं आरक्षण: सुधांशु

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि यादव ने मुसलमानों के लिए आरक्षण की वकालत की है। उन्होंने कहा-लालू प्रसाद यादव ने कहा कि मुसलमानों को पूर्ण आरक्षण दिया जाना चाहिए। उनके द्वारा अपने वक्तव्य में प्रयुक्त यह शब्द 'पूरा का पूरा' (पूर्ण) बहुत गंभीर है। इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि वे (इंडिया गठबंधन) मुसलमानों को एससी, एसटी और ओबीसी के हिस्से से आरक्षण देना चाहते हैं।

राजस्थान में सांड़ को बचाने कुएं में उतरे तीन लोगों की जहरीली गैस से मौत

जयपुर। राजस्थान के शाहपुरा जिले में एक सांड़ को बचाने के लिए कुएं में उतरे तीन लोगों की जहरीली गैस की चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना सोमवार रात आरणी गांव की है जहां दो सांड़ लड़ते-लड़ते कुएं में गिर गए। उसने कहा कि उनमें से एक को ग्रामीणों ने ''अर्थमूविंग'' मशीन की मदद से बचा लिया, जबकि दूसरे सांड़ को बचाने की प्रक्रिया चल ही रही थी कि कुएं में उतरा सुखदेव बेहोश हो गया। पुलिस के अनुसार सुखदेव को तो बाहर निकाल लिया गया लेकिन उसे बचाने के लिए नीचे उतरे तीन लोग जहरीली गैस की चपेट में आकर बेहोश हो गए। पुलिस के अनुसार-इस हादसे में धनराज (26), कमलेश (19) और शंकर (30) की मौत हो गई।

स्कूलों में पुस्तक वितरण में देरी पर मांगा गया जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी

- दिल्ली उच्च न्यायालय ने अधिकारियों से पूछा कारण

दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को किताबें मिलने में देरी को लेकर शहर के अधिकारियों से सवाल किया और कहा कि शैक्षणिक वर्ष का पहला सत्र करीब करीब किताबों के बिना ही बीत गया है। अदालत ने अधिकारियों से पुस्तकों के वितरण में देरी का कारण पूछा, जबकि सरकार ही पुस्तकों के प्रकाशन और वितरण पर पैसा खर्च कर रही है।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पी एस अरोड़ा की पीठ ने पूछा-ऐसा क्यों हो रहा है? जब आप पैसे खर्च कर रहे हैं, किताबें बांट रहे हैं, तो आपको देरी से क्यों बांटना चाहिए? समय पर क्यों नहीं बांट सकते? इस साल ऐसी क्या गलती हुई कि किताबें समय पर नहीं बांटी गईं। पीठ ने कहा-सरकार वितरण और प्रकाशन पर पैसा खर्च कर रही है। इस पर खर्च करने का क्या फायदा जब हम इसका अभी इस्तेमाल न कर सकें। जब अदालत को बताया गया कि कुछ कक्षाओं के पाठ्यक्रम में बदलाव के कारण देरी हुई है, तो अदालत ने टिप्पणी की कि निजी स्कूलों में पढ़ाई चल रही होगी, जबकि सरकारी स्कूल प्रभावित हैं।

दिल्ली पुलिस ने नशा तस्करी में बरेली के तीन लोग किए गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

- पुलिस ने बताया, पांच करोड़ रुपये की हेरोइन भी जब्त

दिल्ली पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त पांच लोगों गिरफ्तार कर पांच करोड़ रुपये मूल्य की हेरोइन जब्त की है। इन गिरफ्तार लोगों में तीन लोग बरेली के निवासी हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक, अपराध शाखा ने उत्तर प्रदेश और झारखंड निवासी आरोपियों को गिरफ्तार कर उनसे 2.26 किलोग्राम हेरोइन के अलावा अन्य मादक पदार्थ बरामद किये। पुलिस के अनुसार आरोपियों की पहचान मोहम्मद आतिफ, अशरफ, आरिफ अली, रुखसार और मोहम्मद मुख्तार अंसारी के रूप में हुई है। पुलिस उपायुक्त (अपराध) अमित गोयल ने कहा-हमें सूचना मिली थी कि मादक पदार्थ तस्कर आतिफ छत्ता रेल चौक फ्लाईओवर क्षेत्र के निकट बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ की आपूर्ति के लिए आएगा। हमने जाल बिछाया और फरवरी में आतिफ को एक किलोग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने कहा कि उसने खुलासा किया कि बरामद हुआ मादक पदार्थ उसे बरेली निवासी अशरफ ने नरेला क्षेत्र की अनाज मंडी में एक किसी को आपूर्ति करने के लिए दिया था। पुलिस ने दल गठित किए और बरेली में अशरफ के ठिकानों पर छापे मारे। उन्होंने बताया कि पांच फरवरी को उसे एक अस्पताल से गिरफ्तार किया गया और उससे 490 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। उन्होंने बताया कि उसने बरेली निवासी आरिफ और रुखसार के नाम बताए। जांच के दौरान 23 मार्च को आरिफ अली को उसके किराये के मकान से गिरफ्तार किया गया और उसके घर से 403 ग्राम मादक पदार्थ बरामद किया गया। डीसीपी ने कहा कि रुखसार को 12 अप्रैल को लखनऊ से गिरफ्तार किया गया और उसके घर से 200 ग्राम हेरोइन समेत मादक पदार्थ तैयार करने वाली सामग्री और अन्य सामान बरामद किया गया। उन्होंने कहा कि बाद में अंसारी को हजारीबाग से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने कहा कि जांच जारी है और अन्य आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जेल में बंद अब्बास को पिता के 40वें में ऑनलाइन शामिल होने की अनुमति

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने जेल में बंद विधायक अब्बास अंसारी को अपने दिवंगत पिता मुख्तार अंसारी के चालीसवें में ऑनलाइन शामिल होने की मंगलवार को अनुमति दे दी। गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी की 28 मार्च को बांदा के अस्पताल में हृदयाघात से मौत हो गई थी।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने प्रदेश सरकार और जेल अधिकारियों को इसके लिए आवश्यक व्यवस्था का निर्देश दिया। साथ ही पीठ ने कहा कि इस मामले को आठ मई, 2024 को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करें।

कैदी को भी चिकित्सकीय उपचार का अधिकार

मुंबई, एजेंसी

- बंबई उच्च न्यायालय ने धनशोधन मामले में की टिप्पणी
- कोर्ट ने जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल को दी जमानत

बंबई उच्च न्यायालय ने धनशोधन मामले में गिरफ्तार जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल को स्वास्थ्य के आधार पर दो महीने के लिए अंतरिम जमानत देते हुए कहा कि एक कैदी को भी चिकित्सकीय उपचार का अधिकार होता है और वह सम्मान का हकदार है।

न्यायमूर्ति एन. जे. जमादार की एकल पीठ ने कहा कि एक विचाराधीन कैदी के रूप में इलाज कराने और बिना किसी रोक-टोक के नागरिक के रूप में उपचार कराने के बीच अंतर है। पीठ ने सोमवार को गोयल को चिकित्सकीय आधार पर दो महीने की अंतरिम जमानत दे दी थी। आदेश की प्रति मंगलवार को उपलब्ध कराई गई। गोयल (75) ने चिकित्सकीय और मानवीय आधार पर अंतरिम जमानत प्रदान करने का आग्रह किया था, क्योंकि वह और उनकी पत्नी कैंसर से पीड़ित हैं। एक विशेष अदालत ने फरवरी में गोयल को जमानत देने से इनकार कर दिया था, लेकिन उन्हें अपनी पसंद के निजी अस्पताल में भर्ती होने और इलाज कराने की अनुमति दे दी थी। इसके बाद गोयल ने अंतरिम जमानत के लिए उच्च न्यायालय का रुख किया था। न्यायमूर्ति जमादार ने आदेश देने से पहले मेडिकल रिकॉर्ड का अवलोकन किया और कहा-यह मानना ठीक नहीं होगा कि आवेदक (गोयल) बीमार नहीं है।

पीठ ने कहा कि किसी भी कैदी को गंभीर बीमारी से पीड़ित होने पर केवल इसलिए अधर में नहीं छोड़ा जा सकता कि उस पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के सख्त प्रावधान के तहत मामला दर्ज है।

भाजपा ने अरुणाचल प्रदेश में 27 असंतुष्टों को किया निष्कासित

ईटानगर। भाजपा की अरुणाचल प्रदेश इकाई ने उन 27 असंतुष्ट पार्टी नेताओं को मंगलवार को निष्कासित कर दिया, जिन्होंने टिकट नहीं दिये जाने के बाद राज्य में 19 अप्रैल को पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव लड़ा था। भाजपा की राज्य अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति के अध्यक्ष तार तारक ने कहा कि नेताओं को छह साल के लिए निष्कासित किया गया है। निष्कासित नेताओं ने मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के संगमा के नेतृत्व वाली नेशनल पीपुल्स पार्टी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल के टिकट पर और निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ा था।

आज का मुकाबला

सनराइजर्स हैदराबाद
बनाम
लखनऊ सुपरजाइंटस
शाम 7:30 बजे

पर्पल कैप

खिलाड़ी	मैच	विकेट
जसप्रीत बुमराह (मुंबई)	12	18
हर्षल पटेल (पंजाब)	11	17
वरुण चक्रवर्ती (केकेआर)	11	16

ऑरेंज कैप

खिलाड़ी	मैच	रन
विराट कोहली (आरसीबी)	11	542
ऋतुराज गायकवाड़ (चेन्नई)	11	541
संजू सैमसन (राजस्थान रॉयल)	11	471

विश्व कप क्वालीफायर के लिए दूसरी सूची की घोषणा, चोटिल झिंगन बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी

- पहली सूची में शामिल 26 खिलाड़ी भुवनेश्वर में 10 मई से शुरू करेंगे अभ्यास

भारतीय सीनियर पुरूष टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने मंगलवार को कुवैत और कतर के खिलाफ फीफा विश्व कप 2026 के प्रारंभिक संयुक्त क्वालीफिकेशन के दूसरे दौर के मुकाबलों के लिये 15 संभावित खिलाड़ियों की दूसरी सूची जारी की जिसमें चोटिल डिफेंडर संदेश झिंगन का नाम नहीं है।

पहली सूची शनिवार को जारी की गई थी। झिंगन को जनवरी में सीरिया के खिलाफ भारत के एशियाई कप ग्रुप मैच के दौरान दाहिने घुटने में चोट लगी थी। पहली सूची में शामिल 26 खिलाड़ी भुवनेश्वर में 10 मई से अभ्यास शुरू करेंगे। दूसरी सूची में शामिल 15 खिलाड़ियों में मुंबई सिटी एफसी और मोहन बागान एसजी के खिलाड़ी शामिल हैं जिन्होंने आईएसएल कप फाइनल खेला। वे 15 मई को शिविर से जुड़ेंगे। कुल 41 खिलाड़ी राष्ट्रीय शिविर में भाग लेंगे। भारत का सामना छह जून को कोलकाता में कुवैत से और 11 जून को कतर में कतर से होगा। भारत ग्रुप ए में चार मैचों में चार अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। ग्रुप की शीर्ष दो टीमें तीसरे दौर में पहुंचेंगी और एएफसी एशियाई कप का टिकट कटाएगी।

दबाव में अच्छे फैसले लेते हैं कप्तान रोहित : युवराज

नई दिल्ली, एजेंसी

- टी-20 विश्वकप में रोहित जैसे कप्तान की भारतीय टीम को है जरुरत

भारत के पूर्व हरफनमौला युवराज सिंह का मानना है कि रोहित शर्मा समझदार कप्तान है और दबाव में अच्छे फैसले लेते हैं जिससे टी-20 विश्व कप में भारत के लिए उनकी मौजूदगी अहम होगी। रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम पिछले साल 50 ओवरों के विश्व कप के फाइनल में पहुंची और टी-20 विश्व कप 2022 के सेमीफाइनल में जगह बनाई। इसके अलावा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी टीम ने जगह बनाई थी। अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी-20 विश्व कप में भी भारतीय टीम की कमान रोहित के हाथ में होगी।

टी-20 विश्व कप के ब्रांड दूत युवराज ने आईसीसी से कहा रोहित की मौजूदगी काफी अहम होगी। हमें अच्छे और समझदार कप्तान की जरूरत है जो दबाव में अच्छे फैसले ले सके। रोहित ऐसा ही कप्तान है।

भारत ने आखिरी बाद 2013 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में चैंपियंस ट्रॉफी के रूप में आखिरी आईसीसी खिताब जीता था। युवराज का मानना है कि भारत को रोहित जैसे कप्तान की जरूरत है। जब हम 50 ओवरों के विश्व कप के फाइनल में हारे थे तब रोहित ही कप्तान था। हमें उसके जैसे कप्तान की ही जरूरत है।

शिवम दुबे और यशस्वी जायसवाल होंगे भारत की सफलता की कुंजी : शास्त्री

दुबई। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा कि आगामी टी-20 विश्व कप में शिवम दुबे की बड़े छक्के लगाने की क्षमता से भारत को बड़े स्कोर बनाने में मदद मिलेगी और यशस्वी जायसवाल के साथ दुबे पर भारत की उम्मीदों का दारोमदार होगा। जायसवाल और दुबे एक जून से अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी-20 विश्व कप में पदार्पण करेंगे। शास्त्री ने कहा दोनों बायें हाथ के बल्लेबाज हैं और अपना पहला विश्व कप खेल रहे हैं। यशस्वी जायसवाल है जिसने इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। वह युवा है और बेखौफ खेलता है। चेन्नई सुपर किंग्स के लिये खेलने वाले दुबे ने इस सत्र में 11 मैचों में 170 .73 की स्ट्राइक रेट से 350 रन बनाए हैं। शास्त्री ने कहा मध्यक्रम में उसे देखिएगा। वह आक्रामक है और मैच विनर है। वह मजे के लिए छक्के लगा देता है और स्पिन गेंदबाजी को बखूबी खेलता है। तेज गेंदबाजों के खिलाफ भी वह असरदार है। पांचवें छठे नंबर पर उसकी भूमिका अहम होगी।

बंगाल, हरियाणा की महिला हॉकी टीमों को मिली जीत

रांची। बंगाल और हरियाणा ने मंगलवार को राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग 2024 में क्रमशः ओडिशा और महाराष्ट्र पर 2-1 के समान अंतर से जीत दर्ज की।

बंगाल ने मैच के दौरान दबदबा बनाए रखा और उसके लिए दोनों गोल शांति होरो (23वां और 39वां मिनट) ने किया। मैच के आखिरी क्वार्टर में दीपी मोनिका टोप्पो (51वां मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल ओडिशा की वापसी कराई लेकिन टीम इसके बाद कोई और गोल करने में विफल रही। दिन के दूसरे मैच में हरियाणा ने शुरू से ही दबदबा बनाए रखा। मंजू चौरसिया ने 12वें मिनट में टीम को बढ़त दिलायी जबकि दूसरे हाफ में पूजा ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर हरियाणा की बढ़त को दोगुना किया। महाराष्ट्र के प्रयास करना जारी रखा। टीम के लिए सुकन्या धावरे (55) अंतिम मिनटों में मैदानी गोल कर हार के अंतर को कम करने में सफल रही।

सैमसन की पारी पर भारी पड़े दिल्ली के गेंदबाज

20 रन से हारा राजस्थान, मैकगर्क और अभिषेक के अर्धशतक, दिल्ली के लिए प्ले ऑफ की उम्मीदें बरकरार

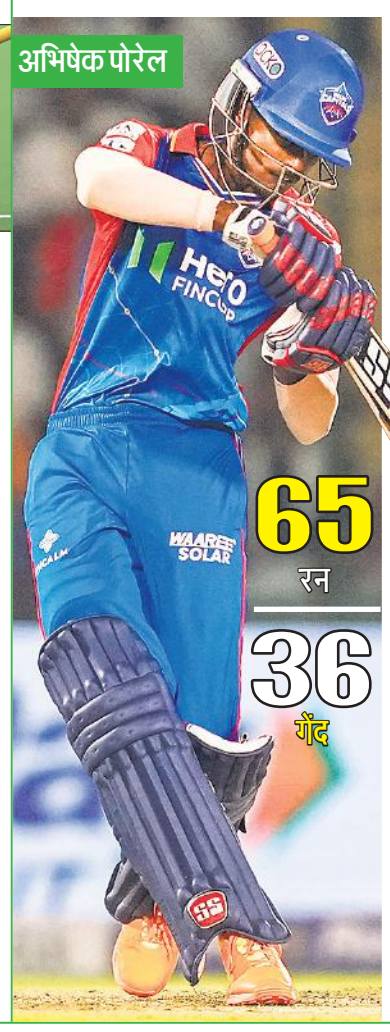

नई दिल्ली, एजेंसी

सलामी बल्लेबाजों अभिषेक पोरेल और जेक फ्रेजर-मैकगर्क के अर्धशतक के बाद गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में मंगलवार को यहां राजस्थान रॉयल्स को 20 रन से हराकर प्ले ऑफ में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा।

दिल्ली के 222 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सैमसन (46 गेंद में 86 रन) के बड़े अर्धशतक के बावजूद रॉयल्स की टीम आठ विकेट पर 201 रन ही बना सकी। रियान पराग (27) और शुभम दुबे (25) अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में नाकाम रहे। दिल्ली की तरफ से कुलदीप यादव ने 25, मुकेश कुमार ने 30 जबकि खलील अहमद ने 47 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए। इस जीत से दिल्ली के 12 मैच में छह जीत से 12 अंक हो गए हैं। टीम हालांकि अंक तालिका पर छठे स्थान पर ही बनी हुई है। रॉयल्स की टीम 11 मैच में 16 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। दिल्ली ने इससे पहले पोरेल (36 गेंद में 65 रन) और फ्रेजर-मैकगर्क (50 रन, 20 गेंद) के अर्धशतक और दोनों के बीच पहले विकेट की 4.2 ओवर में 60 रन की साझेदारी से आठ विकेट पर 221 रन बनाए। ट्रिस्टन स्टब्स (20 गेंद में 41 रन) ने अंत में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करके टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे रॉयल्स ने पारी की दूसरी गेंद पर ही यशस्वी जायसवाल (04) का विकेट गंवा दिया। सैमसन शुरूआत से ही अच्छी लय में नजर आए। बटलर 19 रन बनाकर लौटे। रॉयल्स ने पावर प्ले में दो विकेट पर 67 रन बनाए। रियान पराग (22 गेंद में 27 रन) बनाए। 11वें ओवर में टीम ने रनों का सैकड़ा पूरा किया। सैमसन ने 28 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। रॉयल्स को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 63 रन की दरकार थी। मुकेश ने सैमसन को लॉन्ग ऑन बाउंड्री पर शाई होप के हाथों कैच कराके रॉयल्स को बड़ा झटका दिया। उन्होंने 12 गेंद का सामना करते हुए दो चौके और दो छक्के मारे। कुलदीप ने इसके बाद डोनोवन फरेरा (01) और अश्विन (02) को पवेलियन भेजा। रॉयल्स को अंतिम दो ओवर में जीत के लिए 37 रन की जरूरत थी लेकिन टीम लक्ष्य से दूर रही और आठ विकेट खोकर 201 रन ही बना सकी।

विकेट लेने के बाद खुशी मनाते दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ी। ● एजेंसी

60 रन की साझेदारी जैक और पारेल ने पहले विकेट लिए की

दिल्ली 221/8 — 20 ओवर, अतिरिक्त : 01

बल्लेबाज	रन	गेंद	4/6
जेक फ्रेजर मैकगर्क का फरेरा बो अश्विन	50	20	7/3
अभिषेक पोरेल का संदीप बो अश्विन	65	36	7/3
शाई होप रन आउट	1	1	0/0
अक्षर पटेल का पराग बो अश्विन	15	10	1/1
ऋषभ पंत का बोल्ट बो चहल	15	13	0/1
ट्रिस्टन स्टब्स पगबाधा बो संदीप	41	20	3/3
गुलबदीन नायब का अश्विन बो बोल्ट	19	15	1/1
रसिख सलाम रन आउट	9	3	2/0
कुलदीप यादव नाबाद	5	2	1/0

गेंदबाजी : बोल्ट 4-0-48-1, संदीप 4-0-42-1, आवेश 2-0-42-0, अश्विन 4-0-24-3, पराग 2-0-17-0, चहल 4-0-48-1

राजस्थान 201/8 — 20 ओवर, अतिरिक्त : 15

बल्लेबाज	रन	गेंद	4/6
यशस्वी का अक्षर बो खलील	4	2	1/0
जोस बटलर बो अक्षर	19	17	2/1
संजू सैमसन का होप बो मुकेश	86	46	8/6
रियान पराग बो रसिख	27	22	1/3
शुभम दुबे का स्टब्स बो खलील	25	12	2/2
रोवमैन पावेल बो मुकेश	13	10	1/1
डोनोवन फरेरा पगबधा बो कुलदीप	1	3	0/0
रविचंद्रन अश्विन का होप बो कुलदीप	2	3	0/0
ट्रेंट बोल्ट नाबाद	2	3	0/0
आवेश खान नाबाद	7	3	1/0

गेंदबाजी : खलील 4-0-47-2, इशांत 3-0-34-0, मुकेश 3-0-30-2, अक्षर 3-0-25-1, कुलदीप 4-0-25-2,रसिख 3-0-36-1

अंकतालिका

टीम	मैच	जीत	हार	अंक	रन रेट
कोलकाता	11	8	3	16	+1.453
राजस्थान	11	8	3	16	+0.476
चेन्नई	11	6	5	12	+0.700
हैदराबाद	11	6	5	12	-0.065
दिल्ली	12	6	6	12	-0.316
लखनऊ	11	6	5	12	-0.371
बेंगलुरु	11	4	7	8	-0.049
पंजाब	11	4	7	8	-0.187
मुंबई	12	4	8	8	-0.212
गुजरात	11	4	7	8	-1.320

बुमराह को आराम देने का कोई इरादा नहीं : पोलार्ड

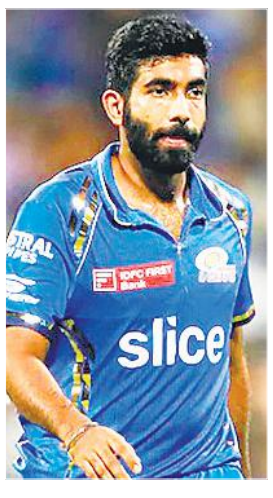

मुंबई, एजेंसी

मुंबई इंडियंस के आईपीएल प्लेआफ की दौड़ से बाहर होने के बावजूद बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड ने कहा कि टीम का तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम देने का कोई इरादा नहीं है। मुंबई ने सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से हराया जिसमें सूर्यकुमार यादव ने आईपीएल में दूसरा शतक जड़ा। मुंबई की यह 12 मैचों में चौथी ही जीत थी।

टी20 विश्व कप को देखते हुए बुमराह को आराम देने के सवाल पर पोलार्ड ने कहा हमने इस पर कोई बात नहीं की है। मुझे नहीं लगता कि यह मेरा काम है लेकिन देखते हैं कि क्या होता है। हम सभी यहां पूरा आईपीएल खेलने के

- मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच बोल- हम यहां आईपीएल के लिए हैं, बाकी सब उसके बाद देखेंगे

लिए हैं। हमारा लक्ष्य आईपीएल पूरा करना है। उसके बाद देखते हैं कि क्या होता है। पोलार्ड ने कहा कि बल्लेबाजी कोच होने के नाते सबसे कठिन काम सूर्यकुमार जैसे बल्लेबाज से आक्रामक खेल पर नियंत्रण कराना है। ऐसे में बल्लेबाजी कोच के लिए सबसे कठिन काम उसकी स्वाभाविक शैली को बदलना है, लेकिन बहुत ज्यादा नियंत्रण की भी जरूरत नहीं है आजकल क्रिकेट में इतने रन बन रहे हैं।

बारिश के कारण लखनऊ से गुवाहाटी और गुवाहाटी से वाराणसी घूमती रही केकेआर

लखनऊ। खराब मौसम के कारण कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की टीम का विमान सोमवार शाम कोलकाता में उतर नहीं कर सका और वह लखनऊ से गुवाहाटी, गुवाहाटी से वाराणसी घूमती रही। केकेआर की मीडिया टीम ने बताया कि टीम को ले जा रहे विमान ने शाम 5 :45 पर लखनऊ से उड़ान भरी और उनके विमान को शाम 7 .25 बजे उतरना था लेकिन बारिश के कारण उनके विमान को उतरने की इजाजत नहीं मिली। रात 8 .46 बजे उन्हें बताया गया कि कोलकाता में भारी बारिश की वजह से उनके विमान को गुवाहाटी भेजा गया। इसके बाद रात 9 .43 बजे पता चला कि हमें वापस कोलकाता जाने के लिए अनुमति मिल गई है और हम रात 11 बजे कोलकाता पहुंचेंगे। टीम मंगलवार को तड़के तीन बजे वाराणसी पहुंची और ताज गंगाज होटल में रात बिताई।

भारतीय दिग्गजों के लिए द्रविड़ के पास स्पष्ट योजनाएं होनी चाहिए : ब्रायन लारा

नई दिल्ली, एजेंसी

महान क्रिकेटर ब्रायन लारा का मानना है कि भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को अगले महीने अमेरिका में होने वाले टी20 विश्व कप में सुपरस्टार विराट कोहली और रोहित शर्मा से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराने के लिए एक विशेष योजना की जरूरत होगी।

भारतीय टीम प्रबंधन ने खेल के सबसे छोटे अंतर्राष्ट्रीय प्रारूप में अनुभवी विराट कोहली और रोहित शर्मा का समर्थन करना जारी रखा है और इस टीम में आठ ऐसे खिलाड़ी है जो 2022 टी-20 विश्व कप का भी हिस्सा थे। लारा ने कहा जब आपके पास बहुत सारे दिग्गज खिलाड़ियों वाली टीम होती है, तो आप योजना भूल जाते हैं। आपको विश्वास रहता है कि ये दिग्गज अपना काम बखूबी कर सकते हैं। एक कोच के रूप में कभी-कभी आपके लिए सर विवियन रिचर्ड्स या विराट कोहली से यह कहते हुए संकोच हो सकता है कि आप उनसे क्या उम्मीद करते हैं। भारतीय टीम के संयोजन के बारे में पूछे जाने पर लारा ने रिचर्ड्स की अगुवाई वाली बेहद अनुभवी वेस्टइंडीज टीम का उदाहरण दिया जो 1987 विश्व कप के सेमीफाइनल में नहीं पहुंच सकी थी। टीम में खिलाड़ियों के चयन को लेकर अतीत में भी बहुत सारी टीमों को दुविधा की स्थिति का सामना करना पड़ा है।

प्ले आफ की दौड़ में बने रहने के लिए आज भिड़ेंगे लखनऊ और हैदराबाद

हैदराबाद, एजेंसी

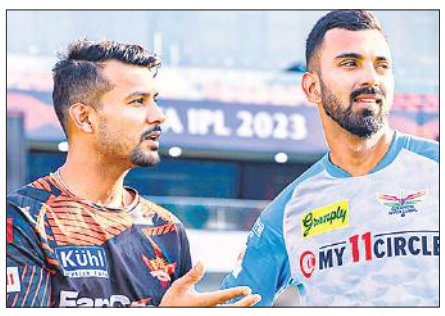

अपने बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन से उबरकर सनराइजर्स हैदराबाद लखनऊ सुपर जाइंटस के खिलाफ बुधवार को आईपीएल के मैच में जीत दर्ज करके प्लेआफ का दावा पुख्ता करने के इरादे से उतरेगी। दोनों टीमों के 11 मैचों में 12 अंक हैं। सनराइजर्स का नेट रनरेट (माइनस 0.065) लखनऊ (माइनस 0.371) से बेहतर है। अंकतालिका में कोलकाता नाइट राइडर्स (16), राजस्थान रॉयल्स (16) और चेन्नई सुपर किंग्स (12) उससे ऊपर हैं। सनराइजर्स और लखनऊ में से जो जीतेगा वह प्लेआफ की दौड़ में एक कदम आगे होगा।

पैट कमिंस की कप्तानी वाली टीम में प्रतिभा की कमी नहीं है लेकिन पिछले कुछ मैचों में उसके विजय अभियान पर रोक लग गई है। पिछले चार में से तीन मैचों में सनराइजर्स को पराजय का सामना करना पड़ा है क्योंकि उसके आक्रामक बल्लेबाज नाकाम रहे हैं। मुंबई इंडियंस के खिलाफ पिछले मैच में वे बड़ा स्कोर नहीं बनाने के कारण सात विकेट से हार गए। ट्रेविस हेड को छोड़कर बाकी बल्लेबाज पिछले कुछ मैचों में खराब फॉर्म में रहे हैं। युवा अभिषेक शर्मा पिछले चार मैचों में 30 रन से आगे नहीं जा सके हैं। सनराइजर्स के मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने स्वीकार किया कि हर बार सलामी बल्लेबाजों पर ही जिम्मेदारी नहीं छोड़ी जा सकती, मध्यक्रम को भी कमान संभालनी होगी। हेनरिच क्लासेन लगातार अच्छा खेलने में नाकाम रहे हैं और नीतिश रेड्डी ने भी टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया है । टी नटराजन ने अच्छी गेंदबाजी की है जबकि अनुभवी भुवनेश्वर कुमार ने भी लय हासिल कर ली है। दूसरी ओर लखनऊ सुपर जाइंट्स ने कोलकाता के खिलाफ इकाना स्टेडियम पर निराशाजनक प्रदर्शन किया और पहली बार 200 से अधिक रन देने के बाद 137 रन पर आउट हो गई। कप्तान राहुल नाकाम रहे जबकि मार्कस स्टोइनिस और निकोलस पूरन भी बड़ी पारियां नहीं खेल सके। आयुष का इस आईपीएल में प्रदर्शन औसत ही रहा है और वह अपनी उपयोगिता साबित करना चाहेंगे।

बॉलीवुड हलचल

बेहतर स्क्रिप्ट पर शाहरूख के साथ काम करेंगी प्रीति

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा का कहना है कि माइंड ब्लोइंग स्क्रिप्ट मिलने पर ही वह शाहरुख खान के साथ काम करेंगी। प्रीति जिंटा ने शाहरुख खान के साथ दिल से, कभी अलविदा ना कहना, कल हो ना हो और वीर जारा जैसी फिल्मों में काम किया है, लेकिन दोनों को ऑडियंस का सबसे ज्यादा प्यार वीर जारा में मिला। प्रीति जिंटा इन दिनों आमिर खान के प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही सनी देओल स्टारर फिल्म लाहौर 1947 में काम कर रही हैं। इसी बीच प्रीति जिंटा ने एक्स (पहले ट्विटर) पर उन्होंने अपने फैन्स के सवालों के जवाब दिए। एक फैन ने उनसे पूछा, मैम आप और शाहरुख कब साथ में फिल्म करेंगे। इस सवाल का जवाब देते हुए प्रीति ने लिखा, जब भी ऐसी कोई माइंड ब्लोइंग स्क्रिप्ट मिलेगी, जिसे सिर्फ हम दोनों कर सकते हैं तब करेंगे, तब तक इंताजर कीजिए। एक दूसरे फैन को जवाब देते हुए प्रीति ने शाहरुख की तारीफ में कहा, शाहरूख टैलेंट के पावरहाउस हैं और एक बेहद ही शानदार हैं और ऐसे एक्टर हैं, जिनके साथ काम करने में मजा आता है। वह काफी एंटरटेनिंग हैं और फिल्म दिल से के दौरान उनसे बहुत कुछ सीखा है। एक फैन ने कहा, आपको सलमान भाई के साथ दोबारा देखना चाहता हूं, पॉसिबल है? जवाब में प्रीति जिंटा ने लिखा, यदि कोई अच्छी स्क्रिप्ट हो तो कुछ भी पॉसिबल है। उन्होंने कहा कि चोरी चोरी चुपके चुपके सलमान के साथ उनकी फेवरेट फिल्म है।

फिल्म जॉली एलएलबी 3 में हुमा कुरैशी की एंट्री

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी, अक्षय कुमार और अरशद वारसी की आने वाली फिल्म जॉली एलएलबी 3 में काम करती नजर आ सकती हैं। अक्षय कुमार और अरशद वारसी की आने वाली फिल्म जॉली एलएलबी 3 की शूटिंग शुरू हो गई है। हाल ही में अक्षय और अरशद वारसी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर इस बात की जानकारी दी थी। चर्चा है कि अब इस फिल्म में हुमा कुरैशी की भी एंट्री हो गई है। कहा जा रहा है कि हुमा कुरैशी राजस्थान के अजमेर गई हैं और वह वहां पर जॉली एलएलबी 3 की कास्ट को ज्वाइन करेंगी। कुछ दिनों पहले फिल्म जॉली एलएलबी 3 की शूटिंग शुरू होने की जानकारी देते हुए अक्षय ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया था। अब ओरिजिनल कौन और डुप्लिकेट कौन, ये तो पता नहीं, पर ये पक्का है कि ये जॉली गुड राइड होने वाली है। हमारे साथ बने रहें जय महाकाल।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शंभू दयाल वाजपेयी द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक-शंभू दयाल वाजपेयी, कार्यकारी संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल-amritvichar120@gmail.com, info@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

हाईकोर्ट में भगवान को बनाया वादी, लगा एक लाख जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी

- दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा- मैंने कभी नहीं सोचा था कि भगवान एक दिन मेरे सामने एक पक्षकार बनेंगे

दिल्ली हाईकोर्ट ने एक निजी मंदिर के संपत्ति विवाद में भगवान हनुमान को पक्षकार बनाने वाले व्यक्ति पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। हाईकोर्ट ने कहा कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत पूजा करने का अधिकार किसी अवैध धार्मिक संरचना में निहित नहीं हो सकता है।

अपीलकर्ता अंकित मिश्रा ने अतिरिक्त जिला न्यायाधीश के फैसले के बाद उनके और अन्य की ओर से दायर आपत्ति याचिका खारिज होने के बाद दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया। अपने आदेश में अतिरिक्त जिला न्यायाधीश ने कहा कि मिश्रा कोई प्रामाणिकता नहीं दिखा सके जो उन्हें भगवान हनुमान के अगले मित्र के रूप में मुकदमा करने का अधिकार देती। हाईकोर्ट ने यह भी माना कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत, पूजा करने का कोई अधिकार किसी अन्य की निजी भूमि पर बने अवैध धार्मिक ढांचे में निहित नहीं हो सकता है और कहा कि ऐसी स्थिति में स्थापित देवता के पास कोई अधिकार नहीं है। न्यायमूर्ति सी हरि शंकर ने कहा मैंने कभी नहीं सोचा था कि भगवान एक दिन मेरे सामने एक वादी बनेंगे। शुक्र है कि यह प्रॉक्सी द्वारा दिव्यता का मामला प्रतीत होता है। न्यायमूर्ति शंकर ने कहा कि एक निजी मंदिर में सार्वजनिक पूजा, यहां तक कि मुफ्त पहुंच के साथ वास्तव में यह नहीं दर्शाता है कि मंदिर एक सार्वजनिक मंदिर है।

अमेरिकी सरकार के प्रतिबंध कानून को टिकटॉक ने दी चुनौती

न्यूयॉर्क। सोशल मीडिया मंच टिकटॉक और उसकी मूल कंपनी बाइटडांस ने मंगलवार को अमेरिका की संघीय सरकार के खिलाफ मुकदमा दायर किया। कंपनी ने हिस्सेदारी बेचने के लिए मजबूर करने या प्रतिबंध के दायर में दायरे में लाने वाले कानून को चुनौती दी।

इस कानून पर पिछले महीने राष्ट्रपति जो बाइडन ने हस्ताक्षर किए थे। यह मुकदमा अमेरिका में टिकटॉक के भविष्य पर एक लंबी कानूनी लड़ाई की वजह बन सकता है। शॉर्ट वीडियो के लिए मशहूर मंच टिकटॉक ने इस कानून को स्पष्ट रूप से असंवैधानिक बताया। इस कानून में प्रावधान है कि टिकटॉक की मूल कंपनी बाइटडांस को नौ महीने के भीतर अपना मंच बेचना होगा। बिक्री की दिशा में कंपनी को सौदा पूरा करने के लिए तीन महीने की अतिरिक्त मोहलत मिलेगी।

हिंसा का महिमामंडन सभ्य समाज का हिस्सा नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

- भारत की कनाडा को दो टूक, कहा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर कट्टरपंथियों को बढ़ावा न दें

भारत ने एक बार फिर कनाडा में चल रहे भारत विरोधी प्रदर्शन को लेकर ट्रूडो सरकार को आड़े हाथों लिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को कहा कि कनाडा को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर कट्टरपंथी लोगों को बढ़ावा नहीं देना चाहिए। कनाडा एक लोकतांत्रिक देश है और हिंसा का महिमामंडन सभ्य समाज का हिस्सा नहीं होना चाहिए।

जायसवाल ने कहा कि सब जानते हैं कि हमने कनाडा से कई बार भारतीय नेताओं के खिलाफ वहां हो रहे प्रदर्शन के पीछे हिंसक सोच का मुद्दा उठाया है। पिछले साल ही ब्रैम्पटन शहर में इंदिरा गांधी की हत्या की झांकी निकाली गई थी। इसमें दो सिख गनमैनों को भारत की पूर्व प्रधानमंत्री को गोली मारते दिखाया गया था। उन्होंने आगे बताया कि इसके बाद वहां कई शहरों में भारत के राजनयिकों के खिलाफ हिंसक पोस्टर लगाए गए हैं। जायसवाल ने कहा कि हिंसा का जश्न मनाना और महिमामंडन करना किसी भी सभ्य समाज का हिस्सा नहीं होना चाहिए। लोकतांत्रिक देशों को कानून व्यवस्था का सम्मान करना चाहिए। साथ ही उन लोगों से सावधान रहना चाहिए, जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर कट्टरपंथी सोच को बढ़ावा देते हैं। जायसवाल के मुताबिक, भारत सरकार कनाडा में रह रहे अपने राजनयिकों की सुरक्षा को लेकर चिंतित है।

यूपीआई की वजह से ज्यादा खर्च कर रहे 75% भारतीय

भारत में यूपीआई के इस्तेमाल से खरीदारी आसान और कैश रखने की मजबूरी खत्म हुई है, लेकिन खर्च बढ़ा है। आईआईआईटी, दिल्ली (इंद्रप्रस्थ इंस्टिट्यूट ऑफ इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी) के सर्वे में पता चला कि यूपीआई की वजह से भारतीय ज्यादा खर्च करने लगे हैं। 74.2% यानी 4 में से 3 भारतीयों का मानना है कि यूपीआई की वजह से उनके खर्च करने का पैटर्न बदल गया है। वे गैर जरूरी खर्च कर रहे हैं।

- ऑनलाइन पेमेंट की वजह से उन्हें एहसास नहीं होता कि वे ज्यादा खर्च कर रहे हैं। दरअसल, कैश खर्च होने पर अपने पास से कुछ जाने का एहसास होता है। इसलिए खर्च का दर्द महसूस होता है। इसलिए लोग खर्च करने से पहले सोचते हैं। ऑनलाइन पेमेंट में खर्च में कुछ खोने जैसा एहसास नहीं होता। इसलिए खर्च का पता नहीं चलता। ऑनलाइन पेमेंट में पैसे सिर्फ नंबर जैसे लगते हैं, जो कम ज्यादा होते रहते हैं। जैसे- यूपीआई के जरिए 2500 रुपए का पेमेंट करने में लोग उतना नहीं सोचते, जितना कि 500 के 5 नोट के जरिए किसी चीज का पेमेंट करने में सोचते हैं।
- आईआईआईटी दिल्ली में असिस्टेंट प्रोफेसर ने अपने छात्रों के साथ 18 साल और उससे ऊपर के लोगों पर सर्वे किया। इसमें पता चला कि 74 .2% लोगों का खर्च यूपीआई का इस्तेमाल शुरू करने के बाद बढ़ा है। साथ ही यह भी पता चला कि 91 .5% लोग यूपीआई से पूरी तरह संतुष्ट हैं। जबकि 95 .2% ने किसी भी पेमेंट के लिए यूपीआई को सबसे आसान और विश्वसनीय माना। 2016 में शुरू हुए यूपीआई ने 8 साल में देश में पेमेंट का तरीका ही नहीं एहसास भी बदल दिया है।

छोटे कारोबारियों की बचत बढ़ी

यूपीआई के इस्तेमाल की वजह से छोटे कारोबारियों जैसे ठेले-खोमचे वाले, गुमटियों में सामान बेचने वालों की बचत बढ़ी है। यूपीआई पेमेंट की वजह से उनका सारा पैसा सीधे खाते में जाता है, जिससे उनकी बचत और उससे मिलने वाला ब्याज दोनों बढ़े हैं। वहीं, इस सर्वे में करीब 25% लोगों ने यह माना कि यूपीआई इस्तेमाल से उनकी बचत बढ़ी है।

एक नजर

व्लादिमीर पुतिन ने 5वीं बार ली राष्ट्रपति पद की शपथ

मॉस्को। व्लादिमीर पुतिन ने 5वीं बार रूस के राष्ट्रपति बन गए हैं। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मंगलवार को क्रेमलिन समारोह में छह साल के नए कार्यकाल के लिए शपथ ली। इस शपथ समारोह का यूक्रेन में रूस के युद्ध के कारण संयुक्त राज्य अमेरिका और कई अन्य पश्चिमी देशों ने बहिष्कार किया। मॉस्को के ग्रैंड क्रेमलिन पैलेस में पुतिन ने 33 शब्दों में शपथ ली। यह वही जगह है, जहां रूस के जार परिवार के 3 राजाओं (एलेक्जेंडर 2, एलेक्जेंडर 3 और निकोलस 2) की ताजपोशी हुई थी। पुतिन ने इससे पहले साल 2000 में पहली बार राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी। इसके बाद से 2004, 2012 और 2018 में भी वे राष्ट्रपति बन चुके हैं।

सलमान के घर गोलीबारी मामले में पांचवां आरोपी गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने पिछले महीने अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर गोली चलाने में शामिल हमलावरों को कथित रूप से वित्तीय मदद देने के मामले में राजस्थान से लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान मोहम्मद रफीक चौधरी (37) के रूप में की गई है। वह गोलीबारी मामले में गिरफ्तार पांचवां आरोपी है। अधिकारी ने कहा कि मामले में पहले ही गिरफ्तार लोगों से पूछताछ के दौरान चौधरी की भूमिका सामने आई। चौधरी ने कथित तौर पर पाल और गुप्ता को मोटरसाइकिल खरीदने और एक घर किराये पर लेने में मदद की थी।

भगोड़े नीरव मोदी की जमानत याचिका पांचवीं बार खारिज

लंदन। भारत के भगोड़े नीरव मोदी की मुश्किल एक बार फिर बढ़ गई है। ब्रिटेन की अदालत ने मंगलवार को उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी। नीरव पिछले पांच साल से जेल में है। लंबी कैद का हवाला देते हुए उसने पांचवीं बार याचिका दायर की थी, जिसे अदालत ने इस बार भी खारिज कर दिया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, लंदन के वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट कोर्ट में सुनवाई के दौरान नीरव उपस्थित नहीं था। हालांकि, उसका बेटा और दोनों बेटियां जरूर गैलरी में उपस्थित थीं। अदालत में नीरव के वकील ने दलील दी कि आखिरी जमानत आवेदन साढ़े तीन साल पहले दिया गया था।

चीनी नागरिकों पर हमले की साजिश अफगानिस्तान में रची गई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की सेना ने मंगलवार को दावा किया कि अशांत खैबर पख्तूनख्वा में मार्च में हुए आत्मघाती हमले की साजिश अफगानिस्तान में अफगान नागरिकों ने रची थी जिसमें पांच चीनी मारे गए थे। सेना की प्रेस इकाई इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) प्रमुख मेजर-जनरल अहमद शरीफ ने में अफगानिस्तान पर आतंकवादियों को पाकिस्तान में हमले करने का आरोप लगाया। मार्च में पख्तूनख्वा के बिशम इलाके में जिस हमले में पांच चीनी अभियंताओं की मौत हुई थी,उसकी साजिश अफगानिस्तान में रची गई थी और पड़ोसी धरती पर रची गई थी।

चीन पर नकेल कसने के लिए तैयार भारत, 3 पोत पहुंचे सिंगापुर

नौसेना ने की दक्षिण चीन सागर में पूर्वी बेड़े की तैनाती, सिंगापुर से मजबूत होंगे रिश्ते

सिंगापुर, एजेंसी

दक्षिण चीन सागर में चीन पर नकेल कसने के लिए नौसेना के पूर्वी बेड़े की परिचालन तैनाती के हिस्से के रूप में तीन भारतीय नौसेना जहाज सिंगापुर पहुंचे हैं, जो दोनों नौसेनाओं के बीच मजबूत संबंधों को रेखांकित करता है। भारतीय नौसेना के प्रवक्ता ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि रियर एडमिरल राजेश धनखड़ के नेतृत्व में भारतीय नौसेना के जहाज दिल्ली, शक्ति और किल्टन सोमवार को सिंगापुर पहुंचा है।

बयान में कहा गया कि मौजूदा तैनाती दोनों नौसेनाओं के बीच मजबूत संबंधों को रेखांकित करती है। सिंगापुर गणराज्य की नौसेना के कर्मियों और सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त ने गर्मजोशी से स्वागत किया। यह यात्रा दक्षिण चीन सागर में भारतीय नौसेना के पूर्वी बेड़े की परिचालन तैनाती का हिस्सा है। यह यात्रा कई कार्यक्रमों और गतिविधियों के माध्यम से दोनों समुद्री देशों के बीच दीर्घकालिक मित्रता और सहयोग को और मजबूत करने के लिए तैयार है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सिंगापुर में पदस्थ भारतीय राजदूत ने तीनों जहाज, नौसेना के जवानों और अधिकारियों का स्वागत किया। नई दिल्ली में रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह यात्रा दो समुद्री देशों के बीच दीर्घकालिक मित्रता और सहयोग को और मजबूत करने के लिए तैयार है। बयान में मंत्रालय ने कहा कि मौजूदा तैनाती दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच मजबूत संबंधों को दर्शाती है।

वर्तमान में दक्षिण चीन सागर में चीन का दबदबा

वर्तमान में चीन दक्षिण चीन सागर में अपना कब्जा चाहता है। इस वजह से आसपास के अन्य देशों को परेशान करता रहता है। चीन फिलीपींस के नौसैनिक जहाजों के साथ गतिरोध में शामिल है। दक्षिण चीन सागर में दूसरे थॉमस शोल पर फिलीपींस अपना दावा जताने की कोशिश कर रहा है और चीन इसका कड़ा विरोध कर रहा है।

सीमा पर तनाव के बीच भारत में तैनात होंगे चीन के राजदूत

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने जू फेइहोंग को भारत में नया राजदूत नियुक्त किया है। बता दें कि पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध के बाद से दोनों देशों के बीच रिश्तों में खटास पैदा हो गई थी। अब 18 महीने के बाद चीन ने जू फेइहोंग को भारत में नया राजदूत बनाकर कुछ अलग संकेत दिया है। हालांकि इस बारे में चीन की तरफ से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है लेकिन चीनी विदेश मंत्रालय ने इस बात की पुष्टि की है। यह तय हो गया कि अफगानिस्तान और रोमानिया के पूर्व राजदूत रह चुके फेइहोंग अब भारत में चीन के राजदूत होंगे। बताया जा रहा है कि 60 वर्ष फेइयोंग जल्द ही दिल्ली का दौरा कर सकते हैं। इससे पहले अक्टूबर 2022 में सुन वेईडोंग ने भारत में चीन के राजदूत के रूप में अपना कार्यकाल खत्म किया था। भारत से पहले वेईडोंग पाकिस्तान में चीन के राजदूत रहे हैं।

90 मिनट पहले टली सुनीता की अंतरिक्ष यात्रा

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- नासा ने तकनीकी खामी के चलते मिशन को रोकने का लिया फैसला

भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स की तीसरी अंतरिक्ष यात्रा टल गई है। दरअसल तकनीकी खराबी के चलते उड़ान भरने से 90 मिनट पहले मिशन को रोकने का फैसला किया गया। नासा ने उड़ान की अगली तारीख की घोषणा नहीं की है।

बता दें, सुनीता विलियम्स मंगलवार को तीसरी बार अंतरिक्ष यात्रा पर जाने वाली थीं। सुनीता बोइंग के स्टारलाइनर अंतरिक्षयान से फ्लोरिडा के कैप कॉर्निवाल स्थित केनेडी स्पेस सेंटर से भारतीय समय के अनुसार, सुबह 8.04 बजे उड़ान

भरने वाली थीं। हालांकि उड़ान भरने से 90 मिनट पहले वैज्ञानिकों को अंतरिक्ष यान के ऑक्सीजन वाल्व में तकनीकी खामी का पता चला, जिसके चलते उड़ान को रोक दिया गया। सुनीता विलियम्स के साथ नासा के वैज्ञानिक बैरी विल्मोर भी बोइंग के अंतरिक्षयान से अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन जाने वाले थे। सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष में रिकॉर्ड 322 दिन बिता चुकी हैं और उनके पास सबसे ज्यादा घंटे तक स्पेसवॉक करने वाली महिला वैज्ञानिक होने का रिकॉर्ड है। विलियम्स पहली बार 9 दिसंबर 2006 को अंतरिक्ष में गईं थी और 22 जून 2007 तक अंतरिक्ष में रहीं थी। सुनिता विलियम्स ने चार बार रिकॉर्ड 29 घंटे और 17 मिनट तक स्पेसवॉक किया था। इसके बाद सुनीता विलियम्स 14 जुलाई 2012 को दूसरी बार अंतरिक्षयात्रा पर गईं और 18 नवंबर 2012 तक अंतरिक्ष में रहीं थी।

आप विधायक अमानतुल्लाह के बेटे ने पेट्रोल पंप कर्मी को पीटा, मुकदमा दर्ज

नोएडा। नोएडा पुलिस ने एक पेट्रोल पंप पर कर्मियों के साथ कथित रूप से मारपीट करने और धमकी देने को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक अमानतुल्लाह खान, उनके बेटे अनस खान सहित कई के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। ओखला विधानसभा क्षेत्र से विधायक खान ने दावा किया कि यह पुलिस की एकतरफा कार्रवाई है और उन्हें मामले में गलत तरीके से फंसाया गया है। अपर पुलिस उपयुक्त (जोन प्रथम) मनीष कुमार मिश्रा ने अमानतुल्लाह के बेटे अनस अपने साथियों के साथ सेक्टर 95 स्थित पेट्रोल पंप पर ईंधन को लेकर कर्मचारियों से बहस हो गई, और कर्मियों को पीटा। पेट्रोल पंप के मैनेजर बिनोद और मालिक को धमकी दी। मामले में पीड़ित विनोद कुमार सिंह ने फेस-वन थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चीन के एक अस्पताल में चाकू से हमला दो की मौत, 21 लोग घायल

युन्नान। चीन के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत युन्नान के एक अस्पताल में मंगलवार को चाकू से किए गए हमले में दो लोगों की मौत हो गई और 21 अन्य घायल हो गए। राज्य की मीडिया ने आधिकारिक सूत्रों के हवाले से इसकी पुष्टि की है। मीडिया के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, हमला जेनक्सिओनग काउंटी के एक स्थानीय अस्पताल में हुआ। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, घटनास्थल के कई वीडियो सामने आए हैं जिसमें पुलिस पास के वेलनेस सेंटर में एक संदिग्ध को पकड़ती हुई दिख रही है। अधिकारी अधिक जानकारी जुटाने की प्रक्रिया में हैं और यह स्पष्ट नहीं है कि पकड़ा गया संदिग्ध वास्तव में हमलावर है या नहीं। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, चीनी राज्य मीडिया आउटलेट, द पेपर द्वारा साक्षात्कार में एक प्रत्यक्षदर्शी ने स्थिति को अराजक बताया, जबकि अधिकारी स्थिति का आकलन कर रहे थे।

आसरे की आस...

वाशिंगटन : फीचर फोटोग्राफी में अमेरिका पहुंचने की उम्मीद में प्रवासी कोलंबिया से पनामा तक डेरियन गैप को पार करते हुए आगे की ओर बढ़ रहे हैं। सोमवार को इस तस्वीर के लिए उगार्टे फर्नांडो लानो, एरिक गे, ग्रेगरी बुल और क्रिश्चियन चावेज को 2024 पुलित्जर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। ● एजेंसी

श्रीनगरः पाकिस्तान में बैठे सात आकाओं की संपत्तियां कुर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में पाकिस्तान के सात आतंकी आकाओं की संपत्तियां कुर्क की गईं, पुलिस ने मंगलवार को इस बात की जानकारी दी है। एक पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि बारामूला में अतिरिक्त सत्र अदालत द्वारा पारित कुर्की आदेश प्राप्त करने के बाद, पाकिस्तान स्थित आतंकी आकाओं की लाखों रुपये की 13 कनाल जमीन कुर्क की गई।

उन्होंने संचालकों की पहचान शेखपोरा के शब्बीर अहमद सोफी, वारिपोरा पाईन के गुलाम नबी अलाई, वारपोरा बाला के गुलाम नबी शेख, रेशीपोरा औथूरा के शरीफ उद दीन चोपन और गुल्ला शेख, सलूसा के मोहम्मद रफीक खान और फ्रास्टर तिलगाम के अब्दुल हमीद परे के रूप में की। उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा की गई जांच के दौरान संपत्ति की पहचान की गई।

यूक्रेन: जेलेंस्की की हत्या की साजिश नाकाम, दो गिरफ्तार

कीव। यूक्रेन ने दावा किया है कि उसके काउंटर इंटेलिजेंस जांचकर्ताओं ने राष्ट्रपति ब्लादिमिर जेलेंस्की की हत्या के लिए रची गई रूसी साजिश को नाकाम कर दिया है। साजिश में शामिल दो एजेंटो को गिरफ्तार किया है।

यूक्रेन की स्टेट सिक्योरिटी सर्विस ने मंगलवार को कहा कि साजिश में यूक्रेन की सेना के शीर्ष अधिकारी और राजनीतिक व्यक्ति भी साजिशकर्ताओं के निशाने पर थे। स्टेट सिक्योरिटी सर्विस की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि यूक्रेन के स्टेट गार्ड में कार्यरत दो कर्नल गिरफ्तार किए गए हैं। संदेह है कि दोनों कर्नल रूस की फेडरल सिक्योरिटी सर्विस के प्लान पर काम कर रहे थे। दोनों

- यूक्रेन के जांचकर्ताओं का दावा रूस के लिए काम कर रहे थे दोनों आरोपी कर्नल

कर्नल पर शीर्ष अधिकारियों के सुरक्षा की जिम्मेदारी थी। स्टेट सिक्योरिटी सर्विस के प्रमुख वासिल मलिक के हवाले से कहा गया है कि रूसी एजेंट साजिश को अंजाम देकर रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमिर पुतीन को पांचवे कार्यकाल की शुरुआत से पहले तोहफा देना चाहते थे।

राजस्थान में तलवार से घायल कर युवती से सामूहिक दुष्कर्म

जयपुर। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में युवती से तलवार की नोक पर सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। ओपियों ने पीड़िता से खींचातानी करने पर तलवार से हमला कर दिया, जिससे उसकी दाहिने हाथ की दो उंगलियां कट गईं। पुलिस के मुताबिक, पीड़िता ने दुष्कर्म के दो दिन बाद दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया। एक आरोपी की पहचान कालू के रूप में हुई है। बांसवाड़ा के पुलिस उपाधीक्षक सूर्यवीर सिंह ने कहा कि महिला शादी समारोह से लौट रही थी कालू और उसके दोस्त ने उसे रोका और सामूहिक दुष्कर्म किया। उन्होंने कहा कि 19 वर्षीय पीड़िता को उदयपुर जिला अस्पताल रेफर किया गया है। आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

विज्ञान कोलोराडो विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने किया रहस्य का खुलासा

शुक्र ग्रह के खोए सागरों की गुत्थी सुलझाने में मिली कामयाबी

नैनीताल कार्यालय

अमृत विचार : पृथ्वी के पड़ोसी ग्रह शुक्र ग्रह के खोए पानी के सागरों की गुत्थी सुलझाने की बड़ी कामयाबी वैज्ञानिको को मिली है। बोल्डर स्थित कोलोराडो विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने इस रहस्य का खुलासा किया है।

इस शोध से साफ हो गया है कि इस ग्रह पर पानी होने की शेष संभावना भी खत्म हो चुकी है। सर्वविदित है, शुक्र (वीनस) हमारे सौर मंडल का सबसे अधिक सुंदर ग्रह नजर आता है। जिसे पृथ्वी से नग्न आंखों से आसानी से देखा जा सकता है। स्याह रातों की खूबसूरती में चार चांद लगाने वाला यही ग्रह है। कभी इस ग्रह पर पृथ्वी की तरह विशाल समुद्र हुआ करते थे, जो गायब हो गए। जिसकी तलाश

शुक्र ग्रह के वातावरण की तस्वीर।

में वैज्ञानिक कई दशकों से पता लगाने में जुटे हुए थे, लेकिन इसका पता लगा पाना टेढ़ी खीर बनी रही। मगर अब इस रहस्य का पर्दाफाश हो चुका है। इसकी वजह शुक्र की रासायनिक प्रक्रिया है। जिसका पता कंप्यूटर सिमुलेशन के जरिए हो पाया है। दअरसल शुक्र ग्रह के वायुमंडल में हाइड्रोजन परमाणु विघटनकारी पुनर्संयोजन प्रक्रिया के माध्यम से अंतरिक्ष में घूमते हैं। जिस कारण शुक्र हर दिन बड़ी मात्रा में अपना तरल जल खो देता है। 6 मई को नेचर जर्नल में शोध का निष्कर्ष प्रकाशित हुआ है। शोधकर्ता वैज्ञानिक कहते हैं कि आकाशगंगा के कई ग्रहों के पानी व रासायनिक प्रक्रिया को समझना होगा। शोधकर्ताओं ने शुक्र ग्रह को एक विशाल रसायन विज्ञान मझने के लिए कंप्यूटर मॉडल का उपयोग किया, और ग्रह के घूमते हुए वातावरण में होने वाली विविध प्रतिक्रियाओं पर जूम किया। जिससे पता चला कि हाइड्रोजन, कार्बन और ऑक्सीजन के एक-एक परमाणु से बना अणु शुक्र ग्रह का पानी निगल गया और शुक्र के सतह का जल वाष्पित होकर आसमान में चला गया।

अब मंगल ग्रह पर जल की तलाश

शुक्र ग्रह के बाद, अब बारी लालग्रह मंगल के खोए हुए जल का पता लगाने की है। माना जाता है कि पृथ्वी की तरह मंगल में भी समुद्र हुआ करते थे और नदियां बहा करती थी, जिनका जल अब विलुप्त हो चुका है। शुक्र ग्रह के जल का पता लगाने के बाद वैज्ञानिक मंगल ग्रह के जल पता लगाने में जुट गए हैं।

प्रज्ज्वल के 25 हजार अश्लील वीडियो बांटे : कुमारस्वामी

बेंगलुरु। जनता दल (सेक्युलर) नेता एच.डी. कुमारस्वामी ने दावा किया है कि उनके भतीजे एवं हासन से पार्टी उम्मीदवार प्रज्ज्वल रेवन्ना से जुड़े कथित 'सेक्स स्कैंडल' के वीडियो वाली 25 हजार पेन ड्राइव चुनाव से पहले वितरित की गई थीं।

कुमारस्वामी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार पर मामले में साजिश रचने का आरोप लगाते हुए कहा 21 अप्रैल को पूरे राज्य में पैन ड्राइव प्रसारित की गई। पुलिस अधिकारियों ने भी पैन ड्राइव बांटी है। साथ ही प्रज्ज्वल के नाबालिगों सहित 400 महिलाओं से यौन उत्पीड़न वाले बयान को लेकर कुमारस्वामी ने राहुल गांधी को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा- एसआईटी ने अब तक राहुल को नोटिस क्यों नहीं जारी किया, दावे के बावजूद कि उनके पास सारे सबूत हैं।

गाजा के राफा सीमा पर इजराइल का कब्जा

- नेतन्याहू बोले-हमास की आर्थिक क्षमताओं को खत्म करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

यरूशलम, एजेंसी

दो दशक बाद इजराइल की एक टैंक ब्रिगेड ने मंगलवार को गाजा की महत्वपूर्ण राफा सीमा पर पूर्ण नियंत्रण कर लिया है। वैश्विक चेतावनियों को नजरअंदाज करते हुए इजराइल दक्षिणी शहर में घुस गया।

नेतन्याहू ने कहा है कि राफा सीमा पर सेना का नियंत्रण हमास की सैन्य और आर्थिक क्षमताओं को खत्म करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सीमा क्षेत्र में मानवीय सहायता के लिए मुख्य मार्गों में से एक है। वहीं, रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कहा कि अगर बंधक समझौते पर बातचीत विफल रही, तो इजराइल हमले तेज करेगा। संयुक्त राष्ट्र ने चिंता जताते हुए कहा है कि- राफा और गाजा में अन्य मुख्य मार्ग केरेम शालोम के बंद होने से उत्तरी भाग पहले से ही अकाल जैसी स्थिति का सामना कर रहा है। बता दें कि राफा क्रॉसिंग, दक्षिणी गाजा में मिस्र की सीमा पर है, इजराइल ने 2005 में यहां से सैनिक हटा लिए थे। 6 मई को इजराइली सेना ने चेतावनी देते हुए फिलिस्तीनियों से कहा था, पूर्वी राफा को खाली कर दें। यहां दस लाख से अधिक युद्ध-विस्थापित फिलिस्तीनियों ने शरण लिए हुए हैं। इजराइली सेना ने कहा- राफा में हजारों हमास लड़ाकों और बंधकों को शरण में रखा गया है।

अमेरिका ने रोकी इजराइल के लिए हथियारों की सप्लाई

राफा में सैन्य अभियान की घोषणा करके नेतन्याहू ने एक बार फिर अमेरिका को नाराज कर दिया है। यही कारण है कि 7 अक्टूबर के हमले के बाद पहली बार अमेरिका ने इजराइल भेजे जाने वाले गोला-बारूद की खेप रोक दी है। खेप में मिसाइल सहित कई साजो सामन हैं। इस मामले पर अमेरिकी और इजराइली सरकार कुछ भी बोलने से बच रही है। हालांकि, पिछले सप्ताह अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने नेतन्याहू से कहा कि राफा में सैन्य अभियान का अमेरिका-इजराइल संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।